Website : www.mantrabharat.com

जुनून है सच लिखने का

हिन्दी दैनिक

E-Mail : mantragwalior@gmail.com

संस्करण : ग्वालियर
वर्ष : 03
अंक : 226
पृष्ठ : 8
मूल्य : 2.00
सोमवार,16 मार्च 2026

मंत्र भारत

ग्वालियर, मुम्बई, लखनऊ एवं प्रयागराज,से एक साथ प्रकाशित एवं गोरखपुर, वाराणसी, आजमगढ़ से प्रसारित

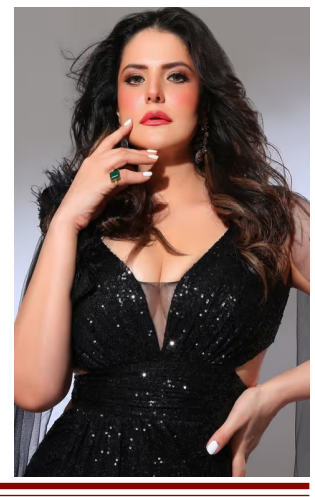

2 33 ग्राम के हेलिकॉप्टर में 1600 मेगापिक्सल के 4 चेहरे पर दिखें ये 5 संकेत तो समझ लें लिवर खतरे में 7 एक्टिंग नहीं कर सकती इसलिए कपड़े ही उतार

निर्वाचन आयोग ने बंगाल समेत 5 राज्यों के विधानसभा चुनाव का किया ऐलान

नई दिल्ली। निर्वाचन आयोग ने रविवार को पश्चिम बंगाल, केरल, असम, तमिलनाडु और पुडुचेरी में विधानसभा चुनाव की तारीखों की घोषणा की। सभी राज्यों में मतगणना चार मई को होगी। मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने बताया कि पश्चिम बंगाल विधानसभा के लिए दो चरण में 23 और 29 अप्रैल को मतदान होगा। उन्होंने संवाददाता सम्मेलन में बताया कि तमिलनाडु की 234 सदस्यीय विधानसभा के लिए 23 अप्रैल को मतदान होगा। कुमार ने बताया कि केरल, असम और पुडुचेरी के लिए नौ अप्रैल को एक चरण में मतदान होगा। उन्होंने बताया कि चारों राज्यों और केंद्र शासित प्रदेश विधानसभा चुनाव के लिए मतगणना चार मई को होगी। मुख्य निर्वाचन आयुक्त ने कहा, "शुद्ध मतदाता सूची हमारे लोकतंत्र की आधारशिला है; किसी भी पात्र मतदाता को हटाया नहीं जाना चाहिए और किसी भी अपात्र मतदाता को शामिल नहीं किया जाना चाहिए।" उन्होंने बताया कि पांच राज्य विधानसभाओं के 824 निर्वाचन क्षेत्रों के चुनावों में कुल 17.4 करोड़ मतदाता मतदान के पात्र हैं। उन्होंने बताया कि चार राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश में 2.19 लाख मतदान केंद्रों पर मतदान होगा, जहां 25 लाख चुनाव अधिकारी ड्यूटी पर तैनात रहेंगे। कुमार ने बताया कि असम, केरल, पुडुचेरी, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में प्रति मतदान केंद्र पर मतदाताओं की औसत संख्या 750-900 है। कुमार ने मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के दौरान अच्छा काम करने के लिए बीएलओ को बधाई भी दी।

मुख्य चुनावी तारीखें:

केरल, असम और पुडुचेरी: एक ही चरण में 9 अप्रैल 2026 को मतदान।

तमिलनाडु: एक चरण में 23 अप्रैल 2026 को मतदान।

पश्चिम बंगाल: दो चरणों में मतदान - 23 अप्रैल 2026 और 29 अप्रैल 2026।

परिणाम घोषणा: सभी जगहों पर 4 मई 2026 को मतगणना और नतीजे।

चुनाव कार्यक्रम की घोषणा के साथ ही इन सभी राज्यों व केंद्र शासित प्रदेश पंडुचेरी में आदर्श आचार संहिता तुरंत लागू हो गई है।

राज्यवार सीटें और महत्व:

पश्चिम बंगाल: 294 सीटें - ममता बनर्जी की TMC सत्ता में है, BJP मुख्य विपक्षी। 2021 में TMC ने बड़ी जीत हासिल की थी।

असम: 126 सीटें - BJP की सरकार, 2021 में पहली बार पूर्ण बहुमत।

केरल: 140 सीटें - LDF (CPI(M) नीत) की सरकार, पिनारयी विजयन मुख्यमंत्री।

तमिलनाडु: 234 सीटें - DMK की सरकार, एम.के. स्टालिन मुख्यमंत्री।

पुडुचेरी: 30 सीटें - AINRC-BJP गठबंधन की सरकार।

पुलिस भर्ती परीक्षा प्रश्न पत्र को लेकर उठा विवाद, सीएम योगी ने दी सख्त हिदायत

लखनऊ,(संवाददाता)। उत्तरप्रदेश पुलिस उपनिरीक्षक (दारोगा) भर्ती परीक्षा के प्रश्नपत्र में पूछे गए एक सवाल को लेकर उठे विवाद के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को सभी भर्ती परिषदों के अध्यक्षों को निर्देश देते हुए कहा है कि किसी भी व्यक्ति, जाति, पंथ या संप्रदाय की मयार्दा एवं आस्था के विषय में अमर्यादित टिप्पणी न की जाए। राज्य सरकार द्वारा यहां जारी बयान के मुताबिक मुख्यमंत्री ने सभी भर्ती परिषदों के अध्यक्षों को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि भर्ती परीक्षाओं के प्रश्न पत्रों में किसी भी व्यक्ति, जाति, पंथ, संप्रदाय की मयार्दा एवं आस्था के विषय में अमर्यादित टिप्पणी न की जाए। बयान के अनुसार मुख्यमंत्री ने कहा है कि इस निर्देश का संज्ञान लेते हुए सभी भर्ती परीक्षाओं में प्रश्न पत्र बनाने वालों को निर्देशित किया जाए और बार-बार गड़बड़ी करने वालों को तत्काल प्रतिबंधित किया जाए। बयान के मुताबिक आदित्यनाथ ने यह भी निर्देश दिया है कि इस हिदायत को प्रश्न पत्र बनाने वालों के साथ होने वाले समझौता ज्ञापन (एमओयू) का भी हिस्सा बनाया जाए। उत्तर प्रदेश पुलिस उपनिरीक्षक (दारोगा) भर्ती परीक्षा के प्रश्नपत्र में पूछे गए एक सवाल को लेकर खासा विवाद खड़ा हो गया है। शनिवार को आयोजित परीक्षा में एक प्रश्न पूछा गया था-अवसर के अनुसार बदल जाने वालों के लिए एक शब्द में उत्तर दें। इसके लिए चार विकल्प दिए गए थे- पंडित, अवसरवादी, निष्कपट और सदाचारी। प्रश्न के विकल्पों में पंडित शब्द शामिल किए जाने पर आपत्ति जताई गई है, जिसके बाद राज्य सरकार ने मामले का संज्ञान लेते हुए इस संबंध में जांच के निर्देश दिए हैं। राज्य के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने इस मामले पर कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि प्रश्न में दिए गए।

सार संक्षेप

हॉस्टल में रहने वाली छात्राओं के गर्भवती होने से मचा हड़कंप, 2 लड़कियां नाबालिग, प्रशासन में सनसनी

बीजापुर। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले से एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। यहां एक छात्रावास में रहने वाली कुछ छात्राओं के गर्भवती पाए जाने के बाद प्रशासन और शिक्षा विभाग में हड़कंप मच गया है। मामले की जानकारी मिलते ही अधिकारियों ने जांच शुरू कर दी है। बताया जा रहा है कि छात्राएं सरकारी छात्रावास में रहकर पढ़ाई कर रही थीं। इस घटना के सामने आने के बाद जिला प्रशासन ने पूरे मामले को गंभीरता से लिया है। मामला बीजापुर जिले के गंगालूर स्थित पोटा केबिन छात्रावास का है जहां तीन छात्राएं गर्भवती पाई गई हैं। जानकारी के अनुसार इन छात्राओं का गर्भ करीब पांच महीने का बताया जा रहा है। वहीं हैरान करने वाली जो बात है वो ये है कि गर्भवती छात्राओं में से दो नाबालिग भी हैं। इस घटना के सामने आने के बाद अफरा तफरी मची हुई और कई तरह के सवाल खड़े हो रहे हैं। वहीं जानकारी ये भी सामने आ रही है कि स्वास्थ्य विभाग की ओर से इन छात्राओं का गर्भवती कार्ड भी बनाया गया है। जिससे पता चलता है कि स्वास्थ्य विभाग को इसके बारे में पता था। वहीं छात्रावास अधीक्षिका ने इस मामले से पल्ला झाड़ते हुए कहा है कि उन्हें इस बारे में कोई जानकारी नहीं थी। इस जवाब के बाद और भी ज्यादा सवाल उठने लगे हैं। वहीं गंगालूर पोटा केबिन छात्रावास में पढ़ने वाली छात्राओं के गर्भवती होने के मामले से सनसनी है।

आंध्र प्रदेश के एलुरु में पुलिस ने बच्चों की तस्करी करने वाले गिरोह का किया भंडाफोड़

एलुरु। आंध्र प्रदेश में नवजात शिशुओं को बेचने का खुलासा होने के बाद पुलिस ने एलुरु जिले में बच्चों की तस्करी में शामिल गिरोह का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि संदिग्ध शिशु पंजीकरण रिकॉर्ड के सत्यापन के बाद कथित तस्करी नेटवर्क की जांच शुरू की गई। अनुमंडलीय पुलिस अधिकारी (एसडीपीओ) डी. श्रवण कुमार ने बताया, जांच के दौरान शिशुओं की अवैध बिक्री से जुड़े दो मामले सामने आने के बाद हमने एलुरु जिले में नवजात शिशु तस्करी गिरोह का भंडाफोड़ किया। पुलिस के अनुसार पहला मामला मुदिनेपल्ली मंडल के एक दंपति से संबंधित है।

राहुल गांधी पर जमकर बरसे शाह

संसद के दरवाजे पर चाय-पकौड़े खाते हैं और विरोध करते हैं

गुवाहाटी : असम में विधानसभा चुनाव से पहले सियासी माहौल तेज हो गया है। इसी बीच दो दिवसीय दौरे पर पहुंचे केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गुवाहाटी में प्राग्ज्योतिषपुर मेडिकल कॉलेज का उद्घाटन कर कई स्वास्थ्य परियोजनाओं की शुरूआत की। इस दौरान उन्होंने पिछली कांग्रेस सरकार पर जमकर निशाना भी साधा। आइए जानते हैं उन्होंने क्या-क्या कहा? असम में इस साल होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर सियासी गर्माहट बढ़ गई है। आरोप-प्रत्यारोप की तेज होती सियासत के बीच राजनीतिक पार्टियों ने चुनावी रण में अपनी-अपनी तैयारी भी तेज कर दी है। इसी बीच दो दिवसीय असम दौरे पर पहुंचे केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गुवाहाटी में नवनिर्मित प्राग्ज्योतिषपुर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल का उद्घाटन किया। इस दौरान उन्होंने राज्य में स्वास्थ्य सुविधाओं को मजबूत करने के लिए कई नई परियोजनाओं की शुरूआत भी की। इस दौरान अमित शाह ने विपक्ष के नेता राहुल गांधी पर भी जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि संसद देश के लोकतंत्र की सबसे बड़ी संस्था है और वहां इस तरह का व्यवहार उचित नहीं है। अमित शाह ने आरोप लगाया कि राहुल गांधी कभी-कभी संसद के दरवाजे पर बैठकर चाय और पकौड़े खाते हैं और विरोध प्रदर्शन करते हैं। उनके अनुसार संसद परिसर ऐसा स्थान नहीं है जहां इस तरह का प्रदर्शन किया जाए। शाह ने कहा कि इससे देश की छवि दुनिया में खराब होती है। लोकतांत्रिक परंपरा के उल्लंघन का आरोप उन्होंने कहा कि विपक्ष को सरकार का विरोध करने और प्रदर्शन करने का पूरा अधिकार है, लेकिन संसद के अंदर चर्चा करने के बजाय इस तरह का तरीका अपनाना सही नहीं है। शाह ने यह भी कहा कि संसद में बहस से बचना और बाहर इस तरह की गतिविधियां करना लोकतांत्रिक परंपरा के खिलाफ है। गृह मंत्री ने कहा कि जब दुनिया भर के लोग भारत की ताकत और युवाओं की क्षमता देखने आते हैं, तब इस तरह के कदम देश की छवि को नुकसान पहुंचाते हैं। उन्होंने कहा कि देश की जनता ऐसे व्यवहार को स्वीकार नहीं करेगी। असम की पिछले सरकार पर साधा निशाना उद्घाटन के दौरान कार्यक्रम को संबोधित करते हुए शाह ने पिछली कांग्रेस सरकार पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि लंबे समय तक सत्ता में रही कांग्रेस ने स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने के बजाय अपने नेताओं के परिवारों की आर्थिक सेहत सुधारने पर ज्यादा ध्यान दिया। उनके अनुसार उस समय असम का स्वास्थ्य तंत्र काफी खराब हालत में था और लोगों को बेहतर इलाज के लिए कई मुश्किलों का सामना करना पड़ता था। भाजपा युवा मोर्चा के कार्यक्रम में शाह का संदेश दूसरी ओर अमित शाह ने असम में भाजपा के लिए बड़ा संदेश दिया है। उन्होंने कहा कि उन्हें पूरा भरोसा है कि भाजपा फिर से असम में सबसे बड़ी जनादेश के साथ सरकार बनाएगी। अमित शाह ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि कांग्रेस ने असम के युवाओं के लिए कुछ नहीं किया, लेकिन उसके नेता और उनके परिवार फायदे में रहे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के शासन में असम हिंसा के लिए जाना जाता था और कई युवा मारे गए। गुवाहाटी में भाजपा युवा मोर्चा के कार्यक्रम में अमित शाह ने कहा कि अगर जनता भाजपा को फिर से सत्ता देती है तो सभी घुसपैठियों को भारत से बाहर भेजा जाएगा।

विंध्याचल नवरात्र मेले में होगी 3 हजार से अधिक पुलिस कर्मियों की तैनाती

मिजार्पुर। मिजार्पुर में विंध्याचल नवरात्र मेले को लेकर सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए जा रहे हैं। इस बार अर्द्धसैनिक बलों के साथ तीन हजार से अधिक पुलिस कर्मियों की तैनाती की जाएगी। पुलिस बल की मांग आसपास के जिलों सोनभद्र, वाराणसी, प्रयागराज, भदोही, जौनपुर और बलिया से की गई है। इसके अतिरिक्त तीन कंपनी प्रांतीय सशस्त्र कांस्टेबुलरी के जवान भी तैनात किए जाएंगे। गंगा नदी में सुरक्षा के लिए राज्य आपदा मोचन बल के 80 जवान चौबीसों घंटे मौजूद रहेंगे। पूरे मेला क्षेत्र में निगरानी के लिए सीसीटीवी कैमरे लगाए जा रहे हैं और त्रिकोण पथ पर ड्रोन कैमरों से निगरानी की जाएगी। पुलिस अधीक्षक अर्पणा कौशिक ने बताया कि अपर पुलिस अधीक्षक नितेश कुमार सिंह को नोडल अधिकारी बनाया गया है। उन्होंने बताया कि मेले में अपर पुलिस अधीक्षक स्तर के तीन अधिकारी, 18 उप पुलिस अधीक्षक, 50 निरीक्षक, 250 उप निरीक्षक, 2500 आरक्षी और 300 महिला पुलिसकर्मी तैनात किए जाएंगे। इसके अलावा बम निरोधक दस्ता, त्वरित प्रतिक्रिया दल, आपातकालीन सेवा 112, अग्निशमन इकाई और अन्य सुरक्षा बल भी तैनात रहेंगे। उन्होंने बताया कि होमगार्ड और पीआरडी के जवान भी अतिरिक्त रूप से लगाए जाएंगे। दर्शनार्थियों की सहायता के लिए एनसीसी और स्काउट गाइड के छात्र भी अपनी सेवाएं देंगे। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि गंगा घाटों पर बैरिकेडिंग कराई जा रही है ताकि स्नान के दौरान किसी प्रकार की अप्रिय घटना न हो। श्रद्धालुओं के लिए स्नान के स्थान भी निर्धारित किए गए हैं। मेला क्षेत्र में लगभग दो दर्जन वाहन स्टैंड बनाए गए हैं। उन्होंने कहा कि चौबीसों घंटे आपातकालीन पुलिस दल तैयार रहेगा। यातायात पुलिस और घुड़सवार पुलिस भी अपने-अपने दायित्वों के लिए तैनात रहेंगी।

सीजेआई सूर्यकांत ने मंडी में कोर्ट कॉम्प्लेक्स का शिलान्यास किया, ई-कोर्ट और डिजिटल लाइब्रेरी जैसी सुविधाएं होंगी

मंडी। हिमाचल प्रदेश के जिला मंडी में न्यायिक बुनियादी ढांचे को भविष्योन्मुख बनाने की दिशा में एक ऐतिहासिक अध्याय जुड़ गया है। भारत के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने रविवार को मंडी के नए न्यायिक परिसर (कोर्ट कॉम्प्लेक्स) की आधारशिला रखी। इस पर मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू और हिमाचल प्रदेश हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश एम. एस. रामचंद्र संधवालिया भी विशेष रूप से उपस्थित रहे। यह नया कोर्ट कॉम्प्लेक्स मंडी के 152 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से 9.6 हेक्टेयर के विशाल भूखंड पर निर्मित किया जाएगा। इस परियोजना का वित्तीय ढांचा केंद्र और राज्य सरकार के साझा सहयोग पर आधारित है, जिसमें 90 प्रतिशत हिस्सेदारी केंद्र सरकार की और 10 प्रतिशत राज्य सरकार की होगी। मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने इस अवसर पर राज्य सरकार की ओर से न्यायपालिका को हर संभव सहायता और समयबद्ध निर्माण सुनिश्चित करने का आश्वासन दिया।

शिलान्यास समारोह के बाद मीडिया से बातचीत में सीजेआई सूर्यकांत ने कहा कि किसी भी समाज की प्रगति के लिए सुलभ और त्वरित न्याय व्यवस्था अनिवार्य है। उन्होंने जोर देकर कहा कि इस परिसर का डिजाइन इस तरह तैयार किया गया है कि अगले पांच दशकों तक यह मंडी की न्यायिक आवश्यकताओं को पूरा करने में सक्षम रहे।

चुनाव से पहले कर्मचारियों-पेंशनभोगियों को तोहफा, इस वर्ष मार्च महीने से बकाया चुकाएगी ममता सरकार

कोलकाता : पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने रविवार को बड़ा एलान करते हुए कहा कि राज्य सरकार अपने कर्मचारियों और पेंशनरों के बकाया महंगाई भत्ते (डीए) का भुगतान मार्च 2026 से शुरू करेगी। इस फैसले का फायदा शिक्षकों, गैर-शिक्षण कर्मचारियों, नगर निकाय और पंचायत कर्मचारियों के साथ-साथ अनुदान प्राप्त संस्थानों के कर्मचारियों को भी मिलेगा। सीएम ममता ने एक्स पर दी जानकारी मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर बताया कि कर्मचारियों को आरओपीए 2009 के तहत मिलने वाला डीए का बकाया मार्च 2026 से किस्तों में दिया जाएगा। राज्य के वित्त विभाग ने

इसके लिए जरूरी अधिसूचना भी जारी कर दी है, जिसमें भुगतान की प्रक्रिया और तरीके की जानकारी दी गई है। कई वर्षों से कर्मचारी और पेंशनर्स की प्रमुख मांग यह मुद्दा पिछले कई वर्षों से राज्य सरकार के कर्मचारियों और पेंशनरों की प्रमुख मांग रहा है। आरओपीए 2009 यानी वेतन और भत्तों का संशोधन 2009 के तहत कर्मचारियों के वेतन और भत्तों में संशोधन किया गया था, लेकिन लंबे समय से महंगाई भत्ते के बकाया भुगतान को लेकर विवाद चल रहा था। कुछ कर्मचारियों ने सुप्रीम कोर्ट का भी दरवाजा खटखटाया था इस मामले को लेकर राज्य सरकार के कुछ कर्मचारियों ने सुप्रीम कोर्ट का भी दरवाजा खटखटाया था। अदालत ने इस पर सुनवाई करते हुए राज्य सरकार को निर्देश दिया कि 31 मार्च 2026 तक कर्मचारियों को डीए के बकाया का कम से कम 25 प्रतिशत हिस्सा जारी किया जाए। मुख्यमंत्री का यह एलान ऐसे समय आया है जब राज्य में विधानसभा चुनावों की घोषणा होने वाली है। इससे कुछ समय पहले ही ममता बनर्जी ने पुजारियों और मस्जिदों में अजान देने वाले मुअज्जिनों के मानदेय में भी बढ़ोतरी का एलान किया था। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि चुनाव से पहले कर्मचारियों और कई समुदायों को साधने के लिए सरकार लगातार बड़े फैसले ले रही है।

दिल्ली के नेचर बाजार में आग लगी, दमकलकर्मियों ने पाया काबू; 40 दुकानें जलकर हुई खाक

नईदिल्ली : दिल्ली के अंधेरिया मोड़ इलाके में स्थित स्थित नेचर बाजार में रविवार सुबह आग लग गई। इस घटना में करीब 40 दुकानें जलकर खाक हो गईं। रविवार सुबह दिल्ली के अंधेरिया मोड़ इलाके में स्थित नेचर बाजार में भीषण आग लगने से अफरा-तफरी मच गई। आग की लपटों ने देखते ही देखते करीब 40 दुकानों को अपनी चपेट में ले लिया, जिससे लाखों का नुकसान होने की आशंका है। हादसे में अब तक किसी के हताहत होने की जानकारी नहीं है। आग लगने के कारणों का अभी पता नहीं चल पाया है। दमकल विभाग को सुबह लगभग 7 बजकर 37 मिनट पर अंधेरिया मोड़ स्थित नेचर बाजार में आग लगने की सूचना प्राप्त हुई। सूचना मिलते ही दमकल विभाग हरकत में आया और तुरंत 10 दमकल गाड़ियां मौके के लिए रवाना कर दी गईं। आग की भयावहता को देखते हुए, अग्निशमन कर्मियों ने तुरंत मोर्चा संभाला और आग पर काबू पाने के लिए युद्धस्तर पर प्रयास शुरू किए। दमकल विभाग की टीमों ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आग को फैलने से रोकने के लिए कड़ी मशक्कत की और आग पर पूरी तरह से काबू पा लिया गया। हालांकि, आग की चपेट में आने से लगभग 40 दुकानें पूरी तरह से जल गईं। आग लगने के कारणों का अभी तक पता नहीं चल पाया है और जांच जारी है। हालांकि किसी भी जानमाल के नुकसान की सूचना नहीं है, लेकिन आग से व्यापारियों को भारी आर्थिक नुकसान हुआ है। जली हुई दुकानों में रखे सामान, नकदी और अन्य कीमती वस्तुएं आग की भेंट चढ़ गईं। प्रशासन द्वारा नुकसान के आकलन की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री मोदी को लिखा पत्र, कांशीराम को 'भारत रत्न' देने की मांग

नई दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष तथा लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर सामाजिक न्याय आंदोलन के महान नेता कांशीराम को मरणोपरांत 'भारत रत्न' देने की मांग की है। राहुल गांधी ने रविवार को अपने पत्र में कहा कि मान्यवर कांशीराम ने भारतीय राजनीति की दिशा बदलने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और बहुजन समाज तथा गरीब वर्गों में राजनीतिक चेतना जगाई थी।

उनका कहना था कि उनके इन प्रयासों से भारतीय लोकतंत्र की नींव मजबूत हुई और राजनीतिक व्यवस्था अधिक प्रतिनिधिक तथा न्यायपूर्ण बनी। कांग्रेस नेता ने कहा आज जब हम कांशीराम जी की जयंती मना रहे हैं और उनके जीवन तथा योगदान को याद कर रहे हैं। मैं आपसे अनुरोध करने के लिए यह पत्र लिख रहा हूँ कि उन्हें मरणोपरांत भारत रत्न से सम्मानित किया जाए। उन्होंने लोगों को बताया था कि उनका वोट,उनकी आवाज और उनका प्रतिनिधित्व है और यह देश सभी का समान रूप से है। उनके प्रयासों के कारण कई ऐसे लोग, जिन्होंने कभी सार्वजनिक जीवन में आने के बारे में नहीं सोचा था, उन्होंने राजनीति को न्याय और समानता प्राप्त करने का माध्यम मानना शुरू किया।

राहुल गांधी ने लिखा कि हमारा संविधान प्रत्येक भारतीय को समानता, गरिमा और भागीदारी का वादा करता है और कांशीराम जी ने अपना जीवन समाज के सबसे निचले पायदान पर खड़े लोगों के लिए इन वादों को सार्थक बनाने में समर्पित किया। कांग्रेस नेता ने कहा कई वर्षों से दलित बुद्धिजीवी, नेता और सामाजिक कार्यकर्ता कांशीराम जी को भारत रत्न से सम्मानित करने की मांग करते रहे हैं। उनकी यह मांग लगातार और गहरी भावना के साथ उठती रही है। हाल ही में मैं लखनऊ में एक कार्यक्रम में शामिल हुआ था, जहाँ नेताओं और प्रतिभागियों ने इस मांग को जोरदार तरीके से दोहराया, जो व्यापक जनभावना को दर्शाता है। उन्हें भारत रत्न प्रदान करना हमारे राष्ट्र के प्रति उनके महान योगदान को मान्यता देगा। यह उन लाखों लोगों की आकांक्षाओं का सम्मान भी होगा, जो आज भी उन्हें सशक्तीकरण और उम्मीद के प्रतीक के रूप में देखते हैं।

33 ग्राम के हेलिकॉप्टर में 1600 मेगापिक्सल के कैमरे, बिना आवाज दुश्मनों की लाइव स्ट्रीमिंग

वाराणसी। आईआईटी बीएचयू में आधुनिकता का आकर्षक नजारा देखने को मिला। इसमें यह दिखा गया कि भारतीय सेना के लिए हमला करने वाली जमीन भी तैयार की जा सकती है। 23 लाख का ड्रोन 30 मिनट में तीन किमी तक जाएगा। आईआईटी बीएचयू में टेक्नेक्स के दूसरे दिन डिफेंस सिंपोजियम 2.0 की प्रदर्शनी में 33 ग्राम के दो ड्रोन हेलीकॉप्टर रखे गए हैं। इनका नाम ब्लैक हॉर्नेट है। हवा में 200 मीटर की ऊंचाई पर 25 मिनट तक उड़ते हुए यह एक बार में दो किलोमीटर की दूरी तय करेगा। इसमें दो हाई क्वालिटी 1200 और 1600 मेगापिक्सल के कैमरे लगे हैं, जो बिना शोर किए दुश्मन तक पहुंचकर उनकी लाइव स्ट्रीमिंग करेंगे। अमेरिकी कंपनी ने इसे बनाया है, लेकिन इसकी एसेंबलिंग अब भारत में भी होने लगी है। इसकी कीमत डेढ़ करोड़ रुपये है। वहीं दूसरा कनिस्टर-लॉन्च्ड माइक्रो ड्रोन 23 लाख रुपये का है। इसका रेंज तीन किलोमीटर

है और यह सिर्फ 30 मिनट में लक्ष्य तक पहुंच जाएगा। यह लाइव वीडियो स्ट्रीमिंग और तेज गति से संचालन में सक्षम है। 5200 मीटर दूर तक बंकर उड़ाएगा, माइनस 30 पर भी करेगा कामः 5200 मीटर तक बंकर तबाह करने वाले रॉकेट लॉन्चर को भारत में विकसित किया गया है। यह माइनस 30 डिग्री से लेकर 55 डिग्री सेल्सियस तक के तापमान पर काम कर सकता है। इसका उपयोग युद्ध में तीन मुख्य कार्यों के लिए किया जाता है। बंकर तबाह करने के साथ ही, रात में जंगल में रास्ता खोलने या दुश्मन का पता लगाने के लिए इसे हवा में फायर किया जाता है, जिससे पूरे 800 मीटर के क्षेत्र में उजाला फैलता है। इसके साथ ही फायरिंग का स्रोत पता नहीं चलता। गैस-ऑपरेटेड बेल्ट गन का रेंज 2000 मीटर है और इसकी कीमत छह लाख रुपये है। मार्स रोवर और पानी के नीचे चलने वाले वाहनः आईआईटी मद्रास की टीम ने मार्स रोवर प्रदर्शित किया, आईआईटी कानपुर ने ऑटोनोमस अंडरवॉटर व्हीकल प्रस्तुत किया। सेबोर्टेक ने न्यूरो-हेल्थ डिवाइस और जापान की पोर्टलग्राफ ने उन्नत 3डी मैपिंग एवं होलोग्राफिक प्रोजेक्शन सिस्टम की प्रदर्शनी लगाई। गैलेंट्री और वीर चक्र प्राप्त ब्रिगेडियर बीएम करियप्पा ने आईआईटी बीएचयू के टेक्नेक्स के थिंक टॉक में छात्रों के साथ कारगिल जंग की अपनी कहानी और रणनीति साझा की। सियाचिन ग्लेशियर के क्षेत्र में सेना का नेतृत्व कर चुके बीएम करियप्पा ने कहा कि उस युद्ध में जवानों से यह बताया गया कि हाथ-पैर और जान सलामत रखनी हो तो समतल जमीन पर नहीं, बल्कि बोल्डर और कंकड़-पत्थर वाली जमीन पर चलकर मिशन में आगे बढ़ो, क्योंकि समतल जमीन पर ही लैंड माइंस बिछी होती हैं। हमने कारगिल में बहुतेरे जवान लैंड माइंस के चलते ही खो दिए। ब्रिगेडियर करियप्पा ने आगे कहा कि ऊंची बफीर्ली पहाड़ियों में लड़ाई बेहद कठिन थी। हवा बहुत तेज चल रही थी। कई जगह विस्फोट हो रहे थे। एक सैनिक आगे बढ़ा तो वह लैंड माइंस पर चढ़ गया और शहीद हो गया। उसके बाद भी आठ और सैनिकों ने कोशिश की थी। जैसे-जैसे ऊंचाई बढ़ती, हथियारों से निकलने वाली गोली का रास्ता भी बदल जाता। इसलिए सैनिकों को अपने हथियारों को फिर से जीरो करना पड़ता था। लड़ाई खत्म हुई तो वहां 53 शव मिले। साहस को एक सेकंड के लिए भी न छोड़ें: इन सब अनुभवों ने हमें युद्ध में धैर्य, टीमवर्क और साहस को एक सेकंड के लिए भी न छोड़ने की सीख दे दी। ब्रिगेडियर करियप्पा 1993 में पैराशूट रेजिमेंट में जॉइन किए। 30 वर्षों तक सेवा में बने रहे। वह एनएसजी और कई देशों में प्रतिनिधि के तौर पर भी रहे। पर्वतारोहण और स्पेशल फोर्स के बीच कई संबंध दूसरा थिंक टॉक मेजर सुशांत सिंह का रहा। पैरा स्पेशल फोर्स में रहे पर्वतारोही मेजर सुशांत सिंह ने कहा कि अनुशासन, मानसिक सहनशक्ति और जोखिम लेने से कई नवाचार होते हैं। ऊंचाई पर पर्वतारोहण और स्पेशल फोर्स के बीच कई खास संबंध होते हैं। सीनेट हॉल में कॉरपोरेट कॉन्क्लेव में ऑयल और गैस क्षेत्र के पेशेवर भवतोश पांडेय ने इंडस्ट्री सेक्टर में रहे बदलावों और आधुनिक ऊर्जा तैयार करने के रास्ते बताए।

वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी के 01 कोच सहित कुल 16 कोच लगाये जायेंगे

गोरखपुर,: रेलवे प्रशासन द्वारा मतुआ समाज महा मेला-2026 के अवसर पर यात्रियों की अतिरिक्त सुविधा हेतु 05030/05029 काठगोदाम-ठाकुरनगर-काठगोदाम वाया गोरखपुर मेला विशेष गाड़ी का संचलन काठगोदाम से 15 मार्च, 2026 दिन रविवार को तथा ठाकुरनगर से 18 मार्च, 2026 दिन बुधवार को निम्नवत किया जायेगा। 05030 काठगोदाम-ठाकुरनगर मेला विशेष गाड़ी 15 मार्च, 2026 दिन रविवार को काठगोदाम से 10.00 बजे प्रस्थान कर हल्द्वानी से 10.19 बजे, लालकुआँ से 10.55 बजे, किच्छा से 11.18 बजे, बरेली सिटी से 12.30 बजे, बरेली से 13.20 बजे, लखनऊ (उत्तर रेलवे) से 18.10 बजे, गोरखपुर से 23.15 बजे, दूसरे दिन छपरा से 02.10 बजे, बरौनी से 05.25 बजे, कटिहार से 08.50 बजे, कुमेदपुर से 09.40 बजे, एकलाखी से 10.42 बजे, मालदा टाउन से 11.25 बजे, पाकुड़ से 12.45 बजे, रामपुरहाट से 13.30 बजे, सांईथिया से 13.52 बजे, बोलपुर (शान्तिनिकेतन) से 14.28 बजे, बर्द्धमान से 15.42 बजे, बैण्डेल से 16.32 बजे तथा नैहाटी से 17.05 बजे छूटकर ठाकुरनगर 20.40 बजे पहुँचेगी। वापसी यात्रा में, 05029 ठाकुरनगर-काठगोदाम मेला विशेष गाड़ी 18 मार्च, 2026 दिन बुधवार को ठाकुरनगर से 10.20 बजे प्रस्थान कर नैहाटी से 13.20 बजे, बैण्डेल से 13.44 बजे, बर्द्धमान से 14.36 बजे, बोलपुर (शान्तिनिकेतन) से 15.27 बजे, सांईथिया से 16.00 बजे, रामपुरहाट से 16.30 बजे, पाकुड़ से 17.21 बजे, मालदा टाउन से 19.15 बजे, एकलाखी से 19.40 बजे, कुमेदपुर से 20.50 बजे, कटिहार से 22.25 बजे, दूसरे दिन बरौनी से 01.25 बजे, छपरा से 05.25 बजे, गोरखपुर से 09.40 बजे, लखनऊ (उत्तर रेलवे) से 15.15 बजे, बरेली से 20.10 बजे, बरेली सिटी से 20.22 बजे, किच्छा से 21.15 बजे, लालकुआँ से 21.55 बजे तथा हल्द्वानी से 22.37 बजे छूटकर काठगोदाम 23.30 बजे पहुँचेगी। इस गाड़ी में एस.एल.आर.डी. के 02, सामान्य द्वितीय श्रेणी के 04, शयनयान श्रेणी के 07, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी के 02 तथा वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी के 01 कोच सहित कुल 16 कोच लगाये जायेंगे।

मथुरा जं. से 22.00 बजे छूटकर पूर्व निर्धारित स्टेशनों पर रूकते हुये दूसरे दिन कासगंज 00.30 बजे पहुँचेगी

गोरखपुर,: रेलवे प्रशासन द्वारा यात्रियों की सुविधा हेतु 55335/55336 कासगंज-मथुरा जं.-कासगंज सवारी गाड़ी का अस्थाई रूप से मार्ग विस्तार गंगापुर सिटी तक/से किया जायेगा। मार्ग विस्तार के फलस्वरूप कासगंज से 16 से 31 मार्च, 2026 तक चलने वाली 55335 कासगंज-गंगापुर सिटी सवारी गाड़ी कासगंज से 11.40 बजे प्रस्थान कर पूर्व निर्धारित स्टेशनों पर रूकते हुये मथुरा जं. से 15.20 बजे, भरतपुर से 15.55 बजे, बयाना से 16.25 बजे, हिण्डौन सिटी से 16.55 बजे तथा श्री महावीर जी से 17.07 बजे छूटकर गंगापुर सिटी 18.20 बजे पहुँचेगी। वापसी यात्रा में, गंगापुर सिटी से 16 से 31 मार्च, 2026 तक चलने वाली 55336 गंगापुर सिटी-कासगंज सवारी गाड़ी गंगापुर सिटी से 19.00 बजे प्रस्थान कर श्री महावीर जी से 19.25 बजे, हिण्डौन सिटी से 19.37 बजे, बयाना से 20.05 बजे, भरतपुर से 20.40 बजे तथा मथुरा जं. से 22.00 बजे छूटकर पूर्व निर्धारित स्टेशनों पर रूकते हुये दूसरे दिन कासगंज 00.30 बजे पहुँचेगी।

पांच दिन ही चलेंगी बिस्कुट-कन्फेक्शनरी इकाइयां, आपूर्ति में 20% कटौती से 375 फैक्ट्रियां संकट में

कानपुर। पीएनजी की 20% कटौती से कानपुर क्षेत्र की 375 औद्योगिक इकाइयों में उत्पादन प्रभावित हुआ है। फैक्ट्रियां अब हफ्ते में पांच दिन चलेंगी और कर्मचारियों की छंटनी शुरू हो गई है। केंद्र सरकार ने औद्योगिक और व्यावसायिक क्षेत्रों में इस्तेमाल होने वाली पाइप्ड नेचुरल गैस (पीएनजी) की आपूर्ति में 20 प्रतिशत कटौती के निर्देश दिए हैं। इससे कानपुर नगर, कानपुर देहात, उन्नाव की बिस्कुट, कन्फेक्शनरी, नमकीन, रबर, इंजीनियरिंग, पैकेजिंग, स्टील आदि की 250-375 इकाइयों पर संकट आ गया है। इकाइयों ने 20 प्रतिशत उत्पादन कम कर दिया है। साथ ही ये इकाइयां अब सप्ताह में केवल पांच दिन चलेंगी। औद्योगिक इकाइयों में अस्थायी कर्मचारियों की छंटनी भी शुरू कर दी है। अमेरिका, इस्त्राइल और ईरान के बीच चल रहे युद्ध से कच्चा तेल महंगा होने और आयात वस्तुओं के दाम बढ़ने से प्लास्टिक, पैकेजिंग, टेक्सटाइल, केमिकल, डिटर्जेंट, मेटल वेल्डिंग उद्योग तो संकट में चल ही रहे थे। इन इकाइयों में रात की शिफ्ट बंद कर दी गई है। अब पीएनजी संकट दिख रहा है। बिस्कुट, कन्फेक्शनरी, नमकीन, रबर, इंजीनियरिंग, पैकेजिंग, स्टील की इकाइयों को अनवरत ऊर्जा की जरूरत होती है। इन उद्योगों में पाइपों से कच्चा माल जाता है और यदि कुछ देर भी बिजली आदि की समस्या होती है, तो हीटिंग प्रक्रिया बंद हो जाती है।

गोरखपुर जं. स्टेशन पर इन-हाउस डेवलप्ड पैसेंजर-फ्रेंडली लाइव ट्रेन इनफॉर्मेशन वेबपेज की शुरूआत

गोरखपुर,: गोरखपुर जं. स्टेशन पर ट्रेन स्थिति प्रदर्शन प्रणाली के डिजिटलीकरण हेतु एक ह्यइन-हाउस वेब एप्लीकेशनह्य का विकास किया गया है, जिसे बिना किसी अतिरिक्त व्यय के तैयार किया गया है। इस पहल के अंतर्गत पूछताछ काउंटर पर मैन्युअल रूप से अद्यतन किये जाने वाले व्हाइट बोर्ड के स्थान पर रियल-टाइम डिजिटल इंटरफेस स्थापित किया गया है, जिससे यात्रियों को सटीक एवं पारदर्शी ट्रेन सूचना उपलब्ध हो सके। यह वेबपेज गोरखपुर जं. स्टेशन से अगले 04 घंटों में प्रस्थान करने वाली ट्रेनों की लाइव स्थिति प्रदर्शित करता है। ट्रेनों को दिशा-वार प्रदर्शित किया गया है, जिससे विशेषकर दैनिक यात्रियों एवं अनारक्षित यात्रियों को जानकारी समझने में सुविधा हो। मार्ग परिवर्तन, रि-शिड्यूलिंग, नियंत्रित तथा निरस्त ट्रेनों को विशेष रूप से हाइलाइट किया गया है, ताकि किसी प्रकार की भ्रम की स्थिति अथवा अंतिम समय में असुविधा से बचा जा सके। यात्री स्टेशन पर प्रदर्शित क्यूआर कोड स्कैन कर सीधे वेबपेज तक पहुँच सकते हैं। वेबपेज में ऑटो-रिफ्रेश एवं ऑटो-स्क्रॉल की सुविधा उपलब्ध है, जिससे रियल-टाइम अपडेट निर्बाध रूप से प्राप्त होते रहते हैं। इसके अतिरिक्त, निर्धारित यू.आर.एल. के माध्यम से मोबाइल फोन सहित किसी भी डिवाइस पर इसे एक्सेस किया जा सकता है। इससे यात्रियों को पूछताछ काउंटर पर जाने की आवश्यकता नहीं पड़ती, जिससे समय की बचत होती है एवं भीड़-भाड़ में कमी आती है। विशेष रूप से दैनिक यात्री अपनी दिशा की अगली उपलब्ध ट्रेन की शीघ्र पहचान कर अपनी यात्रा की बेहतर योजना बना सकते हैं। इस प्रणाली में सम्बन्धित रेलकर्मी नई ट्रेनों की प्रविष्टि, मार्ग परिवर्तन एवं निरस्त ट्रेनों तथा सम्भावित प्रस्थान समय का समयबद्ध अपडेट कर सकते हैं। सॉफ्टवेयर का विकास इन-हाउस किया गया है, जिससे यह पूर्वोत्तर रेलवे की किफायती एवं नवोन्मेषी पहल को दशार्ता है। त्यौहारों के दौरान एवं बड़े आयोजनों, जैसे- कुम्भ मेला, माघ मेला आदि के समय इस प्रणाली का महत्व और अधिक बढ़ जाता है। ऐसे अवसरों पर जब यात्रियों की संख्या अत्यधिक बढ़ जाती है, रियल-टाइम डिजिटल सूचना प्रसारण से भीड़ प्रबन्धन में सहायता मिलती है, पूछताछ काउंटरों पर दबाव कम होता है तथा भ्रामक जानकारी की सम्भावना न्यूनतम होती है। यात्री स्वयं अद्यतन जानकारी प्राप्त कर निर्णय ले सकते हैं, जिससे यात्री प्रवाह सुगम होता है। साथ ही, रेलकर्मी बार-बार पूछताछ से मुक्त होकर परिचालन पर्यवेक्षण, भीड़ नियंत्रण, सुरक्षा निगरानी एवं प्लेटफॉर्म प्रबन्धन जैसे महत्वपूर्ण कार्यों पर अधिक ध्यान केंद्रित कर सकते हैं। इस प्रकार यह प्रणाली यात्री सुविधा एवं परिचालन दक्षता दोनों को सुदृढ़ करती है। यह पहल समग्र रूप से यात्री सुविधा को सुदृढ़ करती है, सटीक एवं त्वरित ट्रेन सूचना उपलब्ध कराती है तथा स्टेशन पर सूचना प्रसारण प्रणाली के आधुनिकीकरण के साथ-साथ मंडल स्तर से दूरस्थ मॉनिटरिंग की भी सुविधा सुनिश्चित करती है। यह यात्री सुविधा गोरखपुर जं. स्टेशन पर प्रारम्भ कर दी गई है।

सवाल से भावनाओं पर की चोट, ब्राह्मण समाज ने दी आंदोलन की चेतावनी

कानपुर। यूपीएसआई परीक्षा में अवसरवादी के विकल्प में पंडित शब्द रखने पर ब्राह्मण समाज ने कड़ी आपत्ति जताई है। विभिन्न संगठनों और विधायकों ने इसे अपमानजनक बताते हुए दोषियों पर कार्रवाई की मांग की है। उत्तर प्रदेश पुलिस उपनिरीक्षक भर्ती परीक्षा में शनिवार को 20 वें नंबर पर पूछे गए एक प्रश्न को लेकर विरोध शुरू हो गया है। लोगों ने इस तरह के प्रश्न को आपत्तिजनक बताया है। कई संगठनों की ओर से इस पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए पेपर सेट करने वालों पर कार्रवाई की मांग की गई है। प्रश्न पत्र में अवसर के अनुसार बदल जाने वाला के लिए एक शब्द चुनने को कहा गया था, जिसमें अन्य विकल्पों के साथ पंडित शब्द को भी रखा गया है। ब्राह्मण समाज ऑफ इंडिया की ओर से इस संबंध में जारी एक पत्र में कहा गया है कि यह प्रश्न स्पष्ट

रूप से गलत तरीके से प्रस्तुत किया गया है। सही अर्थ में अवसर के अनुसार बदल जाने वाला अवसरवादी होता है, लेकिन विकल्पों में पंडित को शामिल करना एक विशेष समुदाय की भावनाओं को आहत करने वाला है। ऐसे प्रश्न को आधिकारिक रूप से अस्वीकार करने और इसमें सुधार करने की मांग भी की गई है। संस्था के प्रदेश प्रभारी दिनेश दुबे का कहना है कि यदि इस प्रकरण को अविलंब संज्ञान ले कार्यवाही नहीं की गई तो जल्द ही प्रदेश के ब्राह्मण समाज के संगठनों के साथ बैठक कर सर्वसम्मति से आंदोलन किया जाएगा। यह सवाल न केवल परीक्षा की निष्पक्षता पर सवाल उठाता है, बल्कि सरकार की छवि को धूमिल करने और तनाव पैदा करने का प्रयास है। यह पेपर बनाने वाले की ब्राह्मणों के प्रति घृणित मानसिकता को भी दशार्ता है। -दिनेश दुबे, राष्ट्रीय महासचिव व प्रदेश प्रभारी ब्राह्मण समाज ऑफ इंडिया यह पूरी तरह से अनुचित और निंदनीय कार्य है। इस तरह का कार्य मानवीय भावनाओं पर चोट करने और समाज में कटुता और विद्वेष पैदा करने की कोशिश को दशार्ता है। सरकारी की ओर से ऐसा करने वालों पर कार्रवाई की जानी चाहिए। -पंडित केए दुबे पद्मेश, ज्योतिष मर्मज्ञ इस तरह का कार्य अक्षम्य है।

आईसीयू में वेंटिलेटर पर है जूनियर डॉक्टर, हालत चिंताजनक

वाराणसी। आईएमएस बीएचयू के सर्जरी विभाग में जूनियर डॉक्टर के दो दिन पहले आत्मघाती कदम उठाया था। इससे परिसर में हड़कंप मच गया। इस बाबत कुछ डॉक्टर और स्टाफ सीनियरों पर दबी जुबान दुर्व्यवहार का आरोप लगा रहे हैं। फिलहाल डॉक्टर की हालत गंभीर बनी हुई है। सुपर स्पेशियलिटी ब्लॉक (एसएसबी) के छठे तल पर आईसीयू में वह बेहोशी की हालत में है। अमर उजाला ने शनिवार को इस खबर को प्रमुखता से प्रकाशित किया। इसके बाद आईएमएस प्रशासन हरकत में आया। आईएमएस प्रशासन ने घटना की जांच कराने का निर्णय लिया है। तीन सदस्यीय कमेटी गठित की गई है। सर्जरी विभाग की जूनियर डॉक्टर ने शुक्रवार को किसी बात से नाराज होकर इंसुलिन की ओवरडोज ले ली थी। शुक्रवार दोपहर बाद से ही उसे आईसीयू के बेड नंबर 30 पर भर्ती करवाया गया है। इंसुलिन के ओवरडोज का असर मल्टी आर्गन पर पड़ा है। सबसे अधिक किडनी पर असर पड़ा है। होश में आने का इंतजार इस वजह से शुक्रवार देर शाम उसकी डायलिसिस भी हुई। डॉक्टर उनके होश में आने का इंतजार कर रहे हैं। चिंताजनक हालत को देखते हुए आईएमएस बीएचयू के मेडिसिन विभाग, न्यूरोलॉजी, नेफ्रोलॉजी, कार्डियोलॉजी के साथ ही क्रिटिकल केयर से जुड़े डॉक्टरों की टीम नजर बनाए हुए है। चिकित्सा संकाय प्रमुख होंगे अध्यक्ष, ऐसी घटना रोकने का सुझाव भी देगी कमेटी : निदेशक प्रो. एसएन संखवार ने बताया कि सर्जरी विभाग की एक पीजी छात्रा से संबंधित दुर्भाग्यपूर्ण घटना की गहन जांच के लिए तीन सदस्यीय उच्च स्तरीय समिति का गठन किया है। समिति में चिकित्सा संकाय प्रमुख को अध्यक्ष बनाया गया है। इसमें सर्जरी विभाग की प्रो. सीमा खन्ना, आईएमएस के डिप्टी चीफ प्रॉक्टर हैं। समिति सभी तथ्यों की जांच करेगी। साथ ही भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए ठोस सुधारात्मक उपायों की सिफारिश भी करेगी ये है मामला बताया जा रहा है कि डॉक्टर सत्या ने शुक्रवार दोपहर में 100 यूनिट इंसुलिन इंजेक्शन लगा लिया। इसके बाद से उनकी हालत बिगड़ने लगी। यह कदम क्यों उठाया गया, इस पर आईएमएस के अधिकारी कुछ बता नहीं पा रहे हैं। कुछ डॉक्टर और स्टाफ सीनियरों पर दुर्व्यवहार का आरोप लगा रहे हैं। इलाज कर रहे डॉक्टर के मुताबिक सत्या हालत चिंताजनक बताई जा रही है। इंसुलिन की ओवरडोज का असर किडनी पर ज्यादा पड़ा है। इस वजह से शुक्रवार शाम डायलिसिस भी करनी पड़ी।

संक्षिप्त खबरें

25 हजार रुपये की धोखाधड़ी में प्राथमिकी दर्ज

बस्ती। छावनी पुलिस ने 25 हजार रुपये के धोखाधड़ी के आरोप में हरैया थाना क्षेत्र के ग्राम खदरा निवासी व भारतीय भ्रष्टाचार उन्मूलन परिषद के चेयरमैन पर राजेश चौधरी पर शनिवार को प्राथमिकी दर्ज की है। छावनी क्षेत्र के घनश्याम मौर्य ने पुलिस को तहरीर देकर कहा है कि उसकी पत्नी आठ साल से गुजरात के कच्छ में एक प्राइवेट कंपनी में काम करती है। पत्नी घर नहीं आना चाहती है। इस दौरान उनकी मुलाकात भारतीय भ्रष्टाचार अन्वेषण उन्मुलन परिषद के चेयरमैन राजेश कुमार चौधरी से हुई। राजेश से उनकी मुलाकात राघवेंद्र वर्मा और जयप्रकाश ने कराई थी। राजेश ने पत्नी को लाने का भरोसा दिया। राजेश ने इसके लिए 15 फरवरी 2025 को परिषद के खाते में 25 हजार रुपये जमा करा लिए लेकिन वे पत्नी को नहीं लाया पाए। रुपये मांगने पर जान से मारने की धमकी देने लगे। जबरदस्ती सादे कागज पर हस्ताक्षर बनवा लिया गया। विवेचक सत्येंद्र यादव ने बताया कि तहरीर के आधार आरोपी पर प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है।

सड़क हादसे में घायल युवक की मौत

महादेवा (बस्ती)। लालगंज थाना क्षेत्र के पगार खास गांव निवासी जय चंद (20) बाइक से मुंडेरवा घर आते समय पेड़ से टकराकर घायल हो गए थे। इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। जानकारी के अनुसार, जय चंद शुक्रवार की रात करीब 10 बजे बाइक से मुंडेरवाझमहादेवा मार्ग से अपने घर पगार जा रहे थे। ईचढ़वा स्थित शिव मंदिर के पास उनकी बाइक अनियंत्रित होकर एक पेड़ टकरा गई थी। बाइक चालक गंभीर रूप से घायल हो गए थे। महादेवा में प्राथमिक उपचार के बाद हालत गंभीर देखते हुए डॉक्टरों ने कैली अस्पताल रेफर कर दिया था। वहां भी स्थिति नाजुक होने पर चिकित्सकों ने मेडिकल कॉलेज गोरखपुर भेज दिया। गोरखपुर मेडिकल कॉलेज में इलाज के दौरान शुक्रवार की रात करीब 11 बजे जय चंद ने दम तोड़ दिया।

किशोरी से दुष्कर्म के आरोप में प्राथमिकी दर्ज

बस्ती। छावनी थाना क्षेत्र के एक गांव में किशोरी से दुष्कर्म के आरोप में पुलिस ने पीड़िता के पिता की तहरीर पर महराजगंज जिले के श्यामदेउरवा थाना क्षेत्र के ग्राम परतावल निवासी आरोपी विवेक श्रीवास्तव पर पॉक्सो एक्ट समेत अन्य धाराओं में प्राथमिकी दर्ज की है। पीड़िता के पिता ने छावनी पुलिस को तहरीर देकर कहा है कि आरोपी ने इंस्टाग्राम के जरिये उनकी बेटी से संपर्क साधा। फिर मोबाइल नंबर लेकर बातचीत करने लगा। शादी का झांसा देकर परिवार के सदस्य के घर पर न रहने पर आरोपी उनके घर पहुंच गया और बेटी के साथ दुष्कर्म किया। अब फोटो वायरल करने की धमकी दे रहा है। विवेचक संतोष सिंह ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है।

राज्य कर टीम ने कबाड़ ले जा रहे कंटेनर को पकड़ा

वॉटरगज (बस्ती)। सिद्धार्थनगर के सहायक आयुक्त राज्यकर कुलदीप कटियार के नेतृत्व में टीम ने शनिवार को बिना कागजात के ले जा रहे कबाड़ से भरे कंटेनर को पकड़ लिया। बाद में सीज करके वॉल्टरगंज पुलिस को सौंप दिया। पुलिस के अनुसार थाना क्षेत्र में स्क्रैप करने वाले चोरी छिपे टैक्स बचाने के चक्कर में कबाड़ को कंटेनर में छिपाकर जिले के बाहर ले जाकर बेचते हैं, थाना क्षेत्र में कबाड़ से लदे कंटेनर बिना बिल तथा बाउचर के ही के बाहर जाने की सूचना राज्य कर विभाग के अधिकारियों को मिली। सूचना पर सचल दल के द्वारा थाना क्षेत्र में कंटेनर को रोककर चालक द्वारा लदे स्क्रैप से संबंधित कागजात दिखाने को कहा गया लेकिन मौके पर कोई कागजात नहीं दिखाए जाने पर कार्रवाई करते हुए राज्य कर विभाग की टीम ने कंटेनर को कब्जे में लेकर सीज करके थाना पर सुपुर्द किया गया है।

बेकाबू वाहन की टक्कर से युवक की मौत

नगर बाजार (बस्ती)। थाना क्षेत्र के ग्राम पुरैना के पास सड़क के किनारे लघुशंका कर रहे 35 वर्षीय युवक की अज्ञात वाहन की चपेट में आने से मौके पर ही मौत हो गई। जानकारी के अनुसार, रुधौली थाना क्षेत्र के ग्राम करमा कला निवासी राजेंद्र कुमार नगर थाना क्षेत्र के ग्राम पुरैना के पास रूककर लघुशंका कर रहे थे। इस दौरान बेकाबू वाहन ने उसे टक्कर मार दी। जेब में मिले मोबाइल नंबर से पुलिस ने उसके घर सूचना दी। मौके पर पहुंचे परिजनों ने शव की शिनाख्त राजेंद्र के रूप में की।

सड़क हादसे में घायल दुकानदार की मौत

कप्तानगंज (बस्ती)। थाना क्षेत्र के खजुहा चौराहे पर अज्ञात वाहन की टक्कर से घायल दुकानदार की केजीएमयू में इलाज के दौरान मौत हो गई। शनिवार की सुबह दुकानदार का शव घर लाया गया। इससे परिवार में कोहराम मच गया। परिजनों ने शव का भिउरा घाट पर अंतिम संस्कार कर दिया। जानकारी के अनुसार, थाना क्षेत्र के खजुहा गांव निवासी संतोष कुमार चौधरी (40) की फोरलेन के खजुहा चौराहे पर पान की दुकान है। परिजनों के मुताबिक, बृहस्पतिवार की रात करीब 8:30 बजे संतोष दुकान बंद कर घर जा रहे थे, तभी बस्ती की तरफ से आ रही बेकाबू वाहन की टक्कर मार दी। इससे संतोष गंभीर रूप से घायल हो गए थे। रात होने के कारण काफी देर तक वह घायल अवस्था में पड़े रहे। आसपास के लोगों ने उन्हें सीएचसी कप्तानगंज पहुंचाया। प्राथमिक इलाज के बाद डॉक्टरों ने घायल को जिला अस्पताल रेफर कर दिया था।

चैत्र प्रतिपदा से शुरू होगा नवरात्र पालकी में सवार होकर आएंगी मां भगवती

पुरानी बस्ती। चैत्र शुक्ल प्रतिपदा 19 मार्च से नवरात्र शुरू हो रहा है। देवी पालकी की सवारी से आ रहीं। विक्रम संवत 2083 इसी दिन शुरू होगा। इसमें ग्रहों का नया मंत्रिमंडल दायित्व संभालेगा। इस बार राजा गुरु वृहस्पति रहेंगे और मंत्री पद मंगल के जिम्मे होगा। संजय शुक्ला ने बताया कि चैत्र प्रतिपदा से नवरात्र एवं नवसंवत्सर प्रारंभ होता है। श्रद्धालु आदिशक्ति की व्रत उपासना करते हैं। देवी मंदिरों में दर्शन पूजन का क्रम अनवरत 9 दिनों तक चलेगा। देवी पालकी से आएंगी और माता का दरबार पूरे नौ दिन सजेगा। प्रतिपदा में सर्वार्थ सिद्धि योग एवं उत्तराभाद्रपद नक्षत्र रहेगा। रामनवमी 27 मार्च को मनाई जाएगी। इसमें राम जन्म के सोहर गीत की धूम रहेगी। नौ दिन व्रत रखने वाले 28 मार्च को व्रत समापन पारण करेंगे।

बिना टिकट के यात्रा कर रहा था युवक

संवाद न्यूज एजेंसी कप्तानगंज (बस्ती)। एक युवक की मनमानी परिचालक पर भारी पड़ गई। अयोध्या से बिना टिकट यात्रा कर रहे युवक को परिवहन विभाग के सचल दस्ते ने पकड़ लिया। इसके बाद कंडक्टर पर 25 सौ रुपये जुमार्ना लगा दिया। जानकारी के अनुसार, महराजगंज जिले के सोनौली डिपो की बस बृहस्पतिवार की दोपहर में यात्रियों को लेकर दिल्ली से सोनौली जा रही थी। परिचालक भवानी भीख सिंह के मुताबिक बस शुक्रवार की दोपहर 2:30 बजे जब अयोध्या पहुंची तो उस पर बस्ती जाने के लिए चार युवक सवार हुए थे। उनमें तीन युवकों ने टिकट बनवा लिया, मगर एक युवक ने टिकट नहीं बनवाया। वह उससे टिकट बनवाने के लिए कहते रहे, मगर उसने एक भी नहीं सुनी।

कांशीराम जयंती पी मुख्यमंत्री योगी, अखिलेश समेत अन्य नेताओं ने अर्पित की श्रद्धांजलि

लखनऊ,(संवाददाता)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, बहुजन समाज पार्टी (बसपा) प्रमुख मायावती और समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव सहित विभिन्न दलों के नेताओं ने बहुजन समाज में राजनीतिक चेतना जागृत करने वाले प्रमुख नेताओं में शुमार बहुजन समाज पार्टी (बसपा) के संस्थापक कांशीराम की जयंती पर रविवार को उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। मुख्यमंत्री ने एक्स पर एक संदेश में कांशीराम को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा, दलित, शोषित एवं वंचित के उत्थान हेतु अपना संपूर्ण जीवन अर्पित करने वाले सामाजिक न्याय के पुरोधा, बहुजन समाज पार्टी के संस्थापक मान्यवर कांशीराम की जयंती पर मेरी विनम्र श्रद्धांजलि। उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने भी एक्स पर एक पोस्ट में कहा, सामाजिक न्याय के प्रखर पुरोधा, वंचितों एवं शोषितों के अधिकारों की सशक्त आवाज तथा बहुजन समाज पार्टी के संस्थापक मान्यवर कांशीराम की जयंती पर उन्हें शत-शत नमन ! उन्होंने कहा कि समानता, स्वाभिमान एवं सामाजिक चेतना के लिए उनका संघर्षपूर्ण जीवन आज भी समाज को न्याय और अधिकारों के प्रति सजग रहने की प्रेरणा देता है।

19 मार्च से शुरू होगा हिंदू नववर्ष, अधिक मास के कारण रहेगा 13 महीनों का वर्ष

■ ग्वालियर

हिंदू पंचांग के अनुसार इस वर्ष 19 मार्च 2026 से हिंदू नववर्ष की शुरुआत होने जा रही है। इसी दिन से विक्रम संवत 2083 का शुभारंभ होगा। इस बार का वर्ष विशेष महत्व रखता है, क्योंकि अधिक मास के कारण यह साल 12 की बजाय 13 महीनों का होगा।

ज्योतिषाचार्य सुनील चोपड़ा ने बताया कि हिंदू नववर्ष की शुरुआत चैत्र मास के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि से मानी जाती है। इस दिन देश के विभिन्न भागों में नववर्ष को अलग-अलग नामों से मनाया जाता है। महाराष्ट्र में इसे गुड़ी पड़वा, दक्षिण भारत में उगादी तथा सिंधी समाज में चेटी चंद के रूप में मनाया जाता है। इस अवसर पर मंदिरों में विशेष पूजा-अर्चना, घरों में कलश स्थापना और नवसंवत्सर के स्वागत के कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं।

ग्रहों की चाल से मिलेंगे कई संकेत

ज्योतिषीय आकलन के अनुसार विक्रम संवत 2083 में ग्रहों की स्थिति भी महत्वपूर्ण बदलावों का संकेत दे रही है। बृहस्पति (गुरु) वर्ष की शुरुआत में मिथुन राशि में रहेंगे और आगे चलकर कर्क तथा सिंह राशि में गोचर करेंगे। शनि पूरे वर्ष मीन राशि में प्रभाव बनाए रखेंगे, जिससे धैर्य, कर्म और अनुशासन पर विशेष जोर रहने की संभावना है। राहु-केतु की स्थिति में भी परिवर्तन के संकेत हैं, जिससे सामाजिक और आर्थिक स्तर पर कुछ उतार-चढ़ाव देखने को मिल सकते हैं।

अधिक मास के कारण होगा 13 महीनों का साल

हिंदू पंचांग चंद्रमा की गति पर आधारित होता है। चंद्र वर्ष लगभग 354 दिनों का होता है, जबकि सौर वर्ष करीब 365 दिनों का माना जाता है। इस तरह दोनों के बीच लगभग 11 दिनों का अंतर रह जाता है। इसी अंतर को संतुलित करने के लिए लगभग हर तीन साल में एक अतिरिक्त महीना जोड़ दिया जाता है, जिसे अधिक मास कहा जाता है। इस अतिरिक्त महीने को मलमास, अधिक मास या पुरुषोत्तम मास भी कहा जाता है।

वर्ष का नाम 'रौद्र संवत्सर', गुरु होंगे राजा

ज्योतिषीय गणनाओं के अनुसार वर्ष 2026 में प्रारंभ होने वाले इस नवसंवत्सर को 'रौद्र संवत्सर' कहा जा रहा है। इस वर्ष के राजा बृहस्पति (गुरु) और मंत्री मंगल होंगे। वैदिक ज्योतिष के अनुसार किसी भी संवत्सर का प्रभाव इन ग्रहों की स्थिति के आधार पर देखा जाता है। गुरु को ज्ञान, धर्म और समृद्धि का प्रतीक माना जाता है, जबकि मंगल साहस, शक्ति और ऊर्जा का प्रतिनिधित्व करता है। ऐसे में माना जा रहा है कि इस वर्ष धर्म, पराक्रम और सकारात्मक ऊर्जा का प्रभाव अधिक देखने को मिल सकता है।

भगवान विष्णु को समर्पित होता है पुरुषोत्तम मास

पौराणिक मान्यताओं के अनुसार जब यह अतिरिक्त महीना बना तो किसी भी देवता ने इसका स्वामी बनने की इच्छा नहीं जताई। तब भगवान विष्णु ने इसे स्वीकार किया और इसे पुरुषोत्तम मास का नाम दिया। इसी कारण इस महीने को भगवान विष्णु को समर्पित माना जाता है। इस दौरान पूजा-पाठ, दान, जप, तप और धार्मिक अनुष्ठानों का विशेष महत्व बताया गया है। धार्मिक मान्यता के अनुसार नवसंवत्सर का यह शुभ अवसर नई शुरुआत, सकारात्मक ऊर्जा और आध्यात्मिक उन्नति का प्रतीक माना जाता है, जिसे देशभर में श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया जाता है।

युवा उत्सव में जीवाजी विवि का शानदार प्रदर्शन, कई प्रतियोगिताओं में जीते पदक

■ ग्वालियर

भारतीय विश्वविद्यालय संघ नई दिल्ली के निर्देशन में आयोजित 39वां एआईयू राष्ट्रीय युवा उत्सव का आयोजन सत्यभामा इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी चेन्नई में हुआ। इस राष्ट्रीय प्रतियोगिता में देशभर के 104 विश्वविद्यालयों के विद्यार्थियों ने भाग लिया। जीवाजी विश्वविद्यालय के 15 सदस्यीय सांस्कृतिक दल ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए कई प्रतियोगिताओं में पदक हासिल किए और ओवरऑल रनर-अप स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिता में सोलो वेस्टर्न डांस में हर्षिता सक्सेना ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया, जबकि वक्तृत्व कला प्रतियोगिता में समीक्षा दुबे ने द्वितीय स्थान हासिल किया। वाद-विवाद प्रतियोगिता में सोमेश वाधवानी और समीक्षा दुबे की टीम ने द्वितीय स्थान प्राप्त कर विश्वविद्यालय का गौरव बढ़ाया। इसके अलावा वेस्टर्न इंस्ट्रूमेंट सोलो में गीत यादव ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। ग्रुप वेस्टर्न प्रतियोगिता में हर्षिता, हिमांशी, गीत, पलक, एंजिला और उत्कर्ष की टीम ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। वहीं सांस्कृतिक रैली में भी जीवाजी विवि ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए ओवरऑल रनर-अप स्थान हासिल किया। इस दौरान दल के साथ प्रवीण शंखवार, अल्वी हुसैन और अतुल दीक्षित सहित अन्य सदस्य भी मौजूद रहे। इस उपलब्धि पर विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. राजकुमार आचार्य, कुलसचिव डॉ. राजीव मिश्रा और अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. जे.एन. गौतम ने सभी प्रतिभागियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

तरुण खटीक की हत्या के विरोध में निकाला कैंडल मार्च

ग्वालियर। दिल्ली में तरुण खटीक की हत्या के विरोध में ग्वालियर में खटीक समाज ने कैंडल मार्च निकालकर श्रद्धांजलि अर्पित की। सैकड़ों समाजजन राष्ट्रपिता महात्मा गांधी फूलबाग गेट से वीरांगना लक्ष्मीबाई स्मारक तक कैंडल मार्च में शामिल हुए। इस दौरान समाज के लोगों ने तरुण खटीक को भावभीनी श्रद्धांजलि दी और शोक संतप्त परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की। साथ ही भारत के राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, गृहमंत्री और दिल्ली सरकार से मांग की कि पीड़ित परिवार को सुरक्षा व आर्थिक सहायता दी जाए तथा दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई कर फांसी की सजा दी जाए। कार्यक्रम में महेश मदुरिया, पप्पू पचौरी, भारत रत्नाकर, हरीश मेवाफरोश, बलवीर सिंह खटीक, धर्मवीर भीलवार, महेंद्र भदकारिया आदि उपस्थित रहे।

भारत की राशि सुरक्षित है और कोई खतरा नहीं: सुरेश चंद्र

■ ग्वालियर

इण्डियन काउंसिल ऑफ एस्ट्रोलॉजिकल साइंस चेप्टर ग्वालियर एवं जय गणपति ज्योतिष जनकल्याण समिति, ग्वालियर के संयुक्त तत्वावधान में शनिवार को 'अखिल भारतीय ज्योतिष सम्मेलन' का आयोजन रीजनल हेल्थ एंड फैमिली वेलफेयर ट्रेनिंग सेंटर, सिटी सेंटर में किया गया। सम्मेलन का विषय 'हेल्थ इज वेल्थ' रहा। सम्मेलन में ज्योतिष और स्वास्थ्य पर चर्चा हुई और विशेष रूप से इजराइल-ईरान युद्ध के वर्तमान संकट पर खुलकर विचार रखे गए। सम्मेलन के मुख्य अतिथि भाजपा के प्रदेश मंत्री लोकेन्द्र पाराशर और विशिष्ट अतिथि के रूप में पूर्व मंत्री अनूप मिश्रा उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में दिल्ली से आए प्रसिद्ध ज्योतिषाचार्य डॉ. सुरेश चंद्र मिश्र ने कहा कि उनके पूर्वानुमान के अनुसार साल 2018 से 2028 तक विश्व के लिए संकट का समय रहेगा। उन्होंने बताया कि वर्तमान में इजराइल-ईरान युद्ध जैसी घटनाएं इसके उदाहरण हैं। हालांकि, भारत की राशि सुरक्षित है और देश पर कोई गंभीर असर नहीं होगा। सम्मेलन में ज्योतिषाचार्यों ने कुंडलिनी जागरण, नाड़ी ज्योतिष, चिकित्सा ज्योतिष, वास्तु और हाथ की रेखाओं में रोगों के योग जैसे विषयों पर अपने अनुभव और विचार साझा किए। केके चतुर्वेदी, प्रदीप चतुर्वेदी, सुभाष शर्मा, पंडित प्रमेन्द्र चतुर्वेदी, पल्लव त्रिपाठी और आरती शर्मा ने अपने सत्र में ज्ञानवर्धक व्याख्यान दिए। सम्मेलन का उद्देश्य ज्योतिष के माध्यम से स्वास्थ्य, आध्यात्म और जीवनशैली के बीच संबंध को समझाना तथा शोध आधारित ज्ञान का आदान-प्रदान करना रहा। सम्मेलन का समापन आईसीएएस ग्वालियर ग्वालियर चैप्टर के उत्तीर्ण छात्रों को प्रमाण पत्र और उपाधियां देकर किया गया। आभार प्रेमचन्द्र चतुर्वेदी ने व्यक्त किया।

पोषक खाद्य पदार्थों में उद्यमिता के अवसर पर प्रशिक्षण संपन्न

■ ग्वालियर

राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय के कृषि विज्ञान केन्द्र द्वारा अनुसूचित जाति उपयोजना के अंतर्गत विद्यार्थियों के लिए पोषक खाद्य पदार्थों में उद्यमिता के नए अवसर विषय पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें विद्यार्थियों को पोषक तत्वों से भरपूर खाद्य पदार्थों के निर्माण, आधुनिक तकनीकों तथा उद्यमिता के अवसरों के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य अनुसूचित जाति के विद्यार्थियों को पौष्टिक खाद्य पदार्थों के निर्माण की आधुनिक तकनीकों से परिचित कराना और उन्हें उद्यमिता के लिए प्रेरित करना था। विश्वविद्यालय के सभागार में आयोजित इस कार्यक्रम में विभिन्न तकनीकी सत्रों के माध्यम से विद्यार्थियों को खाद्य प्रसंस्करण और स्वरोजगार से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारी दी गई। प्रशिक्षण के आयोजक डॉ. शैलेन्द्र सिंह कुशवाह तथा वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. रीता मिश्रा रहीं। कार्यक्रम के समापन सत्र में विश्वविद्यालय के निदेशक अनुसंधान सेवाएं डॉ. एस.के. शर्मा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए बायोफोर्टिफाइड खाद्य पदार्थों के उत्पादन और समकालीन प्रौद्योगिकियों के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि पोषणयुक्त खाद्य पदार्थों का उत्पादन भविष्य में रोजगार और उद्यमिता के नए अवसर प्रदान कर सकता है।

नारायण वृद्धाश्रम में 11 जोड़ों का सामूहिक विवाह संपन्न

ग्वालियर। जागृति नगर लश्कर स्थित नारायण वृद्धाश्रम द्वारा आयोजित 27वें सर्वजातीय सामूहिक विवाह सम्मेलन में 11 जोड़ों का शनिवार को वैदिक रीति-रिवाज से विवाह संपन्न हुआ। विवाह समारोह में हाथी-बैंड बाजों के साथ बारात नारायण आश्रम पहुंची और वर-वधुओं ने मंच पर वरमाला की रस्म निभाई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में अग्रवाल समाज के प्रदेश अध्यक्ष कैलाश मित्तल, प्रदेश मंत्री खुशबू गुप्ता, आश्रम अध्यक्ष साधना गर्ग एवं नारायण दास प्रजापति उपस्थित रहे। इस मौके पर गायत्री परिवार के आचार्यों द्वारा सभी जोड़ों का पाणिग्रहण संस्कार कराया गया। विवाह के अवसर पर समाजसेवियों द्वारा नवविवाहित जोड़ों को गृहस्थी का सामान जैसे एलईडी, अलमारी, सिलाई मशीन, कूलर, पलंग, साड़ी सहित अन्य उपहार भेंट किए गए।

मुरैना में युवक-युवती परिचय सम्मेलन आज से

ग्वालियर। अखिल भारतीय अग्रवाल परिचय सम्मेलन के तत्वावधान में 15 और 16 मार्च को गांधी मैरेज होम मुरैना में दो दिवसीय युवक-युवती परिचय सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम का शुभारंभ 15 मार्च को दोपहर 12 बजे होगा। राष्ट्रीय अध्यक्ष राजेश ऐरन ने बताया कि सम्मेलन के लिए 70 युवतियों और 450 युवकों का पंजीयन किया गया है। इनमें से अधिकांश युवक-युवतियां विभिन्न शहरों में नौकरी कर रहे हैं। सम्मेलन के मंच पर युवक-युवतियों का परिचय कराया जाएगा तथा दहेज न लेने की शपथ भी दिलाई जाएगी। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व विधायक रमेश अग्रवाल उपस्थित रहेंगे। इस मौके पर परिचय सम्मेलन में शामिल होने वाले युवक दहेज नहीं लेने की शपथ लेंगे।

प्रेरणादायक कहानी सुनाकर सीख लेने का संदेश

ग्वालियर। पीजीवी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय द्वारा आयोजित राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के सात दिवसीय विशेष शिविर का समापन कार्यक्रम शनिवार को आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में वरिष्ठ समाजसेवी डॉ. राजेंद्र बांदिल एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रभात फाटक उपस्थित रहे। अध्यक्षता संत समरतीर्थ महाराज ने की। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि ने विद्यार्थियों को प्रेरणादायक कहानी सुनाकर जीवन में सीख लेने का संदेश दिया। इस मौके पर विद्यालय के प्राचार्य नरेश कुमार शर्मा, कार्यक्रम अधिकारी साधना पागे, स्वयंसेवक कार्तिक एवं नितेश सहित विद्यालय का स्टाफ और स्वयंसेवक उपस्थित रहे।

डॉ. पद्मा शर्मा 'भागीरथी देवी साहित्याचार्य सम्मान' से सम्मानित

ग्वालियर। एमएलबी महाविद्यालय की हिंदी प्राध्यापक डॉ. पद्मा शर्मा को दिल्ली में आयोजित साहित्यकार सम्मान समारोह में 'भागीरथी देवी साहित्याचार्य सम्मान' से सम्मानित किया गया। यह सम्मान इंडिया नेट बुक्स और बीपीए फाउंडेशन द्वारा दिल्ली के क्राउन प्लाजा में आयोजित कार्यक्रम में प्रदान किया गया। समारोह में बीपीए के सीईओ डॉ. संजीव कुमार, आइसेक्ट यूनिवर्सिटी भोपाल के चांसलर डॉ. संतोष चौबे, साहित्यकार ममता कालिया, बुद्धिनाथ मिश्र, बलदेव शर्मा, प्रेम जनमेजय और गिरीश पंकज सहित कई प्रतिष्ठित साहित्यकार मौजूद रहे। उनकी इस उपलब्धि पर डॉ. आरके सिंह, डॉ. श्रद्धा सक्सेना, डॉ. सुधीर शर्मा, डॉ. साधना दीक्षित, डॉ. पुष्पलता, डॉ. विष्णु अग्रवाल, डॉ. संध्या बोहरे सहित अनेक लोगों ने बधाई दी।

अंतर्राष्ट्रीय महिला सप्ताह में निकाली गई साइक्लोथॉन रैली

ग्वालियर। अंतर्राष्ट्रीय महिला सप्ताह के अवसर पर महिलाओं के स्वास्थ्य, सशक्तिकरण व फिटनेस को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से नगर निगम ग्वालियर द्वारा प्रातः 8 बजे से बाल भवन सिटी सेंटर से साइक्लोथॉन रैली का आयोजन किया गया और साइकिल रैली जीवाजी यूनिवर्सिटी चौराहा, अल्कापुरी न्यू हाई कोर्ट चौराहा, परशुराम चौक, आकाशवाणी चौराहा, बस स्टैंड होते हुए तानसेन रेजीडेंसी से पुनः बाल भवन पहुंचकर सम्पन्न हुई। जिसमें प्रतिभागियों ने निर्धारित मार्ग पर साइकिल चलाकर महिला सशक्तिकरण, फिटनेस एवं स्वच्छ शहर का संदेश दिया। इस अवसर पर अपर आयुक्त प्रतीक राव, स्वच्छ भारत मिशन नोडल अधिकारी मुकेश बंसल, सहायक नोडल अधिकारी शैलेंद्र सक्सेना, मिशन सलाहकार देवेंद्र निम सहित अन्य अधिकारी-कर्मचारी, स्वयं सहायता समूह की महिलाएं, आईईसी टीम, खेल प्रेमी एवं शहर के नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

'स्वर-ताल परिक्रमा-2026' का शुभारंभ

ग्वालियर। सिद्धपीठ श्री गंगादास की बड़ी शाला में शनिवार को 'स्वर-ताल परिक्रमा-2026' का शुभारंभ हुआ। जिसमें कलाकारों द्वारा सांगीतिज्ञ प्रस्तुतियां दी। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पं. मधुकर शास्त्री तेलंग रहे। कार्यक्रम का समापन 15 मार्च रविवार को होगा।

पांच कुण्डीय गायत्री महायज्ञ शुरू

ग्वालियर। अखिल विश्व गायत्री परिवार गायत्री चेतना केंद्र पिंटू पार्क मुरार के तत्वावधान में आयोजित पांच कुण्डीय गायत्री महायज्ञ की शुरुआत शनिवार को कलश यात्रा के साथ हुई। जिसमें लगभग 300 महिलाओं ने पीत वस्त्र धारण कर भाग लिया। यात्रा में बग्घी पर गुरुदेव और गायत्री माता का चित्र स्थापित किया गया।

सम्मेद शिखर अधिवेशन के लिए रवाना

जैन समाज के प्रमुख तीर्थ श्री सम्मेद शिखर (झारखंड) में आयोजित भारतीय जैन मिलन के 60वें वार्षिक केंद्रीय परिषद अधिवेशन में शामिल होने के लिए शनिवार को ग्वालियर से पदाधिकारी रवाना हुए। ग्वालियर रेलवे स्टेशन पर युवा जैन मिलन नेमीनाथ ग्रेटर ग्वालियर के सदस्यों ने सभी पदाधिकारियों को दुपट्टा पहनाकर सम्मान किया।

श्रीमद् भागवत गीता प्रश्नोत्तर में 5000 छात्रों ने लिया भाग

इस्कॉन मंदिर ग्वालियर द्वारा आयोजित 14वें श्रीमद् भागवत गीता प्रश्नोत्तर कार्यक्रम में जिले के 70 स्कूलों के लगभग 5000 छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। इस अवसर पर बच्चों को भागवत गीता के नैतिक और धार्मिक संदेशों से अवगत कराया गया। इस्कॉन मंदिर के महाप्रभु पुरुषोत्तम हरिदास ने ने बताया कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों को बचपन से ही धार्मिक और नैतिक मूल्यों की समझ देना है।

कान्यकुब्ज का होली मिलन समारोह आज

■ ग्वालियर

कान्यकुब्ज ब्राह्मण समाज ग्वालियर द्वारा होली मिलन समारोह का आयोजन 15 मार्च रविवार को शाम 4 बजे से जलकेश्वर महादेव मंदिर चम्बल कॉलोनी थाठीपुर में आयोजित किया जाएगा।

सकल हिंदू समाज का होली मिलन समारोह आज: सकल हिंदू समाज द्वारा 15 मार्च रविवार को शाम 6:30 बजे गुब्बारा फाटक स्थित खुर्जेबाले मोहल्ले में राजेंद्र परमार के निवास पर होली मिलन समारोह एवं समरसता दीप प्रज्ज्वलन कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम के संयोजक अनिल चौधरी ने बताया कि इस अवसर पर सामाजिक एकता का संदेश दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम का उद्देश्य समाज में फैली जातिगत दूरियों को समाप्त कर आपसी भाईचारा बढ़ाना है।

अनूप बने संयुक्त महासचिव

ग्वालियर। भारत विकास परिषद शाखा सहयोग की सत्र 2025-26 की अंतिम बैठक शनिवार को कैंसर पहाड़ी स्थित मां अन्नपूर्णा भोजन सेवा समिति में आयोजित की गई। इस अवसर पर अनूप अग्रवाल को पुनः सेंट्रल रीजन का क्षेत्रीय संयुक्त महासचिव नियुक्त किया गया। बैठक में वर्ष भर की गतिविधियों की समीक्षा की गई और आगामी सत्र की योजनाओं पर चर्चा की गई।

विनोद राष्ट्रीय महासचिव बने

ग्वालियर। ऑल इंडिया कायस्थ महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अजय जौहरी ने विनोद श्रीवास्तव को महासभा का राष्ट्रीय महासचिव मनोनीत किया है।

जिझौतिया समाज का होली मिलनोत्सव आज

ग्वालियर। जिझौतिया ब्राह्मण समाज जिला ग्वालियर द्वारा 15 मार्च रविवार को सुबह 11 बजे सिटी सेंटर स्थित सत्कार गेस्ट हाउस में होली मिलनोत्सव का आयोजन किया जाएगा। इस मौके पर पारंपरिक फाग गीतों की प्रस्तुति होगी। यह जानकारी समाज के अध्यक्ष केपी अरजरिया और महामंत्री पंकज सोनकिया ने संयुक्त रूप से दी।

युवक के साथ मारपीट करने वाला गैंगस्टर विक्रम राणा साथियों सहित पकड़ा

एक बदमाश से अवैध पिस्टल बरामद

■ ग्वालियर

युवक के साथ मारपीट करने के बाद फरार गैंगस्टर विक्रम राणा को पुलिस ने तीन साथियों के साथ गिरफ्तार कर लिया। मारपीट करने के बाद बदमाश पुलिस को चकमा देकर भाग गए थे। पकड़े गए एक बदमाश के पास से पुलिस ने अवैध पिस्टल बरामद की है। पुलिस ने बदमाशों से अन्य घटनाओं के बारे में पूछताछ शुरू कर दी है।

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अनु बेनीवाल शहर मध्य ने बताया कि 5 मार्च को आमोद राणा निवासी बिलारा की विक्रम राणा, सोनू भदौरिया, गजेन्द्र कोली और कपिल रावत ने उधारी के रुपए मांगने पर मारपीट कर दी थी। मारपीट में फरियादी गंभीर रूप से घायल हो गया था। उक्त घटना के बाद से ही पुलिस आरोपियों की तलाश में जुटी हुई थी। शनिवार को मुखबिर से सूचना मिली थी कि मारपीट करने वाले बदमाश लालटिपारा में हैं। सूचना मिलने पर टीम को मौके पर भेजा गया। पुलिस को देखकर बदमाशों ने भागने का प्रयास किया लेकिन पुलिस ने उनका पीछा कर दबोच लिया। पकड़े गए बदमाशों में

गैंगस्टर विक्रम पुत्र दीवान सिंह राणा निवासी बिजौली, गजेन्द्र उर्फ गडरा पुत्र रामजीलाल कोली 32 वर्ष निवासी टुडीला हाल सांई नगर लालटिपारा मुरार, कपिल पुत्र सुरेश रावत 28 वर्ष निवासी सांई सिटी बीपी सिटी महाराजपुरा और जीतू गुर्जर को जड़ेरुआ से गिरफ्तार किया। पुलिस को जीतू के पास से अवैध पिस्टल बरामद की गई। बता दें विक्रम राणा के खिलाफ मुरार बिजौली, कम्पू, अपराध शाखा, डबरा, पड़ाव, चीनौर, कनाडिया इंदौर और भरतपुर राजस्थान में संगीन धाराओं के तहत16 प्रकरण पंजीबद्ध हैं। गजेन्द्र कोली भी शातिर बदमाश है और उसके खिलाफ मालनपुर, चीनौर बिजौली पड़ाव मुरार और सरायछौला थाने में 11 प्रकरण पंजीबद्ध हैं। पुलिस ने पकड़े गए चारों बदमाशों से पूछताछ शुरू कर दी है।

माधव विधि महाविद्यालय में राष्ट्रीय ऑनलाइन कार्यशाला शुरू

शैक्षणिक दृष्टि से रिसर्च प्रोजेक्ट अत्यंत महत्वपूर्ण

■ ग्वालियर

माधव विधि महाविद्यालय में माइनर रिसर्च प्रोजेक्ट को समझना और तैयार करना विषय पर आठ दिवसीय राष्ट्रीय ऑनलाइन कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। कार्यशाला के उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में जीवाजी विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. राजकुमार आचार्य उपस्थित रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में जीवाजी विश्वविद्यालय के विधि विभाग के निदेशक डॉ. संजय कुलश्रेष्ठ शामिल हुए, जबकि मुख्य वक्ता के रूप में बरकतुल्लाह विश्वविद्यालय के विधि विभाग की डीन प्रोफेसर डॉ. मोना पुरोहित ने अनुसंधान में नैतिकता विषय पर मार्गदर्शन दिया।

मुख्य अतिथि प्रो. आचार्य ने महाविद्यालय के इस प्रयास की सराहना करते हुए कहा कि शैक्षणिक दृष्टि से रिसर्च प्रोजेक्ट अत्यंत महत्वपूर्ण होते हैं। यह व्यक्तिगत और व्यावसायिक विकास के साथ-साथ संस्थान की प्रगति के लिए भी आवश्यक है। विशिष्ट अतिथि डॉ. कुलश्रेष्ठ ने कहा कि रिसर्च प्रोजेक्ट एक महत्वपूर्ण साधन है, इसलिए इसकी योजना पूरी नैतिकता के साथ बनानी चाहिए। समस्या का चयन सावधानीपूर्वक किया जाना चाहिए, क्योंकि प्रामाणिक रूप से किया गया शोध ही विश्वसनीय और समाज के लिए उपयोगी होता है।

मुख्य वक्ता प्रो. डॉ. पुरोहित ने कहा कि शोध कार्य में समस्या के चयन से लेकर उसके पूर्ण होने तक हर चरण में नैतिकता का पालन आवश्यक है। उन्होंने नैतिकता और नैतिक मूल्यों के अंतर, शोध में नैतिकता के महत्व और अनुसंधान के नियमों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। कार्यक्रम का संचालन सहायक प्राध्यापक अजैता सिंह ने किया तथा आभार प्रदर्शन सहायक प्राध्यापक प्राची तलरेजा ने किया।

महिला विंग ग्वालियर और डबरा के बीच मुकाबला आज

ग्वालियर। कॉन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) द्वारा आयोजित तीन दिवसीय क्रिकेट प्रतियोगिता का दूसरा दिन बेहद उत्साहपूर्ण रहा। इस अवसर पर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक धर्मवीर सिंह और आयुक्त कर्मचारी भविष्य निधि संगठन सत्यवर्धन गौतम ने मैच का उद्घाटन किया और खिलाड़ियों का परिचय देने के साथ टॉस किया। प्रतियोगिता के तीसरे दिन 15 मार्च को रात्रि 8 बजे कैट महिला विंग ग्वालियर और कैट महिला विंग डबरा के बीच रोमांचक मुकाबला होगा। इसके अलावा दो सेमीफाइनल और एक फाइनल मैच भी खेले जाएंगे। इस अवसर पर कैट के राष्ट्रीय संगठन मंत्री भूपेन्द्र जैन ने अतिथियों का स्वागत किया। संचालन निरूपमा मालपानी ने किया।

संपादकीय

नीतीश कुमार के बाद बिहार

मेरा संबंध राष्ट्रीय स्वयंसेवक से है। नीतीश जी हमारे संगठन से नहीं हैं। लेकिन त्याग, ईमानदारी और सामाजिक न्याय के प्रति समर्पण के मामले में वह हममें से कई लोगों से कहीं आगे हैं। बिहार के एक दलित भारतीय जनता पार्टी विधायक ने कहा। लेकिन अन्य विचार भी हैं। हम नीतीश जी की प्रशंसा करते हैं। लेकिन हम बिहार में आधुनिकीकरण और विकास भी चाहते हैं। जब भी हम औद्योगीकरण और भूमि के मुद्दे पर चर्चा करते, वह हमेशा हमें रोकते थे। उनका हमेशा यही कहना होता था-अगर किसान से जमीन छीन ली जाए, तो वह अपना जीवन यापन कैसे करेगा? अगर बिहार शहरीकरण में भारत के सबसे निचले 3 राज्यों में से एक है, तो इसका दोष उन्हीं पर जाता है। यह बेहद निराशाजनक था। बिहार सरकार के एक पूर्व मंत्री और अब भाजपा के एक शीर्ष पदाधिकारी ने बताया। अब जबकि नीतीश कुमार बिहार के मुख्यमंत्री के रूप में अपने अंतिम दिनों में, राज्य के समीकरण से बाहर हो चुके हैं और भाजपा विधानसभा की 243 सीटों में से 89 सीटों के साथ सबसे बड़ी पार्टी होने के नाते सरकार में प्राथमिक निर्णय लेने वाली होगी, यह विचार करना उचित है कि आने वाले वर्षों में बिहार का स्वरूप कैसा हो सकता है और क्या राज्य के विकास के प्रति श्री कुमार का दृष्टिकोण भाजपा द्वारा सांझा किया जाएगा? तथ्यों से इंकार नहीं किया जा सकता। नीति आयोग (2025) और बिहार सरकार (आर्थिक सर्वेक्षण, 2025) के नवीनतम आंकड़ों से पता चलता है कि 2022-23 तक, कामकाजी आबादी, बिहार में जनसंख्या का अधिकांश हिस्सा कृषि, वानिकी और मत्स्य पालन (49.6 प्रतिशत), सेवा क्षेत्र (28.9 प्रतिशत) और निर्माण क्षेत्र (18.4 प्रतिशत) में केंद्रित था। विनिर्माण क्षेत्र में केवल 5.7 प्रतिशत लोग कार्यरत थे। राज्य के लिए राहत की बात यह हो सकती है कि उसने पिछले कुछ वर्षों में बड़े पैमाने पर अवसंरचना निवेश किया है-केंद्र सरकार द्वारा प्रस्तावित राजमार्ग उन्नयन में 33,000 करोड़ रुपए, रेल क्षमता परियोजनाओं में 1 ट्रिलियन रुपए, और जिला सड़कों में सुधार आदि। दुविधा यह है कि बिहार को इस सारी अवसंरचना का क्या करना चाहिए? क्या उसे औद्योगिक निवेश में तेजी लानी चाहिए, जिसके लिए व्यापक (और महंगी) भूमि अधिग्रहण की आवश्यकता होगी और जिससे केवल नाममात्र का अतिरिक्त रोजगार ही मिलेगा? या फिर उसे औद्योगिक संपदाओं के निर्माण को प्रोत्साहित करना चाहिए, जिनमें लघु और मध्यम इकाइयां स्थापित की जा सकें, जैसे कि हाजीपुर औद्योगिक क्षेत्र। कृषि के बाद सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (एम.एस.एम.ई.) सबसे अधिक रोजगार सृजित करते हैं। बिहार की सभी औद्योगिक इकाइयों में से 95 प्रतिशत और विनिर्माण उत्पादन का 65 प्रतिशत लघु एवं मध्यम उद्यमों से आता है। 2023 में जब जनता दल (यूनाइटेड), या जद (यू) फिर से राष्ट्रीय जनता दल का सहयोगी बना, बिहार के उद्योग विभाग ने एक रणनीतिक व्यापार योजना के साथ केंद्र से जोरदार अपील की, जिसमें उसने तर्क दिया कि ऋण तक पहुंच और बाजार संपर्क एम.एस.एम.ई. के लिए 2 सबसे बड़ी चुनौतियां हैं। अधिकारियों का कहना है कि मदद की गुहार पर मिली प्रतिक्रिया उम्मीदों से कम रही। मुख्यमंत्री के गठबंधन सहयोगी गलत तरह के थे। जब सहयोगी बदले, तो भाजपा के नीतीश मिश्रा, जिन्हें राज्य के उद्योग जगत का रक्षक माना जाता था, को मंत्री बनाया गया। हालांकि, 2025 में नीतीश कुमार की सरकार में उनकी कोई भूमिका नहीं रही, क्योंकि भाजपा ने जातिगत समीकरणों के आगे घुटने टेक दिए। उसने मधुबनी के एक ब्राह्मण को अपनी सूची से हटाने का विकल्प चुना। इन सब बातों से यह स्पष्ट होता है कि यदि भाजपा बिहार में औद्योगीकरण और शहरीकरण को सामाजिक न्याय के साथ जोडना चाहती है, तो उसके समर्थकों और पैरवीकत्ताओं का एक ही सामाजिक आधार से होना आवश्यक है। भाजपा के लिए यह एक अनिवार्य विकल्प है। राज्य सरकार की जाति जनगणना का उसका विरोध स्वयं ही सब कुछ बयां करता है। और फिर, दूसरा विकल्प भी है, जो अपने आप में बेहद समस्याग्रस्त है। 2022 में, जब भाजपा और जद (यू) सहयोगी थे, तब नीतीश कुमार ने सार्वजनिक रूप से भाजपा के उस आह्वान को ठुकरा दिया था, जिसमें उत्तर प्रदेश में लागू योगी आदित्यनाथ मॉडल का अनुसरण करने और मस्जिदों से सभी लाऊडस्पीकर हटाने की बात कही गई थी इस बेतुकी बात को छोड़ दें। बिहार में हम किसी भी व्यक्ति के धार्मिक रीति-रिवाजों में दखल नहीं देते। बिहार के हर व्यक्ति को अपने धर्म का पालन करने का पूरा अधिकार है। उन्होंने पूर्णिया में भाजपा सहयोगी शाहनवाज हुसैन के साथ एक जनसभा में कहा। यह कोई आकस्मिक घटना नहीं थी। भाजपा के पुराने नेता ऐसे कई मौकों को याद करते हैं, जब उन्होंने भाजपा के सहयोगी रहते हुए भी उसका डटकर मुकाबला किया। साथ ही, उन्होंने भाजपा के वक्फ कानून का समर्थन किया और मतदाता सूची के विशेष गहन संशोधन(एस.आई.आर.) पर बिल्कुल भी कुछ नहीं कहा। उनकी पार्टी ने 2019 और 2024 के लोकसभा चुनाव भाजपा के साथ गठबंधन में लड़े और मुस्लिम वोटों का क्रमशरू 6 प्रतिशत और 12 प्रतिशत हासिल किया। आंकड़े बताते हैं कि जब तक भाजपा के साथ जद (यू) है, वह मुस्लिम वोटों का भरपूर लाभ उठा सकती है। यह कहना मुश्किल है कि अगर कुमार सत्ता से बाहर हो जाते हैं तो क्या स्थिति वैसी ही रहेगी।

जिसने युद्ध शुरू किया, उसे ही इसे रोकना होगा

> युद्ध के पहले ही दिन, अयातुल्ला खामेनेई समेत उसके शीर्ष नेतृत्व की पहली कतार खत्म हो गई थी। ईरान ने जल्दबाजी में एक नया नेता चुना है और एक नया सैन्य नेतृत्व तैयार किया है लेकिन अमरीका-इसराईल गठबंधन ने ऐलान कर दिया है कि उन्हें भी खत्म कर दिया जाएगा। तेहरान, सनंदाज, इस्फहान और ईरान के दूसरे बड़े शहरों पर बमबारी की गई है और अब तक लगभग 1300 ईरानी मारे गए हैं और 10,000 से ज्यादा घायल हुए हैं। एक अमरीकी टॉमहॉक मिसाइल एक स्कूल पर गिरी, जिसमें 168 बच्चे और 14 शिक्षक मारे गए। उन्होंने आखिर क्या गुनाह किया था। ईरान की शासन-प्रणाली के स्वरूप को, जो कि काफी दमनकारी है, एक तरफ रख दें और लोगों पर ध्यान दें। इस तबाही के हकदार बनने के लिए उन्होंने आखिर क्या किया है? इसराईल के उकसावे पर, अमरीका ने यह आरोप लगाया कि ईरान ने समृद्ध यूरेनियम का जखीरा जमा कर रखा है और परमाणु हथियार बनाने का काम लगभग पूरा कर लिया है।

पी. चिदम्बरम

ईरान के खिलाफ 28 फरवरी को अमरीका और इसराईल द्वारा शुरू किए गए इस बिना सोचे-समझे युद्ध के नतीजे दुनिया भर में और बहुत दूर तक जाने वाले हैं। ऑप्रेशन एपिक फ्यूरी के दो हफ्तों में, ईरान तबाह तो हो गया है लेकिन हारा नहीं है। युद्ध के पहले ही

दिन, अयातुल्ला खामेनेई समेत उसके शीर्ष नेतृत्व की पहली कतार खत्म हो गई थी। ईरान ने जल्दबाजी में एक नया नेता चुना है और एक नया सैन्य नेतृत्व तैयार किया है लेकिन अमरीका-इसराईल गठबंधन ने ऐलान कर दिया है कि उन्हें भी खत्म कर दिया जाएगा। तेहरान, सनंदाज, इस्फहान और ईरान के दूसरे बड़े शहरों पर बमबारी की गई है और अब तक लगभग 1300 ईरानी मारे गए हैं और 10,000 से ज्यादा घायल हुए हैं। एक अमरीकी टॉमहॉक मिसाइल एक स्कूल पर गिरी, जिसमें 168 बच्चे और 14 शिक्षक मारे गए। उन्होंने आखिर क्या गुनाह किया था। ईरान की शासन-प्रणाली के स्वरूप को, जो कि काफी दमनकारी है, एक तरफ रख दें और लोगों पर ध्यान दें। इस तबाही के हकदार बनने के लिए उन्होंने आखिर क्या किया है? इसराईल के उकसावे पर, अमरीका ने यह आरोप लगाया कि ईरान ने समृद्ध यूरेनियम का जखीरा जमा कर रखा है और परमाणु हथियार बनाने का काम लगभग पूरा कर लिया है। स्टीव विटकॉफ और जेरेड कुशनर को कतर की मदद से, अमरीका की तरफ से ईरान के साथ बातचीत करने के लिए भेजा गया था। युद्ध शुरू होने की आशंका को देखते हुए, ओमान के विदेश मंत्री तुरंत वाशिंगटन पहुंचे और अमरीका को यह भरोसा दिलाया कि ईरान समृद्ध यूरेनियम का जखीरा बिल्कुल न रखने पर राजी हो गया है और उसने कभी भी परमाणु हथियार न रखने की कसम खाई है। इस भरोसे को नजरअंदाज करते हुए, राष्ट्रपति ट्रम्प ने अचानक बातचीत खत्म कर दी और ईरान पर हमला करने का आदेश दे दिया। हो सकता है कि ईरान इसराईल के विस्तारवाद के लिए एक खतरा हो लेकिन वह अमरीका के लिए किसी भी तरह का खतरा नहीं है। जून 2025 में ऑप्रेशन मिडनाइट हैमर, जो एक गैर-कानूनी हमला था, के बाद, अमरीका ने दावा किया था कि ईरान की यूरेनियम संवर्धन सुविधाएं पूरी तरह से नष्ट कर दी गई हैं। मिडनाइट हैमर के बावजूद, अगर ईरान ने लगभग परमाणु हथियार बना ही लिए थे, तो वे कहां हैं? क्या अमरीका ने परमाणु निगरानी संस्था, अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी से ईरान का निरीक्षण करने और परमाणु हथियारों के विकास पर रिपोर्ट देने के लिए कहा? किस देश के पास परमाणु हथियार होंगे या नहीं, यह तय करने का अमरीका के पास क्या अधिकार है? क्या अमरीका भारत, पाकिस्तान या उत्तर कोरिया की परमाणु क्षमताओं में दखल देने और उन्हें नष्ट करने का फैसला करेगा? पश्चिम एशियाई क्षेत्र में इसराईल के दुश्मन हैं। इसकी जड़ें उस समय से जुड़ी हैं, जब इसराईल का गठन उस जमीन पर हुआ था, जो मूल रूप से फिलिस्तीनियों की थी। फिर भी, पिछले कुछ सालों में, इस्लामी देशों सहित पूरी दुनिया ने इसराईल की वास्तविकता को स्वीकार कर लिया है। हालांकि भारत ने फिलिस्तीन के विभाजन प्रस्ताव (1947) के खिलाफ वोट दिया था, लेकिन बाद में, सितम्बर 1950 में भारत ने इसराईल को एक राष्ट्र के रूप में मान्यता दे दी और 1992 में दोनों देशों के बीच पूर्ण राजनयिक संबंध स्थापित हो गए। व्यापार, सैन्य सहयोग और खुफिया जानकारी सांझी करने के क्षेत्रों में दोनों देशों के संबंध काफी फले-फूले हैं। पश्चिम एशिया के संघर्षों में भारत हमेशा से ही एक संतुलित और संयमित आवाज रहा है, कम से कम अब तक तो यही स्थिति थी। लेकिन हाल के दिनों में, भारत का रुख कुछ हद तक पक्षपातपूर्ण हो गया है। इसका प्रमाण 12 मार्च, 2026 को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में पारित उस प्रस्ताव के प्रति भारत का समर्थन है, जिसमें केवल ईरान की ड्रूषनदा की गई थी। जब इसराईल के प्रधानमंत्री ने भारत, ग्रीस, साइप्रस, अरब देशों, अफ्रीकी देशों और भूमध्यसागरीय देशों को मिलाकर बने एक षट्कोणीय गठबंधन का जिक्र किया, जिसका उद्देश्य कट्टरपंथी शिया गठबंधन और उभरते हुए कट्टरपंथी सुन्नी गठबंधन का मुकाबला करना था, तब भारत ने इस पर विरोध का एक भी शब्द नहीं कहा। ट्रम्प की मनमानी की वजह से, तेल की कीमतें 100 डॉलर प्रति बैरल से भी ऊपर पहुंच गई हैं। अमरीका में महंगाई और ट्रम्प प्रशासन के प्रति असंतोष बढ़ रहा है। होर्मुज जलडमरूमध्य से तेल टैंकरों की आवाजाही, जो ईरान के नियंत्रण में है, लगभग पूरी तरह से रुक गई है। भारत में, एल.पी.जी. सिलैंडर की कमी हो गई है और उनकी कीमतें तेजी से बढ़ाई गई हैं। दुनिया भर के शेयर बाजार धड़ाम से गिर गए हैं। अनुमान है कि इस युद्ध पर हर दिन 2 अरब डॉलर खर्च हो रहे हैं। इस युद्ध की मानवीय कीमत का अंदाजा लगाना भी मुश्किल है। मशहूर सैनिक, जनरल ड्वाइट आइजनहावर ने कहा था कि युद्ध क्रूर, बेकार और बेवकूफी भरा होता है। रूस ने 4 साल पहले यूक्रेन पर हमला किया था, लेकिन वह यह युद्ध जीत नहीं पा रहा। इस बीच, रूस पर कर्ज का बोझ बहुत बढ़ गया है, तेल से होने वाली कमाई घट गई है और रूसी सेना को अब भाड़े के सैनिकों का इस्तेमाल करना पड़ रहा है। ईरान के मामले में, ऐसा कोई संकेत नहीं मिल रहा कि अमरीका इस युद्ध को रोकने वाला है। चूंकि यह युद्ध मशीनों के जरिए लड़ा जा रहा है, इसलिए जब तक मशीनों की सप्लाई जारी रहेगी, अमरीका इस युद्ध को जारी रख सकता है। जब कोई देश युद्ध शुरू करता है, तो उसे यह भी पता होना चाहिए कि उसे कब रोकना है। युद्ध हर देश और हर इंसान का असली चेहरा सामने ला देता है। जब रूस ने यूक्रेन पर हमला किया, तो भारत ने उसकी ड्रूषनदा नहीं की, बल्कि यह कहा कि यह युद्ध का दौर नहीं है। जब अमरीका ने वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो का अपहरण किया था, तब इस तरह की नसीहतें नदारद थीं। पश्चिम एशिया में चल रहे मौजूदा युद्ध में भी ये बातें साफ तौर पर गायब हैं।

लड़ाकू विमान अपग्रेडः भारत का वायु रक्षा में क्रांतिकारी कदम

> एमका कार्यक्रम इस दिशा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। 2026 तक, एमका को 5.5वीं पीढ़ी और आगे छठी पीढ़ी के स्तर तक अपग्रेड करने की योजना ने दुनिया का ध्यान आकर्षित किया है। इस योजना के तहत, नई स्टैल्थ तकनीक और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (ए.आई.) के उपयोग पर जोर दिया गया है। सवाल उठता है कि क्या यह भारत की वैश्विक वायु क्षेत्र में स्थिति को कैसे मजबूत करेगा और क्या यह अमरीका तथा चीन से मुकाबला करने में सक्षम होगा? एमका कार्यक्रम की शुरूआत 2011 में हुई थी, जब रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डी.आर.डी.ओ.) की एयरोनॉटिकल डिवैल्पमैंट एजैंसी (एडीए) ने 5वीं पीढ़ी के स्टैल्थ फाइटर जैट विकसित करने का फैसला किया। उल्लेखनीय है कि एमका एक ट्विन-इंजन, सिंगल-सीट विमान है, जिसका वजन लगभग 27 टन है और यह मैक 2.15 की गति से उड़ान भर सकता है। एम.के.1 संस्करण जी.ई. एफ-414 इंजन का उपयोग करेगा, जबकि एम.के.2 को 110-120 के.एन. थ्रस्ट वाले नए इंजन से लैस किया जाएगा, जो फ्रांस की साफरान या अन्य सांझेदारों के साथ सह-विकसित होगा। 2026 तक, एमका एम.के.2 को 5.5वीं पीढ़ी का दर्जा दिया जा रहा है, जिसमें छठी पीढ़ी की विशेषताएं जैसे ए.आई. संचालित इलैक्ट्रॉनिक पायलट और प्रेडिक्टिव मेंटेनैंस शामिल हैं। इसका प्रोटोटाइप रोलआऊट 2028 के अंत तक और पहली उड़ान 2029 में होने की उम्मीद है, जबकि इंडक्शन 2035 तक हो सकता है।

रजनीश कपूर

उन्नत माध्यमिक लड़ाकू विमान को 5.5वीं और छठी पीढ़ी में अपग्रेड करना भारत की रक्षा क्षमताओं में एक नया अध्याय लिखा जा रहा है। हाल के वर्षों में, भारत ने अपनी वायु सेना को मजबूत बनाने के लिए स्वदेशी तकनीकों पर जोर दिया है। एमका कार्यक्रम इस दिशा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। 2026 तक, एमका को 5.5वीं पीढ़ी और आगे छठी पीढ़ी के स्तर तक अपग्रेड करने की योजना ने दुनिया का ध्यान आकर्षित किया है। इस योजना के तहत, नई स्टैल्थ तकनीक और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (ए.आई.) के उपयोग पर जोर दिया गया है। सवाल उठता है कि क्या यह भारत की वैश्विक वायु क्षेत्र में स्थिति को कैसे मजबूत करेगा और क्या यह अमरीका तथा चीन से मुकाबला करने में सक्षम होगा? एमका कार्यक्रम की शुरूआत 2011 में हुई थी, जब रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डी.आर.डी.ओ.) की एयरोनॉटिकल डिवैल्पमैंट एजैंसी (एडीए) ने 5वीं पीढ़ी के स्टैल्थ फाइटर जैट विकसित करने का फैसला किया। उल्लेखनीय है कि एमका एक ट्विन-इंजन, सिंगल-सीट विमान है, जिसका वजन लगभग 27 टन है और यह मैक 2.15 की गति से उड़ान भर सकता है। एम.के.1 संस्करण जी.ई. एफ-414 इंजन का उपयोग करेगा, जबकि एम.के.2 को 110-120 के.एन. थ्रस्ट वाले नए इंजन से लैस किया जाएगा, जो फ्रांस की साफरान या अन्य सांझेदारों के साथ सह-विकसित होगा। 2026 तक, एमका एम.के.2 को 5.5वीं पीढ़ी का दर्जा दिया जा रहा है, जिसमें छठी पीढ़ी की विशेषताएं जैसे ए.आई. संचालित इलैक्ट्रॉनिक पायलट और प्रेडिक्टिव मेंटेनैंस शामिल हैं। इसका प्रोटोटाइप रोलआऊट 2028 के अंत तक और पहली उड़ान 2029 में होने की उम्मीद है, जबकि इंडक्शन 2035 तक हो सकता है। यह अपग्रेड भारत को अमरीका, रूस और चीन जैसे देशों की श्रेणी में खड़ा करेगा, जो 5वीं पीढ़ी के विमान संचालित करते हैं। जानकारों का मानना है कि एमका में अपनाई जा रही नई स्टैल्थ तकनीक भारत की वायु रक्षा को अभूतपूर्व मजबूती प्रदान करेगी। स्टैल्थ का मतलब है राडार से बचाव, जो विमान को दुश्मन की नजरों से छिपा कर रखता है। एमका में डाइवर्टरलैस सुपरसोनिक इनलेट (वैक), सर्पेंटाइन एयर इनटेक डक्ट और उन्नत राडार-एब्जॉर्बेंट मैटीरियल्स का उपयोग किया जा रहा है। ये विशेषताएं राडार सिग्नेचर को न्यूनतम करती हैं, जिससे विमान दुश्मन के वायु रक्षा सिस्टम को भेद सकता है। यह तकनीक एमका को चीनी जे-20 या अमरीकी एफ-35 जैसे विमानों से बेहतर छिपाव प्रदान करेगी। गौरतलब है कि एमका में इलैक्ट्रॉनिक पायलट नामक ए.आई.-सिस्टम होगा, जो पायलट के साथ सहयोगी की भूमिका निभाएगा। यह ए.आई. खतरे का पता लगाने, रूट ऑप्टिमाइजेशन, कॉम्बैट स्ट्रैटेजी और मिशन प्लानिंग में मदद करेगा। इसके अलावा, ए.आई.-आधारित प्रेडिक्टिव मेंटेनैंस से विमान की उपलब्धता दर 75 प्रतिशत तक पहुंच जाएगी, जो वर्तमान विमानों से कहीं अधिक है। सैंसर फ्यूजन और नैटवर्क-सैंट्रिक वारफेयर सिस्टम एमका को ड्रोन स्वार्म्स और अन्य प्लेटफॉर्म्स के साथ एकीकृत करेगा। यह छठी पीढ़ी की दिशा में कदम है, जहां ए.आई. स्वायत्त निर्णय लेने में सक्षम होगा। विशेषज्ञों के अनुसार, यह अपग्रेड भारत की वायु सेना को आधुनिक युद्धों में बढ़त देगा, जहां ए.आई. और स्टैल्थ निर्णायक कारक हैं।

रक्षा विशेषज्ञ यह सवाल भी उठा रहे हैं कि इस अपग्रेड से भारत की वैश्विक वायु क्षेत्र में स्थिति कैसे सुधरेगी? यह स्वदेशी तकनीक पर निर्भरता बढ़ाएगा, जो आयात पर निर्भरता कम करेगा। वर्तमान में, भारतीय वायु सेना में स्क्वाड्रन की कमी है और एमका इस कमी को पूरा करेगा। स्टैल्थ और ए.आई. से लैस एमका भारत को इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में मजबूत डिटैंस प्रदान करेगा। चीन के साथ सीमा विवादों में एमका जे-20 का मुकाबला कर सकेगा, जो वर्तमान में भारत के लिए चुनौती है। पाकिस्तान के चीनी जे-10 या जे.एफ.-17 के खिलाफ भी यह श्रेष्ठ होगा। वैश्विक स्तर पर, एमका भारत को क्वाड (भारत, अमरीका, जापान, ऑस्ट्रेलिया) जैसे गठबंधनों में मजबूत भागीदार बनाएगा। यह एशिया में पावर बैलेंस को भारत के पक्ष में झुका सकता है, क्योंकि यह चौथा देश होगा, जो स्वदेशी 5वीं पीढ़ी का विमान विकसित करेगा। उल्लेखनीय है कि अमरीका के एफ-22 और एफ-35 परिपक्व तकनीक वाले लड़ाकू विमान हैं, जिनमें दशकों का अनुभव है। एमका की स्टैल्थ और ए.आई. विशेषताएं एफ-35 से तुलनीय हैं लेकिन उत्पादन और संचालन अनुभव की कमी एक कमजोरी है। हालांकि, एमका की लागत कम होगी और यह भारत की विशिष्ट जरूरतों के अनुरूप होगा।

अफगानिस्तान और ईरान के बीच युद्धों में फंसे पाकिस्तान के सामने कठिन विकल्प

> स्वतंत्रता सेनानी के रूप में उन्हें स्वीकृत 500 रुपये की सरकारी पेंशन लेने से भी उन्होंने यह कहकर मना कर दिया था कि उन्होंने आजादी की लड़ाई पेंशन के लिए थोड़े ही लड़ी थी। खुद्दार तो वे इतने थे कि उन्हें अपनी संतानों, परिजनों व शुभचिंतकों से किसी भी रूप में आर्थिक सहायता लेना गवारा नहीं था। सरकार द्वारा घर देने के प्रस्ताव को भी उन्होंने ठुकरा दिया था। उनके पास अपना घर तक नहीं था तो कार या कोई और वाहन होने का सवाल ही नहीं था। इसलिए राजधानी दिल्ली में वे प्रायः बसों से आते-जाते दिखाई देते थे। बाद में उनकी अहमदाबाद वासी बेटी से उनकी दुर्दशा नहीं देखी गई तो वह उन्हें किसी तरह समझा-बुझाकर अपने साथ ले गईं। वर्ष 1998 में 15 जनवरी को अपने सौवें जन्मदिन से कुछ महीनों पहले उन्होंने वहीं अंतिम सांस ली। निधन से कोई साल भर पहले 1997 में उन्हें देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान भारत रत्न से विभूषित किया गया, जबकि पद्मविभूषण से पहले से विभूषित किया जा चुका था। अपने मंत्रिकाल में वे भ्रष्टाचार को लेकर इतने असहिष्णु थे कि भ्रष्टाचारी कितना भी प्रभावशाली या अपना क्यों न हो, उसे बख्शते नहीं थे। एक बार इसी के चलते उन्हें अपना मंत्री पद भी गंवा देना पड़ा था। यह जानना भी दिलचस्प है कि वे जितने बड़े राजनेता, उतने ही अच्छे अर्थशास्त्र के जानकार व लेखक भी थे। उन्होंने कई किताबें तो लिखी ही हैं, श्रमिकों के अधिकारों की सुरक्षा और 1947 में इंडियन नेशनल ट्रेड यूनियन कांग्रेस की स्थापना में भी उनका महत्वपूर्ण योगदान रहा है।

पाकिस्तान दो संघर्षों के बीच फंसा हुआ है। पश्चिम में अफगानिस्तान में, कभी उसके संरक्षण में रहे तालिबान के साथ संबंध बेहद बिगड़ गए हैं और अब वे पूर्ण युद्ध की स्थिति में हैं। दक्षिण-पश्चिम में ईरान के साथ युद्ध जारी है, जिसका असर सऊदी अरब पर भी पड़ रहा है, जिसके साथ पाकिस्तान का पारस्परिक रक्षा समझौता है। ईरान युद्ध के कारण पैट्रोल और डीजल की कीमतों में 55 पाकिस्तानी रुपए प्रति लीटर की वृद्धि हुई है। पहले से ही कमजोर अर्थव्यवस्था पर पड़ रहे इस नए दबाव के साथ, अफगानिस्तान में अपने सैन्य अभियानों को जारी रखना और सऊदी अरब की मदद के लिए संभावित रूप से एक नया अभियान शुरू करना वित्तीय दृष्टि से बहुत कम समझदारी भरा लगता है, खासकर ऐसे समय में, जब अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आई.एम.एफ.) के अधिकारी 7 अरब डॉलर के राहत पैकेज से संबंधित समीक्षा दौरे पर हैं। बलूचिस्तान में भी संघर्ष जारी है। इसके अलावा, दोनों संघर्ष पाकिस्तान की आंतरिक सुरक्षा स्थिति को और खराब कर सकते हैं। ईरान युद्ध से उग्रवाद को बढ़ावा मिल सकता है, जबकि आतंकवादी समूह तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टी.टी.पी.) अफगानिस्तान युद्ध का बदला ले सकता है। पहले ही, पूरे पाकिस्तान में शिया समुदाय द्वारा पूजे जाने वाले अयातुल्ला अल खामेनेई की हत्या के विरोध में हुए प्रदर्शनों में 20 से अधिक लोग मारे जा चुके हैं। पाकिस्तान अमरीकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के साथ अपने नए सौहार्दपूर्ण संबंधों को खतरे में नहीं डाल सकता लेकिन ईरान के साथ उसके संबंध भी महत्वपूर्ण हैं। इसलिए, इस्लामाबाद ने ईरान पर हुए पहले हमले की निंदा की लेकिन हमलावर का नाम नहीं बताया। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने अपने पिता के उत्तराधिकारी बनने पर मुजतबा खामेनेई को बधाई दी और अयातुल्ला के निधन पर शोक व्यक्त किया, साथ ही उन खाड़ी देशों के प्रति एकजुटता भी व्यक्त की, जिन पर ईरान ने हमला किया है। इन देशों में इस्लामाबाद के लिए सबसे महत्वपूर्ण सऊदी अरब है, जो उसका लंबे समय से हितैषी रहा है। पिछले साल सितंबर में, दोनों देशों ने एक समझौते पर हस्ताक्षर किए थे कि किसी भी देश के खिलाफ आक्रामकता को दोनों देशों के खिलाफ आक्रामकता माना जाएगा। आज अगर सऊदी अरब के लिए युद्ध की स्थिति और बिगड़ती है, तो दुनिया यह देखेगी कि पाकिस्तान अपने समझौते का पालन कैसे करता है। पाकिस्तान के ईरान के साथ संबंध जटिल हैं। शिया-सुन्नी विभाजन एक कारण है, वहीं अमरीका के साथ अच्छे

संबंध बनाए रखने के लिए पाकिस्तान के प्रयास दूसरा कारण हैं। दोनों देश 900 किलोमीटर लंबी सीमा सांझी करते हैं, जिसके दोनों ओर पाकिस्तान का बलूचिस्तान और ईरान का सिस्तान तथा बलूचिस्तान स्थित हैं, जहां बलूच विद्रोह सुलग रहा है। 2024 में, ईरान ने पाकिस्तान की सीमा के अंदर हमला किया और पाकिस्तान ने जवाबी कार्रवाई की, दोनों देशों ने आतंकवादी ठिकानों को निशाना बनाने का दावा किया। तब से, संबंधों को सुधारने के लिए कुछ प्रयास किए गए हैं। लेकिन पराजित या कमजोर ईरान इस्लामाबाद के हित में नहीं है। अगर ईरान अपनी सीमा की सुरक्षा नहीं कर पाता है, तो बलूच उग्रवादियों का हौसला बढ़ेगा। इस्लामाबाद अपने पड़ोसी देश में इसराईल समर्थित कठपुतली नेतृत्व भी नहीं चाहेगा। इसके अलावा, बलूचिस्तान ईरान सीमा के पार से होने वाले व्यापार और आपूर्ति पर बहुत अधिक निर्भर है, जबकि ईरान और खाड़ी देशों में काम करने वाले लाखों पाकिस्तानी अपने घर पैसे भेजते हैं। इसके अलावा, यह तथ्य भी है कि लगभग वे सभी देश, जो अफगानिस्तान के साथ उसके युद्ध में मध्यस्थता कर सकते थे, अब अपने ही युद्धों में व्यस्त हैं। हालांकि, पाकिस्तान भले ही मुश्किल हालात में है, फिर भी वह एकमात्र ऐसा देश है, जो इस संघर्ष में शामिल सभी पक्षों से बातचीत कर सकता है। पाकिस्तान के रक्षा एवं सुरक्षा विशेषज्ञ अली के चिश्ती ने दावा किया, ईरान के मुद्दे पर पाकिस्तान नीतिगत गतिरोध का सामना कर रहा है। हालांकि, उसने इस अवसर का लाभ उठाते हुए ईरान के साथ अपने संबंधों को सक्रिय रूप से मजबूत किया है, जिसके चलते ईरान ने सऊदी अरब को अन्य देशों की तरह बेरहमी से निशाना नहीं बनाया। इसलिए यह पाकिस्तान के लिए एक जीत है। अफगानिस्तान से टकराव रू यहां विवाद की जड़ टी.टी.पी. है, जिसका मूल सिद्धांत इस्लामी जिहाद पर आधारित था, जिसके तहत वह पाकिस्तान को कुरान की सख्त व्याख्या का पालन करने वाले एक अमीरात के रूप में चलाना चाहता था। लेकिन धीरे-धीरे इसने खैबर पख्तूनख्वा की पश्तून आबादी की कई पुरानी स्थानीय शिकायतों का फायदा उठाना शुरू कर दिया। टी.टी.पी. एक घातक संगठन है, जिसने अकेले पिछले कुछ वर्षों में आतंकी हमलों में हजारों लोगों की जान ली है। उस पर नकेल कसने के कई प्रयास विफल होने के बाद, पाकिस्तान ने 27 फरवरी को अफगानिस्तान में बमबारी शुरू कर दी, जिसके जवाब में दूसरी तरफ से भी बमबारी की गई। काबुल ने अब तक पीछे हटने का कोई संकेत नहीं दिया है।

यूपी एसआई भर्ती परीक्षा विवाद, पंडित को अवसरवादी बताने के खिलाफ दी तहरीर

लखनऊ,(संवाददाता)। उत्तर प्रदेश पुलिस प्रोन्नति बोर्ड द्वारा आयोजित यूपी एसआई भर्ती परीक्षा में पंडित को अवसरवादी बताने वाले प्रश्न के जिम्मेदारों के खिलाफ कार्रवाई की मांग को लेकर रविवार को लखनऊ के हजरतगंज थाने में तहरीर दी गई है। तहरीर में आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की गई है। इंस्पेक्टर, हजरतगंज के मुताबिक बुलन्दशहर के रहने वाले गौ सेवक दिनेश शर्मा की तरफ से यूपी एसआई भर्ती परीक्षा में पंडित को अवसरवादी बताने के खिलाफ तहरीर दी गई है। जिसका परीक्षण कराया जा रहा है। दरअसल, वार को आयोजित परीक्षा में एक सवाल पूछा गया था कि अवसर के अनुसार बदल जाने वालों के लिए एक शब्द में उत्तर दें। इसके लिए चार विकल्प दिए गए थे- पंडित, अवसरवादी, निष्कपट और सदाचारी...। सवाल के विकल्पों में पंडित शब्द शामिल किए जाने पर आपत्ति जताई गई है। इसके बाद राज्य सरकार ने मामले का संज्ञान लेते हुए इस संबंध में जांच के निर्देश दिए हैं। वहीं मामले को गम्भीरता से लेते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सभी भर्ती बोर्ड के चेयरपर्सन्स को निर्देश दिया कि किसी भी व्यक्ति, जाति,पंथ, सम्प्रदाय की मयार्दा एवं आस्था के विषय में अमर्यादित टिप्पणी न हो। ऐसी टिप्पणी किसी भी सूरत में स्वीकार्य नहीं है।

गर्मियों में शरीर को ठंडा और हाइड्रेट रखने के लिए खाएं ये सुपरफूड्स

गर्मियों का मौसम आते ही शरीर में पानी की कमी यानी डिहाइड्रेशन का खतरा बढ़ जाता है। तेज धूप, पसीना और गर्म हवाओं के कारण शरीर से लगातार पानी और जरूरी मिनरल्स निकलते रहते हैं। ऐसे में सिर्फ पानी पीना ही काफी नहीं होता, बल्कि डाइट में ऐसे फूड्स शामिल करना भी जरूरी है जो शरीर को हाइड्रेट रखने के साथ जरूरी पोषक तत्व भी दें। अगर आपको भी गर्मियों में जल्दी थकान, चक्कर या शरीर में कमजोरी महसूस होती है, तो अपनी डाइट में ये हाइड्रेटिंग सुपरफूड्स जरूर शामिल करें।

बॉडी को हाइड्रेट रखने के लिए खाएं ये सुपरफूड्स

खस वाला पानी

गर्मियों में खस का पानी शरीर को ठंडक देने में मदद करता है। इसे घर पर आसानी से बनाया जा सकता है। इसके लिए एक लीटर पानी में खस की जड़ें डालकर कुछ घंटों के लिए छोड़ दें। बाद में इस पानी को दिनभर थोड़ा-थोड़ा पीते रहें। यह शरीर को ठंडा रखने के साथ ताजगी भी देता है।

खीरा

खीरा गर्मियों में सबसे ज्यादा खाया जाने वाला हाइड्रेटिंग फूड है। इसमें लगभग 95 प्रतिशत पानी होता है, जो शरीर को ठंडक देता है और डिहाइड्रेशन से बचाने में मदद करता है। सलाद या स्नैक के रूप में इसका सेवन करना बेहद फायदेमंद होता है।

तरबूज

तरबूज गर्मियों का सबसे लोकप्रिय और स्वादिष्ट फल है। इसमें करीब 90 प्रतिशत से ज्यादा पानी होता है, जो शरीर को हाइड्रेट रखने में मदद करता है। इसके अलावा इसमें विटामिन ए और सी भी पाए जाते हैं, जो शरीर को ऊर्जा देने में मदद करते हैं।

नारियल पानी

नारियल पानी एक नेचुरल इलेक्ट्रोलाइट ड्रिंक की तरह काम करता है। इसमें पोटैशियम, मैग्नीशियम और कैल्शियम जैसे जरूरी मिनरल्स होते हैं, जो शरीर में पानी की कमी को पूरा करते हैं। रोजाना एक गिलास नारियल पानी पीना सेहत के लिए फायदेमंद माना जाता है।

दही

दही भी गर्मियों में शरीर को ठंडक देने के साथ-साथ हाइड्रेट रखने में मदद करता है। इसमें मौजूद प्रोबायोटिक्स पाचन तंत्र को मजबूत बनाते हैं। दही खाने से पेट ठंडा रहता है और एसिडिटी जैसी समस्याओं से भी राहत मिल सकती है। गर्मियों में शरीर को स्वस्थ रखने के लिए सिर्फ पानी पीना ही काफी नहीं है। अपनी डाइट में ऐसे फूड्स शामिल करना जरूरी है जो पानी के साथ जरूरी पोषक तत्व और इलेक्ट्रोलाइट्स भी दें। खीरा, तरबूज, नारियल पानी और दही जैसे फूड्स गर्मियों में शरीर को ठंडा और हाइड्रेट रखने में मदद कर सकते हैं।

किन लोगों को इन चीजों का सेवन करने से पहले ध्यान देना चाहिए

गर्मियों में हाइड्रेटिंग फूड्स फायदेमंद होते हैं, लेकिन कुछ लोगों को इन्हें खाने से पहले थोड़ी सावधानी बरतनी चाहिए।

डायबिटीज के मरीजः तरबूज और नारियल पानी में प्राकृतिक शुगर होती है। इसलिए डायबिटीज के मरीजों को इनका सेवन सीमित मात्रा में करना चाहिए और डॉक्टर की सलाह लेना बेहतर होता है।

किडनी के मरीजः नारियल पानी में पोटैशियम अधिक होता है। जिन लोगों को किडनी से जुड़ी समस्या है, उन्हें ज्यादा मात्रा में नारियल पानी पीने से बचना चाहिए।

लो ब्लड प्रेशर वाले लोगः नारियल पानी ब्लड प्रेशर को कम करने में मदद करता है। ऐसे में जिन लोगों का ब्लड प्रेशर पहले से ही कम रहता है, उन्हें इसका सेवन सीमित मात्रा में करना चाहिए।

सर्दी-जुकाम या कमजोर पाचन वाले लोगः दही और खीरा ठंडी तासीर के होते हैं। इसलिए जिन लोगों को बार-बार सर्दी-जुकाम होता है या जिनका पाचन कमजोर है, उन्हें इनका सेवन सीमित मात्रा में करना चाहिए।

एलर्जी की समस्या वाले लोगः अगर किसी व्यक्ति को किसी खास फल या फूड से एलर्जी है, तो उसका सेवन करने से पहले डॉक्टर की सलाह जरूर लेनी चाहिए।

लोहे की अलमारी पर जंग लग रही है तो क्या करें? ये घरेलू तरीके आएंगे आपके काम

अगर आपके घर में लोहे की अलमारी है और उसपर जंग लगने लगी है तो हमारे बताए टिप्स से इस दिक्कत से छुटकारा पाएं। घर में लोहे की अलमारी लंबे समय तक सामान रखने के लिए उपयोगी होती है, लेकिन कभी-कभी इसकी सतह पर जंग लगने लगती है। ये न केवल अलमारी की खूबसूरती को प्रभावित करता है बल्कि इसे कमजोर भी बना देता है। जंग लगना आमतौर पर नमी, पानी के छींटे, या अलमारी के सतह पर धूल जमा होने के कारण होता है। यदि इसे समय रहते ठीक न किया जाए तो जंग अलमारी के दरवाजे, ताले और हिंगेस तक फैल सकती है। सही उपाय अपनाकर आप इस समस्या

से आसानी से छुटकारा पा सकते हैं। घरेलू नुस्खों से लेकर विशेष रसायनों तक, कई तरीके हैं जो लोहे की अलमारी को जंग से बचाने और साफ रखने में मदद करते हैं। इस लेख में हम आपको आसान और असरदार तरीके बताएंगे, जिन्हें अपनाकर आपकी अलमारी लंबे समय तक नई जैसी रहेगी। नींबू और नमक का मिश्रण नींबू और नमक का मिश्रण जंग हटाने के सबसे लोकप्रिय घरेलू उपायों में से एक है। नींबू का रस अम्लीय होता है, जो जंग को ढीला करता है, और नमक रगड़ने में मदद करता है। जंग वाले हिस्से पर नमक छिड़कें और नींबू का रस डालें। इसे लगभग 2झ3 घंटे रहने दें, फिर स्टील वूल या ब्रश से रगड़कर जंग हटा दें। सिरका सफेद सिरका अम्लीय होने के कारण जंग हटाने में प्रभावी है। जंग लगे हिस्से पर किसी कपड़े की मदद से सिरका लगाएं और फिर किसी कठोर ब्रश या स्क्रबर से रगड़ें। यह तरीका छोटे और बड़े दोनों तरह के जंग के लिए काम करता है। बेकिंग सोडा और पानी बेकिंग सोडा और पानी का पेस्ट बनाकर जंग वाले हिस्से पर लगाएं। इसे 30-60 मिनट के लिए छोड़ दें और फिर ब्रश या स्पंज से साफ करें। यह तरीका हल्की जंग के लिए बहुत प्रभावी है और सतह को नुकसान नहीं पहुंचाता।

चेहरे पर दिखें ये 5 संकेत तो समझ लें लिवर खतरे में है, समय रहते करें बचाव

आजकल की भागदौड़ भरी जिंदगी, अनहेल्दी खानपान और बढ़ता तनाव लिवर से जुड़ी समस्याओं को तेजी से बढ़ा रहा है। पहले जहां लिवर की बीमारी को उम्रदराज लोगों की समस्या माना जाता था, वहीं अब कम उम्र के युवाओं में भी इसके मामले बढ़ रहे हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि लिवर खराब होने से पहले शरीर कई छोटे-छोटे संकेत देता है, जो अक्सर चेहरे पर दिखाई देते हैं। अगर इन संकेतों को समय रहते पहचान लिया जाए, तो बड़ी बीमारी से बचाव संभव है।

लिवर क्यों है शरीर के लिए इतना जरूरी?

लिवर शरीर का एक महत्वपूर्ण अंग है, जो कई जरूरी कार्य करता है। यह खून को साफ करता है, शरीर से विषैले तत्वों (टॉक्सिन्स) को बाहर निकालता है और भोजन से मिलने वाले पोषक तत्वों को ऊर्जा में बदलने में मदद करता है। इसके अलावा लिवर पाचन तंत्र को मजबूत रखने और इम्यून सिस्टम को बेहतर बनाने में भी अहम भूमिका निभाता है। जब लिवर की कार्यक्षमता प्रभावित होती है, तो शरीर में टॉक्सिन्स जमा होने लगते हैं, जिसका असर त्वचा, पाचन और शरीर की ऊर्जा पर दिखाई देने लगता है।

चेहरे पर दिखने वाले ये 5 संकेत हो सकते हैं लिवर की परेशानी का इशारा

बार-बार मुंहासे या स्किन रैशेज$

अगर बिना किसी वजह के चेहरे पर बार-बार पिंपल्स, दाने या खुजली हो रही है, तो यह शरीर में टॉक्सिन्स जमा होने का संकेत हो सकता है।

चेहरे या आंखों के आसपास सूजनः आंखों के नीचे सूजन या चेहरा फूला हुआ दिखाई देना लिवर में सूजन या फैटी लिवर की समस्या का संकेत हो सकता है।

होंठ या जीभ के रंग में बदलावः होंठों का रंग गहरा या हल्का नीला दिखाई देना ब्लड सर्कुलेशन में गड़बड़ी और लिवर फंक्शन के प्रभावित होने का संकेत हो सकता है।

डार्क सर्कल और बेजान त्वचाःआंखों के नीचे काले घेरे, चेहरे की चमक कम होना और लगातार थकान महसूस होना भी लिवर की कमजोरी का संकेत हो सकता है।

त्वचा का पीला पड़नाः कुछ मामलों में त्वचा या आंखों का हल्का पीला पड़ना जॉन्डिस का शुरूआती संकेत हो सकता है, जो लिवर से जुड़ी समस्या की ओर इशारा करता है।

लिवर को स्वस्थ रखने के लिए अपनाएं ये उपाय

अपनी डाइट में हरी सब्जियां, मौसमी फल, चुकंदर, हल्दी और आंवला शामिल करें।

तला-भुना और प्रोसेस्ड फूड कम से कम खाएं।

शराब और धूम्रपान से दूरी बनाकर रखें।

रोजाना 2 से 3 लीटर पानी पिएं, ताकि शरीर से टॉक्सिन्स बाहर निकल सकें।

नियमित एक्सरसाइज करें और पर्याप्त नींद लें।

समय-समय पर हेल्थ चेकअप करवाना भी जरूरी है।

लिवर की सेहत का ध्यान रखना बेहद जरूरी है। अगर चेहरे पर ऊपर बताए गए संकेत नजर आएं, तो उन्हें नजरअंदाज करने की बजाय डॉक्टर से सलाह लेना चाहिए। समय रहते सही इलाज और लाइफस्टाइल में बदलाव करके लिवर से जुड़ी गंभीर बीमारियों से बचा जा सकता है।

क्या होता है साइलेंट ट्रीटमेंट? जानें कैसे यह आपके रिश्ते को अंदर से करने लगता है खोखला

अक्सर ये देखने को मिलता है कि कपल्स में मनमुटाव होने के बाद आपस में बातचीत बंद हो जाती है। थोड़ी देर के लिए बातचीत बंद होना सामान्य है, लेकिन अगर लंबे समय तक आपस में कोई बात नहीं हो रही है, तो ये चिंता का विषय है। आइए इस लेख में इसी के बारे में जानते हैं।

किसी भी हेल्दी रिश्ते की बुनियाद ही आपसी संवाद पर टिकी होती है। मगर अक्सर ऐसा होता है कि जब दोनों के बीच में कोई मनमुटाव होता है तो वे आपस में बात करना बंद कर देते है। इसे 'साइलेंट ट्रीटमेंट' कहा जाता है। ज्यादातर मामलों ऐसी स्थिति में एक साथी जानबूझकर दूसरे से बात करना बंद कर देता है, उसके सवालों का जवाब नहीं देता और उसे पूरी तरह नजरअंदाज करने लगता है।

मनोवैज्ञानिकों के अनुसार, साइलेंट ट्रीटमेंट अक्सर गुस्से को नियंत्रित करने के एक औजार के रूप में इस्तेमाल किया जाता है। कुछ लोगों को सुनने में यह सामान्य लग सकता है, लेकिन एक्सपर्ट्स इसे 'इमोशनल एब्यूज' का एक रूप मानते हैं।

व्यक्त करने या दूसरे व्यक्ति को

जब कोई व्यक्ति अपने पार्टनर को बिना बताए बातचीत बंद कर देता है, तो सामने वाले के मन में असुरक्षा, भ्रम और गहरी मानसिक पीड़ा जन्म लेती है। लंबे समय तक चलने वाला यह बर्ताव रिश्ते में भरोसे को खत्म कर देता है और पार्टनर के बीच एक ऐसी दीवार खड़ी कर देता है जिसे गिराना बहुत मुश्किल लगने लगता है।

भावनात्मक रूप से कैसे चोट पहुंचाता है साइलेंट ट्रीटमेंट?

साइलेंट ट्रीटमेंट का सबसे बुरा असर पार्टनर के मानसिक स्वास्थ्य पर पड़ता है। जब आपको बिना किसी स्पष्ट कारण के नजरअंदाज किया जाता है, तो मस्तिष्क के वो हिस्सा सक्रिय होने लगता है जो शारीरिक दर्द के समय होता है। यह स्थिति व्यक्ति के आत्म-सम्मान को ठेस पहुंचाती है और उसे अकेलापन महसूस कराती है। रिश्ते के खोखलेपन की शुरूआत किसी भी विवाद को सुलझाने के लिए बातचीत जरूरी है, लेकिन साइलेंट ट्रीटमेंट इस रास्ते को पूरी तरह बंद कर देता है। इससे पार्टनर के बीच 'इमोशनल कनेक्शन' कमजोर होने लगता है और वे एक ही घर में अजनबियों की तरह रहने लगते हैं। चुप्पी के कारण छोटे-छोटे मतभेद भी बड़े मानसिक तनाव का रूप ले लेते हैं। जब एक साथी अपनी भावनाओं को व्यक्त नहीं कर पाता, तो रिश्ते में कड़वाहट और दूरी अपने आप बढ़ने लगती है। का तरीका है? विशेषज्ञों का मानना है कि कई मामलों में साइलेंट ट्रीटमेंट का उपयोग 'मैनीपुलेशन' के लिए किया जाता है। इसमें चुप्पी साधने वाला व्यक्ति खुद को शक्तिशाली और दूसरे को लाचार महसूस कराने की कोशिश करता है। यह एक तरह की सजा देने जैसा है, जिससे सामने वाला व्यक्ति दबाव में आकर माफी मांगने या झुकने पर मजबूर हो जाए। यह व्यवहार रिश्ते में समानता को खत्म कर उसे टॉक्सिक बना देता है।

कैसे पता करें हमारी आंखें हेल्दी हैं या नहीं? क्या होता है 6/6 विजन, यहां जानिए सबकुछ विस्तार से

नई दिल्ली : बहुत से लोग सोचते हैं कि जब तक साफ दिखाई दे रहा है, तब तक आंखें बिल्कुल ठीक हैं। लेकिन कई गंभीर बीमारियां जैसे ग्लूकोमा या डायबिटिक रेटिनोपैथी शुरूआत में बिना लक्षण के बढ़ती हैं। 6/6 विजन को आंखों की हेल्थ का पैरामीटर माना जाता है। आंखें हमारे शरीर के सबसे महत्वपूर्ण अंगों में से एक हैं। ये अंग जितना महत्वपूर्ण है, उतना नाजुक भी होता है जिसका मतलब है कि इसे

नियमित रूप से अतिरिक्त देखभाल की जरूरत होती है। हालांकि स्वास्थ्य संस्थाएं अलर्ट करती रही हैं कि आंखों से संबंधित समस्याओं का जोखिम दुनियाभर में तेजी से बढ़ता जा रहा है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के विशेषज्ञों अनुसार दुनिया भर में करोड़ों लोग दृष्टि से संबंधित समस्याओं से जूझ रहे हैं। इनमें से बड़ी संख्या में मामलों को समय रहते जांच और इलाज से रोका जा सकता था। लोगों के बढ़ते स्क्रीन टाइम, आहार में पोषक तत्वों की कमी, डायबिटीज और ब्लड प्रेशर जैसी बीमारियों ने आंखों की समस्याओं को काफी बढ़ा दिया है। यही वजह है कि आंखों की नियमित जांच और सही देखभाल बेहद जरूरी है। आंखें हेल्दी हैं या नहीं? स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, अक्सर लोगों को लगता है कि अगर हमें साफ दिखाई दे रहा है, तो आंखें बिल्कुल ठीक हैं। हालांकि ऐसा होना जरूरी नहीं है। ग्लूकोमा या डायबिटिक रेटिनोपैथी जैसी आंखों की समस्याओं में शुरूआती दिनों में कोई खास लक्षण नहीं दिखते हैं, यही वजह है कि सभी लोगों को नियमित अंतराल पर आंखों की जांच कराते रहना चाहिए। इससे पता चल जाता है कि आंखों के भीतर सबकुछ ठीक है या नहीं? आंखों की सेहत के बारे में जानने के लिए 6/6 विजन को विशेषज्ञ पैरामीटर के तौर पर देखते हैं। 6/6 विजन होता क्या है? स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, 18-40 वर्ष के व्यक्तियों को सालाना अपनी आंखों की जांच करानी चाहिए। जिन लोगों को डायबिटीज या हाई बीपी की दिक्कत है उन्हें अपने डॉक्टर की सलाह पर ये नियमित रूप से कुछ टेस्ट कराते रहने चाहिए। अगर आपका विजन 6/6 आता है तो ये बताता है कि आपकी आंखें हेल्दी हैं। 6/6 विजन का मतलब है कि आप 6 मीटर की दूरी से वह चीज साफ देख सकते हैं, जिसे सामान्य व्यक्ति भी 6 मीटर से साफ देखता है। यह सामान्य दृष्टि का संकेत माना जाता है। आमतौर पर ऐसे लोगों को दूर की चीजें देखने के लिए चश्मे या लेंस की आवश्यकता नहीं होती।

लोगों के बेहद काम के हैं ये गैजेट्स, गैस चूल्हा की जरूरत ही नहीं पड़ेगी

एलपीजी की किल्लत के बीच अगर आपको खाना बनाने में दिक्कत आ रही है, तो यहां कुछ उपकरणों की लिस्ट दी जा रही है। देशभर में एलपीजी सिलिंडर की कमी के कारण कई घरों में खाना बनाने में परेशानी हो रही है। ऐसे में कुछ

आधुनिक और ऊर्जा-कुशल उपकरणों की मदद से आप बिना एलपीजी के भी खाना आसानी से बना सकते हैं। ये न केवल समय बचाते हैं बल्कि ऊर्जा की खपत भी कम करते हैं। यदि आप सही उपकरण चुनते हैं, तो घर पर स्वादिष्ट और स्वास्थ्यवर्धक खाना बनाना अब और भी आसान हो सकता है। इस लेख में हम आपको एलपीजी की कमी में उपयोगी होने वाले कुछ प्रमुख उपकरणों और उनके फायदे विस्तार से बताएंगे। इन्डक्शन स्टोव इन्डक्शन स्टोव आजकल सबसे लोकप्रिय गैस विकल्पों में से एक है। ये बिजली की मदद से तवे या पॉट को सीधे गर्म करता है, जिससे खाना जल्दी और समान रूप से पकता है। इसकी ऊर्जा खपत आमतौर पर पारंपरिक इलेक्ट्रिक प्लेट या गैस से कम होती है। इसपर छोटे या बड़े दोनों प्रकार के बर्तन इस्तेमाल किए जा सकते हैं। य इलेक्ट्रिक राइस कुकर राइस कुकर का इस्तेमाल केवल चावल पकाने के लिए नहीं बल्कि दाल, खिचड़ी और भाप में पकने वाले व्यंजन बनाने के लिए भी किया जा सकता है। ये समय बचाने के साथ-साथ ऊर्जा की बचत करता है क्योंकि इसमें तापमान स्वचालित रूप से नियंत्रित रहता है। माइक्रोवेव ओवन माइक्रोवेव ओवन केवल खाना गर्म करने का साधन नहीं है। इसके जरिए आप स्टिर-फ्राई, बेकिंग, ग्रिलिंग और डीफ्रॉस्टिंग भी कर सकते हैं। यह कम समय में खाना तैयार करता है और ऊर्जा की खपत भी अपेक्षाकृत कम होती है। छोटे परिवार या अकेले रहने वालों के लिए यह एक आदर्श विकल्प है।

सुन्नी डेलिगेशन की शिया उलमा से मुलाकात, खामेनेई की मौत पर जताया दुख

लखनऊ,(संवाददाता)। राजधानी लखनऊ में सुन्नी प्रतिनिधिमंडल ने शिया धर्म गुरुओं से मुलाकात की। ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत पर गहरा दुख जताया। इस दौरान मिडिल ईस्ट में हो रही जंग को लेकर चर्चा की। अमेरिका-इजराइल के साथ ईरान के युद्ध पर चिंता जताई। बैठक में भारत को अपनी स्थिति स्पष्ट करने की बात कही। प्रतिनिधि मंडल में अंसारी, तारिक सिद्दीकी, मोहम्मद खालिद, अमीक जामेई, रेहान नईम, जावेद अहमद, आसिफुजमान, हम्माम वहीद और अजीज हैदर ने शिया धर्म गुरु मौलाना सैफ अब्बास, मौलाना यासूब अब्बास मौलाना कल्बे जवाद के साथ सुन्नी धर्म गुरु मौलाना जहांगीर आलम कासमी से मुलाकात की। प्रतिनिधि मंडल ने आवासों पर जाकर मुलाकात की और ईरान में हुए हमलों में सीनियर लीडरों की शहादत पर गम का इजहार किया। प्रतिनिधि मंडल ने कहा पश्चिमी-इजराइली हमलों में सुप्रीम लीडर आयतुल्लाह खामेनेई की मौत सभी लोगों के लिए बेहद दुखद है। मानवता के दृष्टिकोण से इतना बड़ा नुकसान है कि जिसकी भरपाई नहीं हो सकती। आयतुल्लाह सिर्फ ईरान या शिया समुदाय के लीडर नहीं बल्कि पूरे मुस्लिम जगत ने उन्हें अपना लीडर स्वीकार किया है।

अभिषेक पर किस तरह भरोसा रहा कायम? गंभीर ने दिया जवाब सैमसन को प्लेइंग-11 में लेने की वजह बताई

नई दिल्ली। भारतीय टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने बताया है कि टीम प्रबंधन ने अभिषेक शर्मा का क्यों समर्थन किया। वहीं, उन्होंने संजू सैमसन को प्लेइंग-11 में जगह देने पर भी राय रखी। आइए जानते हैं गंभीर ने क्या कहा टी20 विश्व का खिताब भारतीय टीम ने जीत लिया था और अब खिलाड़ी आईपीएल 2026 की तैयारियों में जुट गए हैं। इस बीच भारतीय टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने बताया है कि लगातार रन बनाने के लिए जूझ रहे अभिषेक शर्मा पर किस तरह भरोसा कायम रहा। वहीं, कोच ने संजू सैमसन को प्लेइंग-11 में शामिल करने की वजह का खुलासा भी किया। अभिषेक टूनार्मेंट के पहले तीन मैच में खाता भी नहीं खोल पाए थे लेकिन उन्होंने इसके बाद दो अर्धशतक लगाए जिनमें फाइनल में लगाया गया अर्धशतक भी शामिल है। अभिषेक की खराब फॉर्म को देखकर यह चर्चा भी उठने लगी थी कि क्या इस सलामी बल्लेबाज को प्लेइंग-11 से बाहर बैठाया जाएगा? लेकिन टीम प्रबंधन ने अभिषेक पर भरोसा कायम रखा और फाइनल में उन्होंने अपना दिखाया जिससे टीम न्यूजीलैंड को हराकर खिताब बरकरार रखने में सफल रही। अभिषेक का बढ़ाया था मनोबल गंभीर ने अभिषेक का समर्थन करने पर कहा, आईपीएल 2014 में मेरा अनुभव उससे भी बदतर रहा था जब मैं लगातार चार मैचों में शून्य पर आउट हुआ। मैंने उससे बस इतना कहा था कि लोग आपके स्कोर देखेंगे और आपकी फॉर्म के बारे में बात करेंगे, लेकिन असल में आप खराब फॉर्म नहीं हो, बस रन नहीं बना पा रहे हैं। आपकी फॉर्म का सही आकलन तभी हो सकता है जब आप 20 से 30 गेंदें खेल चुके हों और उसने अभी तक 20 गेंदें भी नहीं खेली हैं। मैं बस यही चाहता था कि वह हर अगले मैच में पिछले मैच की तुलना में अधिक आक्रामक होकर खेले। अभिषेक को लेकर कोई संदेह नहीं था। सच कहूं तो हम सभी को टी20 विश्व कप में देश का प्रतिनिधित्व करने के लिए चुने गए प्रत्येक खिलाड़ी पर पूरा भरोसा था। गंभीर बोले- पावरप्ले में ही मैच छीन सकते हैं संजू गंभीर ने सैमसन की भी जमकर तारीफ की। आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप के अंतिम चरण में सैमसन ने शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने सेमीफाइनल और फाइनल में तूफानी अंदाज में अर्धशतक जड़कर भारत को रिकॉर्ड तीसरी बार खिताब जीतने में मदद की। गंभीर ने कहा कि जब संजू सैमसन अपनी फॉर्म में होते हैं तो वह पावरप्ले में ही विपक्षी टीम से मैच छीन सकते हैं। गंभीर ने कहा, हम जानते हैं कि संजू क्या कर सकता है। उसकी प्रतिभा और विस्फोटक बल्लेबाजी पर कभी कोई संदेह नहीं था। अगर वह लय में आ जाए तो पहले छह ओवरों में ही मैच जिता सकता है। किस तरह सैमसन को मिला मौका? सैमसन का विश्व कप से पहले न्यूजीलैंड के खिलाफ प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा था और इसलिए उन्हें आईसीसी टूनार्मेंट के शुरूआती मैचों में अंतिम एकादश में जगह नहीं मिली थी। लेकिन जिम्बाब्वे के खिलाफ करो या मरो के मैच में मौका मिलने पर सैमसन ने 15 गेंदों में 24 रन बनाकर लय हासिल की और इसके बाद अगले तीन मैच में नाबाद 97, 89 रन और 89 रन बनाए। गंभीर ने कहा, मैंने उसे जिम में यह बात बताई। दरअसल हम दोनों साथ में ट्रेनिंग कर रहे थे और मैंने उसे बस इतना बताया कि तुम जिम्बाब्वे के खिलाफ खेलोगे और उसने कहा कि ठीक है। हमारी बातचीत कुछ इसी तरह से अनौपचारिक होती है। यह किसी मुख्य कोच और खिलाड़ी के रिश्ते जैसा नहीं है। यह एक ऐसा रिश्ता है जिसमें हमारी आमने-सामने की अधिकतर बातचीत अभ्यास सत्रों के दौरान होती है।

आईसीसी अध्यक्ष जय शाह की दो टूक क्या पाकिस्तान और बांग्लादेश पर था निशाना?

मुंबई। आईसीसी अध्यक्ष जय शाह ने एक कार्यक्रम के दौरान टी20 विश्व कप से पहले हुए ड्रामे पर बात की। उन्होंने पाकिस्तान और बांग्लादेश का नाम तो नहीं लिया, लेकिन ये जरूर कहा कि कोई भी टीम संस्था से बड़ी नहीं होती है। टी20 विश्व कप 2026 अब खत्म हो चुका है और भारतीय टीम इसकी चैंपियन बनी है। लेकिन टूनार्मेंट शुरू होने से पहले बांग्लादेश और पाकिस्तान ने किस तरह रंग में भंग डालने की कोशिश की थी, ये किसी से छिपा हुआ नहीं है। अब आईसीसी अध्यक्ष जय शाह ने इशारों में इस मामले पर बयान दिया है। उन्होंने किसी का नाम नहीं लिया, लेकिन स्पष्ट रूप से कहा कि संस्था से बढ़कर कोई टीम नहीं है। सदस्य टीमों के प्रदर्शन को सराहा मुंबई में एक अवॉर्ड कार्यक्रम के दौरान शाह ने बताया किया कि कुछ टीमों की भागीदारी को लेकर पैदा हुई दुविधा ने पूरे टूनार्मेंट के भविष्य को खतरे में डाल दिया था। क्रिकेट के वैश्विक निकाय के प्रमुख के रूप में उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि कोई भी टीम संगठन से बड़ी नहीं होती। शाह ने पाकिस्तान और बांग्लादेश का नाम लिए बिना कहा, यह आईसीसी विश्व कप बहुत महत्वपूर्ण था क्योंकि टूनार्मेंट शुरू होने से पहले इस बात को लेकर काफी चर्चा थी कि कुछ टीमें भाग लेंगी या नहीं और विश्व कप का आयोजन कैसे होगा। आईसीसी अध्यक्ष के तौर पर मैं कह सकता हूं कि कोई भी टीम संगठन से बड़ी नहीं होती और कोई एक टीम संगठन नहीं बनाती। संस्था सभी टीमों का संयोजन होता है। शाह ने टी20 विश्व कप 2026 की शानदार सफलता पर भी बात की जिसने दर्शकों की संख्या के रिकॉर्ड तोड़ दिए। उन्होंने कहा, विश्व कप ने दर्शकों की संख्या के सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। कुल दर्शकों की संख्या के सारे रिकॉर्ड टूट गए। देखिए, अमेरिका ने भारत को कड़ी टक्कर दी, नीदरलैंड्स ने पाकिस्तान को परेशान किया, जिम्बाब्वे ने ऑस्ट्रेलिया को हराया और नेपाल ने इंग्लैंड को डरा दिया। मैं सभी सहयोगी टीमों को बधाई देता हूं। उन्होंने पूर्ण सदस्य टीमों के खिलाफ बहुत अच्छा प्रदर्शन किया है। भारतीय टीम को दिया संदेश जय शाह ने टी20 विश्व कप विजेता भारतीय टीम को एक महत्वपूर्ण संदेश दिया। उन्होंने कहा, सूर्यकुमार और गौतम भाई के लिए मेरा एक संदेश है, शीर्ष से नीचे गिरने में कुछ ही महीने लगते हैं, जबकि नीचे से शीर्ष तक पहुंचने में वर्षों लग जाते हैं।

क्या इस बार आईपीएल में कोई टीम पार कर सकेगी 300 का आंकड़ा? दो बार काफी करीब आकर चूकी है सनराइजर्स

नई दिल्ली। आईपीएल 2026 का सीजन शुरू होने को है। हर बार की तरह इस बार भी फैंस को रन बरसते दिखने का इंतजार है। इस लीग में अब तक कोई टीम 300 रन नहीं बना सकी है और ये देखने वाली बात होगी कि क्या इस बार ऐसा होगा? आईपीएल के 19वें सीजन का आगाज 28 मार्च से होने जा रहा है। टूनार्मेंट का पहला मुकाबला गत चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) और सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) के बीच खेला जाना है। आईपीएल में आमतौर पर बल्लेबाजों का राज रहता है और इस लीग में जमकर चौके-छक्के लगते हैं, लेकिन इस लीग में अब तक कोई भी टीम 300 रनों का आंकड़ा पार नहीं कर सकी है। हालांकि, हैदराबाद की टीम दो मौकों पर 300 रन बनाने के करीब पहुंच गई थी, लेकिन ऐसा कर नहीं सकी। आईपीएल के पिछले कई वर्षों में हैदराबाद की टीम काफी आक्रामक बल्लेबाजी करती नजर आई है। आंकड़े खुद इसकी गवाही दे रहे हैं क्योंकि आईपीएल इतिहास के चार सबसे बड़े टोटल का रिकॉर्ड इसी टीम के नाम है। आइए आपको आईपीएल इतिहास के पांच सबसे बड़े स्कोर बताते हैं... हैदराबाद के नाम सबसे बड़ा स्कोर आईपीएल इतिहास का सबसे बड़ा स्कोर बनाने का रिकॉर्ड सनराइजर्स हैदराबाद के नाम है। हैदराबाद ने 15 अप्रैल 2024 को आरसीबी के खिलाफ खेले गए मुकाबले में 20 ओवर में तीन विकेट खोकर स्कोरबोर्ड पर 287 रन लगाए थे। टीम की तरफ से ट्रेविड हेड ने बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए 41 गेंदों में 102 रनों की लाजवाब पारी खेली थी, जबकि हेनरिक क्लासन ने 31 गेंदों में 67 रन बनाए थे। सनराइजर्स ने राजस्थान को बनाया था निशाना आईपीएल में दूसरा सबसे बड़ा टोटल भी सनराइजर्स हैदराबाद ने ही बनाया है। 23 मार्च 2025 को राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ खेले गए मुकाबले में सनराइजर्स हैदराबाद के बल्लेबाजों ने चौके-छक्कों की बारिश करते हुए 20 ओवर में छह विकेट गंवाकर 286 रन बनाए थे। ईशान किशन ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 47 गेंदों में 106 रनों की लाजवाब पारी खेली थी, जबकि ट्रेविस हेड ने 67 रनों का योगदान दिया था। 25 मई 2025 को कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफ खेले गए मुकाबले में भी सनराइजर्स हैदराबाद के बल्लेबाजों ने अपनी तूफानी बल्लेबाजी से फैंस का दिल जीता था। इस मुकाबले में हैदराबाद की टीम ने 20 ओवर में तीन विकेट खोकर 278 रन बनाए थे। इस मैच में नंबर तीन पर बल्लेबाजी करने उतरे हेनरिक क्लासन ने 39 गेंदों में 105 रनों की तूफानी पारी खेली थी। वहीं, हेड ने 40 गेंदों का सामना करते हुए 76 रन बनाए थे। आपको जानकार शायद हैरानी होगी कि आईपीएल इतिहास का चौथा सबसे बड़ा स्कोर भी सनराइजर्स हैदराबाद के बल्लेबाजों ने बनाया है। 27 मार्च 2024 को मुंबई इंडियंस के खिलाफ खेले गए मुकाबले में सनराइजर्स हैदराबाद ने 20 ओवर में तीन विकेट पर 277 रन स्कोरबोर्ड पर लगाए थे। हेनरिक क्लासन ने 34 गेंदों में 80 रन बनाए थे, तो ट्रेविस हेड ने 24 गेंदों में 62 रनों की तेज तर्रार पारी खेली थी। सर्वोच्च टोटल बनाने वालों में केकेआर पांचवें स्थान पर आईपीएल में पांचवां सबसे बड़ा स्कोर कोलकाता नाइट राइडर्स ने साल 2024 में दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ खेलते हुए बनाया था। इस मुकाबले में केकेआर ने 20 ओवर में सात विकेट गंवाकर 272 रन बनाए थे। सुनील नरेन ने बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए 39 गेंदों में 85 रनों की दमदार पारी खेली थी, जबकि अंगकृष रघुवंशी ने 27 गेंदों में 54 रन बनाए थे।

देहरादून एयरपोर्ट पर नजर आए कुलदीप और वंशिका, शादी के बाद पहली बार साथ दिखे

देहरादून। हाल ही में शादी के बंधन में बंधे भारतीय टीम के कलाई के स्पिनर कुलदीप यादव पत्नी वंशिका के साथ देहरादून एयरपोर्ट पर नजर आए। कुलदीप और वंशिका की मसूरी में शादी हुई थी। भारतीय क्रिकेट टीम के स्टार स्पिनर कुलदीप यादव रविवार को देहरादून के जॉली ग्रांट एयरपोर्ट पर पत्नी वंशिका के साथ नजर आए। शादी के बाद दोनों पहली बार साथ दिखे। कुलदीप और वंशिका की शनिवार को मसूरी में शादी हुई थी। परिवार और करीबी लोगों की मौजूदगी में यह शादी बेहद खास और निजी समारोह में संपन्न हुई थी। इस विवाह समारोह में दोनों परिवारों के सदस्य, करीबी दोस्त और क्रिकेट जगत से जुड़े कुछ खास मेहमान शामिल हुए। शादी की तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर भी तेजी से वायरल हो रही हैं। कई क्रिकेटर हुए थे शामिल शादी के अगले दिन कुलदीप पत्नी वंशिका के साथ एयरपोर्ट पर दिखे और इस दौरान कुलदीप की मां भी उनके साथ थीं। कुलदीप और वंशिका की शादी में क्रिकेट जगत के कई बड़े सितारे भी शामिल हुए। भारतीय टीम के पूर्व खिलाड़ी मोहम्मद कैफ, स्पिनर युजवेंद्र चहल और पूर्व दिग्गज बल्लेबाज सुरेश रैना समेत कई क्रिकेटरों ने समारोह में शिरकत की। शादी के दौरान मेहमानों ने जमकर मस्ती की और संगीत कार्यक्रम में डांस-म्यूजिक का भी खूब रंग जमा। परिवार और दोस्तों के साथ क्रिकेट सितारों ने नवदंपती को शुभकामनाएं दीं, जिससे पूरा माहौल जश्न और खुशी से भर गया। पिछले साल हुई थी सगाई कुलदीप और वंशिका की सगाई 4 जून 2025 को लखनऊ के एक होटल में हुई थी। इस निजी समारोह में दोनों परिवारों के अलावा कुलदीप के करीबी दोस्त मौजूद थे। कार्यक्रम में भारतीय क्रिकेटर रिंकू सिंह की मंगेतर और सांसद प्रिया सरोज भी शामिल हुई थीं। कौन हैं वंशिका? वंशिका चड्ढा कानपुर के श्यामनगर लालबंगला इलाके की रहने वाली हैं।

पूर्व पाकिस्तानी कप्तान सरफराज अहमद ने लिया संन्यास, टेस्ट टीम में मिल सकती है बड़ी जिम्मेदारी

नई दिल्ली। पाकिस्तान के पूर्व कप्तान सरफराज अहमद ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के सभी प्रारूपों से संन्यास लेने की घोषणा कर दी। पाकिस्तान के पूर्व कप्तान सरफराज अहमद ने रविवार को क्रिकेट के सभी प्रारूपों से संन्यास लेने की घोषणा कर दी। विकेटकीपर-बल्लेबाज सरफराज पाकिस्तान के उन चुनिंदा कप्तानों में शामिल हैं जिन्होंने भारत के खिलाफ दो बड़े आईसीसी टूनार्मेंट फाइनल जीते थे। सरफराज ने अपना आखिरी अंतरराष्ट्रीय मैच दिसंबर 2023 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पर्थ में टेस्ट के रूप में खेला था। उन्होंने अपने संन्यास का एलान पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) द्वारा जारी बयान के माध्यम से किया। संन्यास के बाद मिल सकती है बड़ी जिम्मेदारी सूत्रों के अनुसार, औपचारिक संन्यास के बाद पीसीबी उन्हें पाकिस्तान की टेस्ट टीम का लंबे समय के लिए हेड कोच नियुक्त कर सकता है। फिलहाल टेस्ट टीम के मुख्य कोच का पद खाली है, क्योंकि पिछले साल बोर्ड ने अंतरिम हेड कोच रहे अजहर महमूद का अनुबंध समाप्त कर दिया था। मई में 39 वर्ष के होने वाले सरफराज को हाल ही में राष्ट्रीय चयन समिति का सदस्य भी बनाया गया था। इसके साथ ही उन्हें पाकिस्तान अंडर-19 और शाहीन्स टीम का मेंटर और मैनेजर भी नियुक्त किया गया है। किन पलों को बताया यादगार? कराची में जन्मे सरफराज ने अपने बयान में कहा कि पाकिस्तान की कप्तानी करना उनके लिए एक सपना था। उन्होंने कहा कि आईसीसी अंडर-19 क्रिकेट विश्व कप 2006 और आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2017 जीतना उनके करियर के सबसे यादगार पल हैं। सरफराज अहमद ने पाकिस्तान के लिए 54 टेस्ट, 117 वनडे और 61 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले और तीनों प्रारूपों में मिलाकर 100 अंतरराष्ट्रीय मैचों में टीम की कप्तानी भी की। उन्होंने कहा कि अपने करियर के दौरान उन्होंने हमेशा निडर क्रिकेट खेलने और टीम में एकता बनाए रखने की कोशिश की।

किस तरह आक्रमक होकर खेलने के लिए प्रेरित हुए सैमसन?

नई दिल्ली। भारतीय टीम के सलामी बल्लेबाज संजू सैमसन ने टी20 विश्व कप में आक्रमक शैली अपनाने पर बात रखी। उन्होंने यह भी कहा कि शुरूआत में प्लेइंग-11 में जगह नहीं बना पाने के कारण वह पूरी तरह टूट गए थे। टी20 विश्व कप में भारत को मिली खिताबी जीत में अहम योगदान देने वाले संजू सैमसन एक समय प्लेइंग-11 में जगह बनाने के लिए संघर्ष कर रहे थे। लेकिन उन्होंने खुद को मिले मौके का फायदा उठाया। सैमसन ने विश्व कप के दौरान आक्रमक खेल का प्रदर्शन किया और आखिरी तीन मैचों में तीन अर्धशतक लगाए। सैमसन को यह अच्छी तरह पता था कि प्लेइंग-11 में जगह बनाने के लिए उन्हें अपने ही साथियों से मुकाबला करना पड़ेगा और वह इस कारण थोड़े हिचकिचा भी रहे थे। न्यूजीलैंड सीरीज के बाद प्लेइंग-11 से हुए थे बाहर विश्व कप से पहले भारत ने न्यूजीलैंड के खिलाफ पांच मैचों की टी20 सीरीज खेली थी जिसमें सैमसन का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा था। संजू ने माना कि प्लेइंग-11 में जगह नहीं मिल पाने की वजह से वह पूरी तरह से टूट गए थे। सैमसन ने एक कार्यक्रम में कहा, मैं उस तरह का इंसान हूं जो अपने लिए अच्छा करने के बजाय दूसरों के लिए ज्यादा अच्छा करता है। न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीजला में मैं टीम में जगह बनाने के लिए अपने ही साथियों से मुकाबला कर रहा था और मुझे यह बिल्कुल भी सहज नहीं लग रहा था। मैं बहुत ज्यादा बेचैन था क्योंकि मुझे पता था कि मेरा सपना अब बहुत करीब है। लेकिन टीम अलग-अलग संयोजन आजमा रही थी तो टीम में हूं या नहीं, उस समय मेरे मन में इसी तरह के ख्याल चल रहे थे। संजू ने कहा, मैं पूरी तरह से टूट गया था क्योंकि मेरा सपना विश्व कप जीतना था। मैं तो टीम की शुरूआती एकादश में भी शामिल नहीं था। इसलिए मैं असल में पांच छह दिनों के लिए सबसे दूर चला गया था और मैंने खुद को फिर से संभालना शुरू किया। मैंने खुद को तैयार करना शुरू कर दिया था, यह जानते हुए कि आपको कभी नहीं पता कि खेल आपको बदले में क्या देगा। सैमसन बोले- आईसीसी ट्रॉफी जीतना था लक्ष्य संजू को यह बहुप्रतीक्षित मौका चेन्नई में जिम्बाब्वे के खिलाफ भारत के सुपर आठ मैच के दौरान मिला। 31 वर्षीय खिलाड़ी ने बहुत ज्यादा रन नहीं बनाए, लेकिन उन्हें टीम प्रबंधन से यह भरोसा मिला कि वह अगले चार मैच में प्लेइंग-11 में शामिल रहेंगे। उन्होंने कहा, मुझे पता था कि टीम प्रबंधन को मुझ पर भरोसा है। जिम्बाब्वे मैच से ही, हमें चार में से चार मैच जीतने थे और टीम को मेरी जरूरत थी।

भरोसा है कि यह महज शुरूआत है, आईसीसी टूनार्मेंट्स में भारतीय टीमों की जीत पर बोले रोहित

मुंबइ। भारतीय टीम के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा को भरोसा है कि आने वाले दिनों में भारत की पुरुष और महिला टीमें आईसीसी खिताब जीतने का सिलसिला जारी रखेंगी। भारतीय टीम के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा ने भरोसा जताया है कि आईसीसी टूनार्मेंट्स में भारत की पुरुष और महिला टीमें खिताबी जीत की लय को आगे भी बरकरार रखेंगी। भारत ने हाल में आईसीसी टूनार्मेंटों में लगातार सफलता हासिल की है। 2024 में रोहित शर्मा की कप्तानी में टीम ने आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप जीता। इसके बाद 2025 में हरमनप्रीत कौर की कप्तानी में महिला टीम ने पहली बार आईसीसी महिला क्रिकेट विश्व कप का खिताब जीता। इसी साल महिला अंडर-19 टीम ने भी आईसीसी अंडर-19 महिला टी20 विश्व कप अपने नाम किया। इतना ही नहीं 2025 में भारतीय पुरुष टीम ने रोहित की अगुआई में चैंपियंस ट्रॉफी भी अपने नाम की थी। भारत ने दो वर्ष में जीती हैं छह ट्रॉफी भारत की 2026 की शुरूआत भी शानदार रही। भारत ने रिकॉर्ड छठी बार आईसीसी अंडर-19 क्रिकेट विश्व कप जीता, जबकि सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में सीनियर टीम ने रिकॉर्ड तीसरी बार आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप अपने नाम किया। रोहित ने एक कार्यक्रम में कहा कि पिछले कुछ वर्षों में भारतीय क्रिकेट टीमों की उपलब्धियां देखकर उन्हें बहुत गर्व होता है। उन्होंने कहा कि पुरुष टीम के साथ-साथ महिला टीम का विश्व कप जीतना भी शानदार पल था। रोहित ने कहा, पिछले कुछ वर्षों से हम जो कुछ भी देख रहे हैं, उसे देखकर मुझे बहुत खुशी और गर्व महसूस हो रहा है। शानदार प्रदर्शन करना और जो हमने हासिल किया है, उसे पाना, न सिर्फ पुरुष टीम ने, बल्कि महिला टीम ने भी विश्व कप जीतकर जो कमाल किया, उसे देखना वाकई शानदार था। रोहित को आगे भी खिताब जीतने का भरोसा मुंबई के इस खिलाड़ी ने उम्मीद जताई कि भारत के खाते में अभी और भी वैश्विक खिताब आने बाकी हैं। रोहित ने कहा, हाल में पुरुष टीम ने जो किया, वह असाधारण था। मुझे उम्मीद है कि यह तो बस शुरूआत है। अब यहां से पीछे मुड़कर देखने की कोई जरूरत नहीं है क्योंकि एक बार जब आपको वह लय मिल जाती है तो यह जारी रहती है। हम अक्सर लय के बारे में बात करते हैं। अब पुरुष और महिला, दोनों ही टीमों के पास वह लय मौजूद है। बस यही उम्मीद है कि हम इस लय को आगे भी बनाए रखें। भारत के पूर्व कप्तान ने उन लोगों की भी जमकर तारीफ की जो इस सफलता को मुमकिन बनाने के लिए पर्दे के पीछे रहकर काम करते हैं। उन्होंने कहा, सफलता का कोई राज नहीं होता। यह सब कड़ी मेहनत का नतीजा है। पुरुष और महिला, दोनों ही टीमों ने आज जो कुछ भी हासिल किया है, उसके लिए उन्होंने सचमुच बहुत कड़ी मेहनत की है। बेशक, यह सिर्फ उन खिलाड़ियों के बारे में नहीं है जो मैदान पर प्रदर्शन करते हैं, बल्कि पर्दे के पीछे भी बहुत से लोग हैं जिन्होंने इस सफलता के लिए बहुत कड़ी मेहनत की है, ताकि टीम सफल हो सके। बहुत से लोगों और स्टाफ को धन्यवाद देना है।

कोचिंग स्टाफ के बाद कोलकाता नाइट राइडर्स का कप्तान भी बदलेगा? क्या अजिंक्य रहाणे से छिन जाएगी कमान

कोलकाता। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) की टीम पिछले सीजन अजिंक्य रहाणे की कप्तानी में उतरी थी। लेकिन टीम का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा था और वह प्लेऑफ के लिए भी क्वालिफाई नहीं कर सकी थी। आईपीएल 2026 का सीजन शुरू होने वाला है और तीन बार की चैंपियन कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) ने भी इसके लिए कमर कस ली है। केकेआर की कमान अजिंक्य रहाणे के हाथों में है जो फिलहाल फॉर्म में नहीं चल रहे हैं। केकेआर ने अपने कोचिंग सेटअप में बदलाव किया है, लेकिन इस बारे में भी चर्चा शुरू हो गई है कि क्या टीम इस बार नए कप्तान की अगुआई में उतरेगी? श्रेयस की जगह बने थे कप्तान रहाणे को श्रेयस अय्यर की जगह केकेआर का कप्तान नियुक्त किया गया था और मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, वह इस सीजन भी कप्तान बने रहेंगे। बताया जा रहा है कि शाहरुख खान की मालिकाना हक वाली केकेआर टीम ने रहाणे को ही कप्तान बनाए रखने का फैसला किया है। केकेआर प्रबंधन का मानना है कि कप्तान के तौर पर रहाणे सही हैं और उनके पास अच्छा अनुभव है। पिछले सीजन खराब रहा था प्रदर्शन केकेआर का प्रदर्शन पिछले सीजन खराब रहा था और टीम खिताब का बचाव नहीं कर सकी थी। रहाणे की कप्तानी में केकेआर ने पिछले सीजन 13 मैच खेले थे और पांच मुकाबले ही जीत सकी थी। रहाणे ने अपनी बल्लेबाजी से दम दिखाया था और वह पिछले सीजन केकेआर के लिए सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज थे। कोलकाता के लिए रहाणे तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए उतरे थे और माना जा रहा है कि इस बार भी वह इसी स्थान पर बल्लेबाजी के लिए उतरेंगे। यह देखना दिलचस्प होगा कि केकेआर के लिए इस सीजन कौन ओपनिंग करेगा। केकेआर की टीम ने इस बार न्यूजीलैंड के फिन एलेन, टिम सीफर्ट और रचिन रवींद्र के साथ करार किया है। वहीं, टीम के पास ऑस्ट्रेलिया के ऑलराउंडर कैमरन ग्रीन भी मौजूद हैं। केकेआर के स्टार स्पिनर सुनील नरेन पर एक बार फिर नजरें होंगी जो बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों से टीम के लिए योगदान देते हैं। केकेआर अपने अभियान की शुरूआत 25 मार्च को मुंबई इंडियंस के खिलाफ करेगी। हर्षित की चोट ने बढ़ाई चिंता आईपीएल का आगामी सीजन शुरू होने से पहले तेज गेंदबाज हर्षित राणा की चोट ने केकेआर की चिंता बढ़ा दी है। हर्षित राणा अभी फिट नहीं हो सके हैं जिस कारण उनका टूनार्मेंट में खेलना संदिग्ध है। हर्षित को टी20 विश्व कप में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अभ्यास मैच के दौरान चोट लगी थी और तभी से वह मैदान से बाहर चल रहे हैं। हर्षित को घुटने में चोट लगी है और इससे पूरी तरह उबरने के लिए उन्हें रिहैब की जरूरत है।

बहाल आईएएस अफसर अभिषेक प्रकाश को मिली तैनाती, बने सचिव सामान्य प्रशासन

लखनऊ,(संवाददाता)। रिश्वत के आरोप के कारण एक वर्ष तक निलंबित रहे आईएएस अफसर अभिषेक प्रकाश को लगभग एक वर्ष बाद निलंबन से बहाल किया गया। शनिवार को उनके निलंबन से बहाल होने के बाद रविवार को उत्तर प्रदेश शासन ने उनकी तैनाती का आदेश जारी कर दिया है। प्रदेश सरकार ने आईएएस अफसर अभिषेक प्रकाश को बहाल कर दिया है। इन्हें सचिव सामान्य प्रशासन बनाया गया है। शनिवार को बहाली को लेकर नियुक्ति विभाग ने आदेश जारी कर दिया था। 15 मार्च से उनकी बहाली के बाद तैनाती का भी आदेश जारी हो गया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से सबसे प्रतिष्ठापरक प्रोजेक्ट इन्वेस्ट यूपी के सीईओ रहे 2006 बैच के आईएएस अधिकारी अभिषेक प्रकाश को रिश्वत मांगने के गंभीर आरोप में निलंबित किया गया था। उन पर सोलर कंपनी से प्रोजेक्ट मंजूरी के बदले घूस मांगने का आरोप था। इसके बाद प्रदेश सरकार ने उन्हें 20 मार्च 2025 को निलंबित कर दिया था। फरवरी 2026 में साक्ष्य के अभाव में इलाहाबाद हाई कोर्ट की लखनऊ बेंच ने मामले में चार्जशीट रद कर दी थी।अभिषेक प्रकाश15 मार्च से दोबारा सेवा में लौटेंगे, लेकिन उन्हें अभी भी विभागीय जांच का सामना करना होगा।

एक्टिंग नहीं कर सकती इसलिए कपड़े ही उतार दिए

जरीन खान बताया कैसे दिखाया गया नीचा ?अक्सर 2 के डायरेक्टर की भी खोली पोल

सलमान खान की फिल्म वीर से बॉलीवुड डेब्यू करने वाली एक्ट्रेस जरीन खान भले ही इन दिनों फिल्मों से दूर हैं, लेकिन अक्सर वह सोशल मीडिया पर चर्चा में रहती हैं। वहीं, हाल ही में जरीन खान ने फिल्म हेट स्टोरी 3 और अक्सर 2 के बारे में पोल खोली और बताया कि इसमें उनके काम की जमकर आलोचना हुई थी और उनकी एक्टिंग पर सवाल भी उठाए गए थे। हाल ही में पूजा भट्ट की तरफ से होस्ट एक पॉडकास्ट में फिल्म हेट स्टोरी 3 के बारे में बताया। उन्होंने बताया कि हेट स्टोरी 3 के बाद फिल्म इंडस्ट्री में लोग मुझे नीची नजरों से देखने लगे थे। वो कहते थे कि ये एक्टिंग नहीं कर सकती इसलिए उसने कपड़े ही उतार दिए। हेट स्टोरी 3 की सफलता के बाद उन्हें अक्सर 2 के लिए अप्रोच किया गया था। इसके बारे में एक्ट्रेस ने बताया कि उन्हें पहले इस मूवी के बारे में जो कहानी बताई गई थी, वो बिलकुल हेट स्टोरी 3 के जैसे नहीं थी। एकदम अलग थी। लेकिन जब शूटिंग शुरू हुई तो उन्होंने देखा कि कई किसिंग सीन्स और रिवीलिंग कॉस्ट्यूम्स शामिल थे। जब मैं सेट पर पहुंची तो लगभग हर दूसरे सीन की एंडिंग किसिंग सीन पर थी या फिर अचानक से मुझे ब्रा या वैसी ही कोई दूसरी चीज पहनने के लिए कह दिया जाता था। एक्ट्रेस ने खुलासा किया कि उन्हें ऐसे सीन्स करने में कोई दिक्कत नहीं थी लेकिन जब उन्होंने मूवी के लिए हां कहा था तो उसमें ये सारी चीजें नहीं बताई गई थीं। मैंने मेकर्स से कहा कि ये सब करने में मुझे कोई परेशानी नहीं लेकिन आपने मुझे ये सब नहीं बताया था। आप हेट स्टोरी देखकर ये सब इसमें एड कर रहे हैं। बाद में मुझे पता चला कि डायरेक्टर थाली का बैंगन का था। वह प्रोड्यूसर को कुछ कहानी बताता और मुझे और मेरे कॉस्ट्यूम्स डिजाइनर को कुछ और।जरीन ने कहा कि फिल्म के पूरे होने तक इतना तनाव बढ़ गया था कि इसकी स्क्रीनिंग पर मुझे ही इन्वाइट नहीं किया गया था। मेरे बारे में ऐसा कह दिया गया कि इसके साथ काम नहीं किया जा सकता। आखिर में जरीन खान ने बताया कि बाद में उनके मेकर्स ने हर सीन में ब्रा वाला सीन, किसिंग सीन या कुछ और रिवीलिंग करने को कहा था। ऐसा उन लोगों ने सिर्फ इसलिए किया क्योंकि मैंने पहली फिल्म में ये सीन्स किए थे। जो कि सही नहीं। मैं ज्यादा ड्रामे करने वाली इंसान नहीं हूं। मुझे पता है कि लोगों का पैसा लगा हुआ है इसलिए मैं बीच का रास्ता निकालने का प्रयास करती हूं।

प्रियंका चोपड़ा की मां ने चेहरे पर लगाए बोटॉक्स के इंजेक्शन, फैंस को दी ट्रीटमेंट से जुड़ी खास जानकारी

ग्लोबल स्टार प्रियंका चोपड़ा की मां मधु चोपड़ा भले ही फिल्मों में नजर नहीं आईं, लेकिन वो सोशल मीडिया पर भी काफी एक्टिव रहती हैं और मुंबई के जुहू में ।मेजीमजपुनम नामक क्लिनिक चलाती हैं। वहीं, हाल ही में प्रियंका की मां ने एक वीडियो शेयर किया, जिसमें उन्होंने अपने चेहरे पर बोटॉक्स इंजेक्शन लगाने का पूरा प्रोसेस दिखाया। साथ ही बोटॉक्स के बारे में पूरी जानकारी दी। प्रियंका चोपड़ा की मां मधु ने इंस्टाग्राम जो वीडियो शेयर किया, उसमें वह पहले अपने चेहरे पर छोटे-छोटे डॉट बनाकर उन जगहों को दिखाती हैं, जहां बोटॉक्स लगाना चाहिए। इसके बाद वह धीरे-धीरे आंखों के ऊपर, माथे और चिन के पास इंजेक्शन लगाती हैं। उन्होंने बताया कि यह प्रक्रिया उतनी दर्दनाक नहीं होती, जितना लोग सोचते हैं और इसका असर आमतौर पर 3 से 4 दिन में दिखता है। आगे मधु चोपड़ा ने जानकारी देते हुए बताया कि लोगों में सबसे बड़ा भ्रम यह है कि बोटॉक्स कराने के बाद चेहरा बिल्कुल फ्रीज या प्लास्टिक जैसा दिखने लगता है। ऐसा तभी होता है जब यह किसी इनएक्सपिरिएंस्ड इंसान से कराया जाए। अगर सही डॉक्टर सही मात्रा में बोटॉक्स लगाए, तो चेहरा नेचुरल और फ्रेश ही दिखता है।

इसके साथ ही मधु चोपड़ा ने सलाह दी कि चेहरे से जुड़े किसी भी ट्रीटमेंट में जल्दबाजी या रिस्क नहीं लेना चाहिए। हमेशा किसी अनुभवी डॉक्टर से ही बोटॉक्स या अन्य ट्रीटमेंट कराना चाहिए। वहीं, प्रियंका चोपड़ा के काम की बात करें तो इन दिनों वह अपनी हालिया रिलीज हुई फिल्म द ब्लॉफ को लेकर चर्चा में हैं। फिल्म में एक्ट्रेस की खतरनाक एक्टिंग की हर कोई तारीफ कर रहा है।

सगाई के करीब 6 महीने बाद सामने आया पवित्रा पुनिया के मंगेतर का चेहरा, समंदर के बीचों-बीच प्यार में खोया दिखा कपल

एक्ट्रेस पवित्रा पुनिया ने करीब 6 महीने पहले अपनी सगाई की घोषणा की थी। एक्ट्रेस ने प्यार की बाहों में लिपटे हुए कई तस्वीरें शेयर की थीं, जो इंटरनेट पर खूब सुर्खियों में रही थीं। वहीं, अब सगाई की घोषणा के बाद पहली बार पवित्रा के मंगेतर का चेहरा सामने आया है, जिसकी तस्वीरें देख फैंस खूब कमेंट करते नजर आ रहे हैं। पवित्रा पुनिया के मंगेतर जसकोमल सिंह ने 12 मार्च को अपने इंस्टाग्राम पर कुछ रोमांटिक तस्वीरें शेयर कीं और अपना परिचय दिया। तस्वीरों के साथ उन्होंने लिखा, जैसे ही सूरज डूबा, हमारा हमेशा का सफर शुरू हुआ।

शेयर की गई इन तस्वीरों में देखा जा सकता है कि दोनों एक दूसरे की बांहों में सरेंडर किए नजर आ रहे हैं। पहली फोटो में, दोनों समंदर किनारे एक-दूसरे को किस करते हुए नजर आ रहे हैं। एक फोटो में पवित्रा, जसकोमल का हाथ पकड़े घुटनों के बल बैठी दिखाई दे रही हैं। एक फोटो में जसकोमल शैम्पेन की बोतल खोलकर जश्न मनाते नजर आ रहे हैं। वहीं, अन्य एक तस्वीर में जसकोमल पवित्रा को सगाई की रिंग पहनाते दिख रहे हैं। बता दें, पवित्रा पुनिया के मंगेतर जसकोमल एक बिजनेसमैन हैं और संगीत से काफी प्यार करते हैं। वहीं, पिछले साल पवित्रा ने अपने मंगेतर के बारे में एक इंटरव्यू में बताया था कि वह अमेरिका के एक बिजनेसमैन हैं, एक्टर बिल्कुल नहीं है। एक अद्भुत और दयालु इंसान। हम काफी समय से साथ हैं और हमें यह रिश्ता सही लगता है।

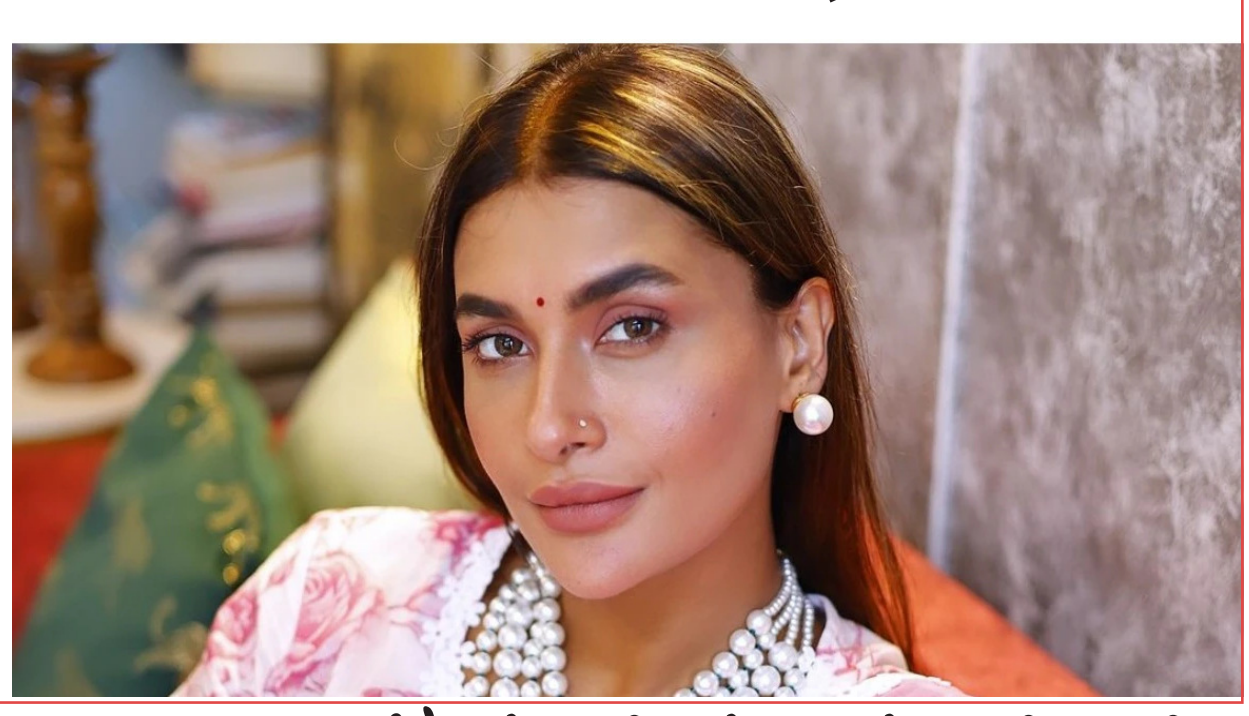

मां सोनी राजदान-ननद रिद्धिमा कपूर ने आलिया भट्ट को दी जन्मदिन की बधाई, बताया उन्हें 'आलू पाई' और 'स्वीटहार्ट'

आज आलिया भट्ट अपना 33वां जन्मदिन मना रही हैं। इस खशी के मौके पर उनकी मां सोनी राजदान और ननद रिद्धिमा कपूर ने आलिया भट्ट को जन्मदिन की शुभकामनाएं देते हुए सोशल मीडिया पर एक प्यारा पोस्ट शेयर किया है। आलिया भट्ट का आज 33वां जन्मदिन है। यही वजह है कि हाल ही में

अपने बिजी शेड्यूल से थोड़ा वक्त निकालकर आलिया और रणबीर कपूर जन्मदिन मनाने के लिए हांगकांग पहुंच गए हैं। आज आलिया के जन्मदिन पर सोशल मीडिया पर उनके परिवार और फैंस उन्हें जन्मदिन की शुभकामनाएं दे रहे हैं। उनकी मां सोनी राजदान और ननद रिद्धिमा कपूर साहनी ने उनके लिए प्यार भरा पोस्ट शेयर किया है। मां सोनी ने दी आलिया को जन्मदिन की बधाई आलिया भट्ट आज 15 मार्च को अपना जन्मदिन मना रही हैं। आज वह 33 साल की हो गई हैं। इस खास मौके पर आलिया को उनके परिवार वाले, दोस्त और फैंस प्यारी पोस्ट के जरिए उन्हें जन्मदिन की शुभकामनाएं दे रहे हैं। उनकी मां सोनी राजदान ने इंस्टाग्राम पर बधाई दी। सोनी ने बेटी आलिया के साथ एक प्यारी तस्वीर शेयर की और लिखा, 'हैप्पी बर्थडे स्वीटहार्ट।' इसके अलावा सोनी ने इंस्टाग्राम पर आज आलिया की कई तस्वीरें शेयर कर उन्हें जन्मदिन की बधाई दी है। सोनी ने कैप्शन में लिखा, 'हमारी प्यारी बेटी, जान और लाडली को जन्मदिन की ढेर सारी शुभकामनाएं। तुम बहुत उदार, दयालु और प्यार करने वाली हो और हमेशा से ऐसी ही रही हो। तुम्हें भी बहुत सारी खुशियां, प्यार और अच्छाई मिले। जिन-जिन लोगों के जीवन में तुम आती हो, उन्हें हमेशा प्रेरणा देती रहे। तुम्हारा परिवार हमेशा बड़ा और खुशहाल रहे। तुम्हें चांद-तारों तक और उससे भी आगे बहुत-बहुत प्यार।' ननद रिद्धिमा कपूर ने दी बधाई आलिया की ननद और रणबीर कपूर की बहन रिद्धिमा कपूर साहनी ने भी उन्हें न्मदिन की बधाई दी। रिद्धिमा ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर आलिया और शाहीन भट्ट के साथ एक प्यारी तस्वीर शेयर की। इस तस्वीर के साथ उन्होंने कैप्शन में लिखा, 'जन्मदिन की बहुत-बहुत शुभकामनाएं मेरी आलू पाई। लव यू।' 'अल्फा' और 'लव एंड वॉर' में नजर आएंगी आलिया आलिया इन दिनों अपनी आने वाली फिल्मों को लेकर काफी चर्चा में हैं। वह जल्द ही जासूसी एक्शन फिल्म 'अल्फा' में दिखेंगी। यह 'रँ फ्रंक्रें२ के स्पाई यूनिवर्स की फिल्म है, जिसमें शरवरी वाघ और बॉबी देओल भी हैं। इसकी रिलीज डेट 10 जुलाई 2026 है। इसके अलावा, संजय लीला भंसाली की फिल्म 'लव एंड वॉर' में आलिया पति रणबीर कपूर और अभिनेता विक्की कौशल के साथ नजर आएंगी। यह एक रोमांटिक और ड्रामा वाली फिल्म होगी।

शादी की दूसरी सालगिरह पर कृति खरबंदा ने शेयर की 10 खास तस्वीरें

पति पुलकित के लिए लिखा प्यारा सा नोट

एक्ट्रेस कृति खरबंदा ने पति पुलकित सम्राट के साथ अपनी शादी के 2 साल पूरे होने पर सोशल मीडिया पर बेहद खास पोस्ट शेयर किया है। जानिए उन्होंने इस खास मौके पर क्या कुछ लिखा है। कृति ने पति पुलकित सम्राट के साथ अपनी शादी के 2 साल पूरे होने पर 10 तस्वीरों की एक सीरीज पोस्ट की, जिसमें दोनों की जिंदगी के खूबसूरत

पलों की झलक देखने को मिली। इन तस्वीरों के साथ उन्होंने दिल छू लेने वाला कैप्शन भी लिखा। आइए एक-एक कर जानते हैं उन्होंने अपने प्यार के लिए क्या लिखा है। तुम मुझसे शादी करोगी पुलकित ने कभी मुझसे यह नहीं पूछा कि क्या तुम मुझसे शादी करोगी? यह हमेशा एक स्टेटमेंट था। उन्होंने कहा था, तुम मुझसे शादी करोगी। शायद अंदर से हम दोनों हमेशा से जानते थे। हम आखिरकार पति-पत्नी बन गए शायद हमारी जिंदगी का सबसे भावुक और खास पल! हम आखिरकार पति-पत्नी बन गए। यकीन मानिए, इससे बेहतर एहसास कोई नहीं होता। किसी का होना और किसी से जुड़ जाना। यह हमारे साथ हुई सबसे खूबसूरत चीज है। हमें भारतीय शादियां बहुत पसंद हैं अगर सेलिब्रेट करना है, तो अपने सबसे पसंदीदा लोगों के साथ ही क्यों न किया जाए। परिवारों का एक साथ आना और खुशियां मनाना उफ्फ! हमें भारतीय शादियां बहुत पसंद हैं। आई लव यू वो पल जब हमने पहली बार आई लव यू कहा था। पुलकित की तरफ से सबसे खास गिफ्ट जब मैं दुल्हन बनकर घर आई, तो मुझे बहुत सारा प्यार और कई गिफ्ट मिले लेकिन सबसे खास गिफ्ट पुलकित की तरफ से था। एक चार्म ब्रेसलेट, जो उनके परिवार की महिलाओं के गहनों के छोटे-छोटे हिस्सों से बनाया गया था। उनकी मां, नानी, दादी और बहनों के गहनों से। उनके परिवार की विरासत का एक छोटा सा हिस्सा, जो मेरी कलाई पर है। यह मेरे लिए अब तक का सबसे खास तोहफा है।

पति राघव संग थाईलैंड में शादी अटेंड करने पहुंची परिणीति चोपड़ा, बैंकॉक में बिताए फुर्सत के पल, शेयर की तस्वीरें

बॉलीवुड एक्ट्रेस परिणीति चोपड़ा बेटे के जन्म के बाद उसकी परवरिश और अपनी फैमिली पर ध्यान दे रही हैं। उन्हें अक्सर बेटे नीर और पति राघव चड्ढा संग क्वालिटी टाइम स्पैंड करते देखा जाता है। वहीं, हाल ही में परिणीति अपने पति संग थाईलैंड में एक पारिवारिक शादी में शामिल होने पहुंची। इस दौरान उन्होंने सिर्फ शादी के कार्यक्रमों का हिस्सा लिया, बल्कि बैंकॉक में कुछ फुर्सत के पल भी बिताए। कपल की इस यात्रा की कई तस्वीरें सोशल मीडिया पर सामने आई हैं, जिन्हें फैंस काफी पसंद कर रहे हैं। परिणीति चोपड़ा ने अपनी छुट्टियों और शादी समारोह की झलकियां सोशल मीडिया पर शेयर कीं। तस्वीरों में दोनों बेहद खुश और रिलैक्स नजर आ रहे हैं। एक तस्वीर में परिणीति और राघव रंग-बिरंगे बैकग्राउंड के सामने पोज देते दिखाई दे रहे हैं। इस दौरान दोनों का स्टाइलिश अंदाज भी देखने लायक है। परिणीति द्वारा शेयर की गई तस्वीरों में एक खास फोटो भी है, जिसमें वह राघव चड्ढा और उनकी मां के साथ नजर आ रही हैं। इससे साफ है कि इस यात्रा के दौरान कपल ने परिवार के साथ भी अच्छा समय बिताया। कपल ने घूमने-फिरने के साथ वहां के खाने का भी आनंद

लिया और फिर शादी के कार्यक्रमों में शामिल हुए। परिणीति के बाद राघव चड्ढा ने भी अपनी इस यात्रा की कुछ तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर कीं। उन्होंने मजाकिया अंदाज में लिखा कि परिणीति ने पहले तस्वीरें पोस्ट कर दी थीं, लेकिन उनके फोन में कुछ और अच्छी तस्वीरें थीं, इसलिए वह दूसरा हिस्सा शेयर कर रहे हैं। राघव द्वारा पोस्ट की गई तस्वीरों में कपल कभी वेस्टर्न आउटफिट में तो कभी पारंपरिक परिधानों में नजर आ रहा है। हर तस्वीर में दोनों का स्टाइल और केमिस्ट्री फैंस को काफी पसंद आ रही है। बता दें, परिणीति और राघव चड्ढा ने 24 सितंबर, 2023 को राजस्थान के उदयपुर स्थित लीला पैलेस होटल में शादी रचाई थी। इस शादी में मनोरंजन जगत और राजनेताओं के साथ-साथ करीबी दोस्त और परिवार के कई जाने-माने चेहरे शामिल हुए थे।

राम मंदिर परिसर के नए नियम जारी हथियार और मोबाइल एलाऊ नही,सिखों को किरपान की छूट

लखनऊ,(संवाददाता)। अयोध्या में श्री राम जन्मभूमि मंदिर परिसर में प्रवेश को लेकर नए नियम लागू किए गए हैं। श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के सचिव चंपत राय के मुताबिक मंदिर परिसर की सुरक्षा व्यवस्था को ध्यान में रखते कुछ चीजों पर सख्त पाबंदी रहेगी। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए व्यवस्थाएं की जा रही हैं ताकि आने वाले भक्तों को किसी तरह की परेशानी न हो। श्श्री राम जन्मभूमि परिसर में मोबाइल फोन लेकर प्रवेश की अनुमति नहीं होगी। अगर कोई व्यक्ति सुरक्षा कर्मियों के साथ आता है तो उन सुरक्षा कर्मियों को भी परिसर में प्रवेश की अनुमति नहीं होगी। लाइसेंसी रिवॉल्वर, तलवार या बंदूक जैसे किसी भी प्रकार के हथियार परिसर के भीतर प्रतिबंधित रहेंगे। सिख भाइयों के अधिकारों के अनुसार केवल छोटी किरपान जिसे कानूनी रूप से धारण किया जाता है, गले में पहनकर लाने की अनुमति होगी। यह छूट केवल सिख समुदाय के लोगों के लिए होगी। 19 मार्च को चैत्र नवरात्रि का पहला दिन है। इस दिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु व्रत रखते हैं और दर्शन के लिए अयोध्या पहुंचते है। ऐसे श्रद्धालुओं को ध्यान में रखते हुए मंदिर परिसर में व्रत से जुड़ी खाद्य सामग्री उपलब्ध कराई जाएगी।19 मार्च को चैत्र नवरात्रि का पहला दिन है, जिस दिन कई श्रद्धालु व्रत रख सकते हैं। ऐसे श्रद्धालुओं के लिए परिसर में व्रत से संबंधित खाद्य सामग्री जैसे फल, मखाना, मूंगफली और आलू चिप्स उपलब्ध कराए जाएंगे, जो व्रत के नियमों के अनुसार होंगे पेयजल की व्यवस्था की जाएगी और शौचालय की सुविधा सभा स्थल के पास उपलब्ध होगी।

बुरा फंसा ऑस्ट्रेलिया: पश्चिम एशिया संघर्ष के बीच चीन ने जेट फ्यूल निर्यात रोका, हवाई यात्रा पर मंडराया संकट

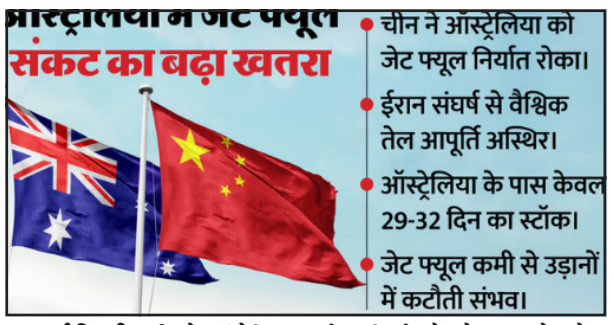

नई दिल्ली : चीन ने ऑस्ट्रेलिया को सप्लाई होने वाला जेट फ्यूल रोक दिया है। दूसरी ओर पश्चिम एशिया संघर्ष के चलते वैश्विक तेल आपूर्ति भी अस्थिर है। चीन के इस कदम से ऑस्ट्रेलिया की मुश्किलें इसलिए भी बढ़ गई है, क्योंकि वो खुद जेट फ्यूल नहीं बनाता और चीन से बड़े पैमाने पर ईंधन आयात करता है। ऑस्ट्रेलिया में तरल ईंधन की कमी और कीमतों में बढ़ोतरी का खतरा बढ़ गया है। इसकी वजह चीन की तरफ से तेल रिफाइनरी को सभी ईंधन निर्यात रोकने का आदेश देना है। साथ ही, ईरान में चल रहे संघर्ष के कारण वैश्विक तेल आपूर्ति भी अनिश्चित बनी हुई है। ऑस्ट्रेलियन फाइनेंशियल रिव्यू की रिपोर्ट के अनुसार, चीन ने अपनी रिफाइनरी को सभी ईंधन के निर्यात पर रोक लगाने के लिए कहा है। इससे ऑस्ट्रेलिया के लिए आने वाले कम से कम दो जहाजों पर असर पड़ सकता है। साथ ही, स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में दो परिवहन जहाज भी नष्ट हो गए हैं। यह दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण तेल मार्ग में आने वाले जहाजों की सुरक्षा को खतरे में डाल रहा है। बता दें कि एशियाई देश जैसे चीन से ऑस्ट्रेलिया अपने तेल का बड़ा हिस्सा आयात करता है। ऑस्ट्रेलिया खुद जेट फ्यूल बनाने की क्षमता नहीं रखता। ऑस्ट्रेलिया पूरी तरह से जेट फ्यूल पर निर्भर सिडनी एयरपोर्ट के सीईओ स्कॉट चार्लटन के अनुसार ऑस्ट्रेलिया पूरी तरह से जेट फ्यूल आयात पर निर्भर है।2025 में ऑस्ट्रेलिया ने अपने जेट फ्यूल का लगभग 32% चीन से आयात किया। अगर चीन निर्यात बंद रखता है, तो ऑस्ट्रेलिया को दूसरे देशों जैसे दक्षिण कोरिया, ताइवान, सिंगापुर, मलेशिया और भारत से ईंधन मंगवाना पड़ेगा। लेकिन इन देशों को भी पश्चिम एशिया के संघर्ष से असर हो रहा है। इसके चलते इन देशों के पास भी आपूर्ति पर संकट देखने को मिल रहा है। अब समझिए स्टॉकपाइल की स्थिति? इस बात को ऐसे समझा जा सकता है कि ऑस्ट्रेलिया के पास जेट फ्यूल का स्टॉक कम है। मार्च 2026 तक देश में लगभग 29-32 दिनों का जेट फ्यूल स्टॉक मौजूद है, यानी लगभग 802 मिलियन लीटर। ये ईंधन या तो ऑनशोर स्टोरेज में है या ऑस्ट्रेलिया के समुद्री क्षेत्र में जहाजों पर। हालांकि, ऑस्ट्रेलिया आईईए के 90 दिन के स्टॉकपाइल नियम का पालन नहीं करता, इसलिए अंतरराष्ट्रीय मदद देने में असमर्थ है। ऐसे समय में अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी (आईईए) ने सबसे बड़े आपातकालीन तेल स्टॉक को जारी किया है, जो कि 400 मिलियन बैरल बताया गया। यह 2022 में यूक्रेन संकट के समय जारी 182 मिलियन बैरल से दोगुना है। ऑस्ट्रेलिया की उड़ानों पर असर गौरतलब है कि इस प्रतिबंध का सबसे ज्यादा असर ऑस्ट्रेलिया के विमानों पर देखने को मिल सकता है। कारण है कि ऑस्ट्रेलियाई हवाई अड्डे जेट फ्यूल लगातार आने पर काम करते हैं। उनके पास केवल कुछ सप्ताहों का ईंधन स्टॉक होता है। ऐसे में अगर जेट फ्यूल की आपूर्ति बंद हो गई, तो- हवाई अड्डे अपने स्टॉक का सहारा लेंगे। जल्दी ही ईंधन खत्म हो जाएगा। आपातकालीन और सैन्य उड़ानों को प्राथमिकता दी जाएगी। व्यावसायिक उड़ानों में कटौती और रेशनिंग हो सकती है। हालांकि क्वांटस ने पहले ही कहा है कि उन्हें फ्लाइट की कीमतें बढ़ानी पड़ सकती हैं, लेकिन अभी उड़ानें रद्द नहीं हुई हैं। वहीं एयर न्यूजीलैंड ने ईंधन की कीमत और आपूर्ति की वजह से 1,100 उड़ानों को काट दिया है। दूसरी ओर विशेषज्ञों का भी यही कहना है कि आने वाले हफ्तों में उड़ानों में कटौती, रद्द या रेशनिंग की संभावना बढ़ सकती है।

महासचिव गुटेरेस ने भी सुरक्षा परिषद पर उठाए सवाल, बोले- ये आज भी 1945 के समय में फंसी है

बेरूत: संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने सुरक्षा परिषद की कार्यप्रणाली की आलोचना करते हुए कहा कि इसका ढांचा अब भी 1945 की दुनिया को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि वीटो पावर के कारण कई अहम फैसले रुक जाते हैं और अफ्रीका तथा लैटिन अमेरिका जैसे क्षेत्रों का स्थायी प्रतिनिधित्व नहीं है। संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने सुरक्षा परिषद की कार्यप्रणाली की कड़ी आलोचना की है। उन्होंने साफ शब्दों में कहा कि हमें यह मानना होगा कि सुरक्षा परिषद के साथ एक बड़ी समस्या है। उनके अनुसार, आज की सुरक्षा परिषद दुनिया के मौजूदा हालात को नहीं दर्शाती। यह आज भी 1945 के समय की दुनिया का प्रतिनिधित्व कर रही है जब इसे बनाया गया था। क्या बोले यूएन महासचिव? बेरूत में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान गुटेरेस ने बताया कि 15 देशों वाली इस परिषद में पांच स्थायी सदस्य हैं। इनमें से तीन देश यूरोप से हैं, एक एशिया से है और एक अमेरिका है। हैरानी की बात यह है कि अफ्रीका और लैटिन अमेरिका जैसे बड़े क्षेत्रों का कोई भी देश इसका स्थायी सदस्य नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि एशिया की आबादी और दौलत दुनिया में बहुत ज्यादा है, फिर भी यहां से सिर्फ

चीन ही स्थायी सदस्य के तौर पर शामिल है। काम के तरीके पर उठाए सवाल गुटेरेस ने सुरक्षा परिषद की काम के तरीके पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि 'वीटो' पावर की वजह से परिषद सही समय पर जरूरी फैसले नहीं ले पाती। जब भी किसी युद्ध को रोकने की जरूरत होती है, कोई न कोई स्थायी सदस्य वीटो का इस्तेमाल कर देता है। इससे शांति की कोशिशें बीच में ही रुक जाती हैं। गुटेरेस को फिलहाल ऐसी उम्मीद नहीं है कि आने वाले कम समय में इन हालातों में कोई बदलाव होगा। सुरक्षा परिषद के ढांचे की बात करें तो चीन, फ्रांस, रूस, ब्रिटेन और अमेरिका के पास वीटो की ताकत है। बाकी 10 अस्थाई सदस्यों को दो साल के लिए चुना जाता है, लेकिन उनके पास वीटो का अधिकार नहीं होता। भारत कर रहा स्थायी सदस्यता की मांग भारत पिछले कई दशकों से सुरक्षा परिषद में सुधार की मांग कर रहा है। भारत का कहना है कि 1945 में बनी यह व्यवस्था 21वीं सदी की जमीनी हकीकत और राजनीति से मेल नहीं खाती। भारत ने कई बार जोर दिया है कि वह सुरक्षा परिषद में स्थायी सदस्यता का पूरा हकदार है। भारत आखिरी बार 2021-22 में अस्थाई सदस्य के तौर पर परिषद का हिस्सा था। आज की सुरक्षा परिषद दुनिया में शांति बनाए रखने में नाकाम साबित हो रही है। यूक्रेन युद्ध, इस्त्राइल-हमास संघर्ष और ईरान के खिलाफ चल रहे तनाव जैसे बड़े मुद्दों पर परिषद के सदस्य आपस में बुरी तरह बंटे हुए हैं।

ईरान युद्ध के बीच फर्जी एआई वीडियो से प्रोपेगैंडा फैलाने का आरोप, यूएई में 10 गिरफ्तार

दुबई : यूएई ने सोशल मीडिया पर फर्जी वीडियो फैलाने के आरोप में 10 लोगों को गिरफ्तार किया है। इन लोगों ने एआई की मदद से धमाकों और हमलों के झूठे वीडियो बनाकर लोगों को डराने की कोशिश की। पश्चिम एशिया संघर्ष के बीच संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 10 लोगों को गिरफ्तार किया है। यूएई में ईरान युद्ध को लेकर सोशल मीडिया पर भ्रामक और फर्जी वीडियो प्रसारित करने के आरोप में 10 लोगों को गिरफ्तार किए गए हैं। इसके साथ ही इन लोगों के खिलाफ त्वरित सुनवाई के आदेश दिए हैं। सरकारी समाचार एजेंसी वाम के अनुसार यूएई के अटॉर्नी जनरल डॉ. हमद सैफ अल शम्सी ने कहा कि सोशल मीडिया की निगरानी के दौरान ऐसे वीडियो सामने आए, जिनमें लोगों को गुमराह करने वाली सामग्री साझा की गई। आरोपियों की राष्ट्रीयता का खुलासा नहीं किया गया है।

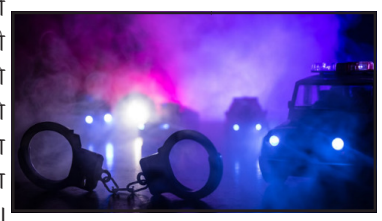

जांच में पाया गया कि कुछ वीडियो में वास्तविक फुटेज का इस्तेमाल करते हुए उन्हें गलत संदर्भ में पेश किया गया। वहीं, कई क्लिप आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की मदद से तैयार किए गए थे। इनमें विस्फोट, प्रमुख इमारतों पर हमले या यूएई के अलग-अलग इलाकों में बड़े पैमाने पर आग लगने जैसे दृश्य दिखाए गए थे। अटॉर्नी जनरल के अनुसार, कुछ वीडियो में बच्चों की भावनाओं का इस्तेमाल करते हुए सुरक्षा खतरे का झूठा संकेत दिया गया। वहीं, अन्य क्लिप में विदेशी घटनाओं को यूएई से जोड़कर दिखाया गया। उनका कहना है कि ऐसे प्रयासों का उद्देश्य लोगों को भ्रमित करना और डर का माहौल पैदा करना था। अभियोजन पक्ष ने आरोपियों से पूछताछ शुरू कर दी है और उन्हें हिरासत में रखने का आदेश दिया गया है। अधिकारियों के मुताबिक इस तरह के अपराधों के लिए कम से कम एक वर्ष की जेल और 1 लाख दिरहम से कम नहीं जुर्माने का प्रावधान है। अटॉर्नी जनरल ने साफ चेतावनी दी है कि साइबर स्पेस या नई तकनीक का गलत इस्तेमाल बर्दाश्त नहीं होगा। देश की सुरक्षा और शांति से खिलवाड़ करने वालों पर सख्त कार्रवाई होगी। उन्होंने लोगों से अपील की है कि वे रक्षा प्रणालियों से जुड़े वीडियो या ऐसी कोई भी जानकारी शेयर न करें जिससे समाज में डर पैदा हो।

पश्चिम एशिया के समुद्री मार्गों पर हमले, अब तक 17 जहाजों को बनाया गया निशाना; जानें सबकुछ

लंदन : पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष अब समुद्री मार्गों को भी प्रभावित करने लगा है। पिछले दो हफ्तों में फारस की खाड़ी, हॉर्मुज जलडमरूमध्य और ओमान की खाड़ी जैसे अहम समुद्री रास्तों पर कम से कम 17 जहाजों पर हमले हुए हैं। इन घटनाओं ने अंतरराष्ट्रीय शिपिंग और वैश्विक व्यापार को लेकर चिंता बढ़ा दी है। पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष का असर वैश्विक समुद्री सुरक्षा पर साफ नजर आने लगा है। पिछले दो हफ्तों में क्षेत्र के प्रमुख समुद्री मार्गों पर कम से कम 17 जहाजों पर हमले हुए हैं, जिससे अंतरराष्ट्रीय शिपिंग और व्यापार को लेकर चिंता बढ़ गई है। रिपोर्ट के अनुसार ये घटनाएं फारस की खाड़ी, हॉर्मुज जलडमरूमध्य और ओमान की खाड़ी के आसपास हुई हैं। ऐसे में लगातार हो रहे हमलों और ड्रोन गतिविधियों ने इस पूरे समुद्री क्षेत्र को बेहद संवेदनशील बना दिया है। इस बात की जानकारी सीएनएन ने यूनाइटेड किंगडम मरीटाइम ट्रेड ऑपरेशंस (यूकेएमटीओ) के डेटा का हवाला देते हुए दी है। ये हमले एक मार्च से फारस की खाड़ी, हॉर्मुज जलडमरूमध्य और ओमान की खाड़ी के आसपास हुए हैं। इतना ही नहीं इन हमलों में एक भारतीय नागरिक की मौत भी हो चुकी है। कब और कहां हुए हमले, यहां समझिए 1 मार्च को हॉर्मुज जलडमरूमध्य में दो टैंकरों पर प्रोजेक्टाइल से हमला हुआ, वहीं बहरीन में एक टैंकर पर भी हमला हुआ। इसी दिन ओमान की खाड़ी में टडऊश डट नामक टैंकर पर हमला हुआ, जिसमें एक व्यक्ति की मौत हुई। 3 मार्च को ओमान की खाड़ी में दो जहाजों पर प्रोजेक्टाइल से हमला हुआ और एक ड्रोन को भी देखा गया। 4 मार्च को हॉर्मुज जलडमरूमध्य और फारस की खाड़ी में दो जहाजों पर विस्फोट हुए। 6 मार्च को हॉर्मुज जलडमरूमध्य में एक टग जहाज पर हमला हुआ। 7 मार्च को फारस की खाड़ी में एक ड्रिलिंग रिग पर ड्रोन से हमला हुआ, जिसमें कर्मचारी घायल हुए और उन्हें बचाने के लिए खाली करना पड़ा। 10 मार्च को फारस की खाड़ी में एक जहाज को प्रोजेक्टाइल से चोट लगी। 11 मार्च को हॉर्मुज जलडमरूमध्य में कंटेनर शिप

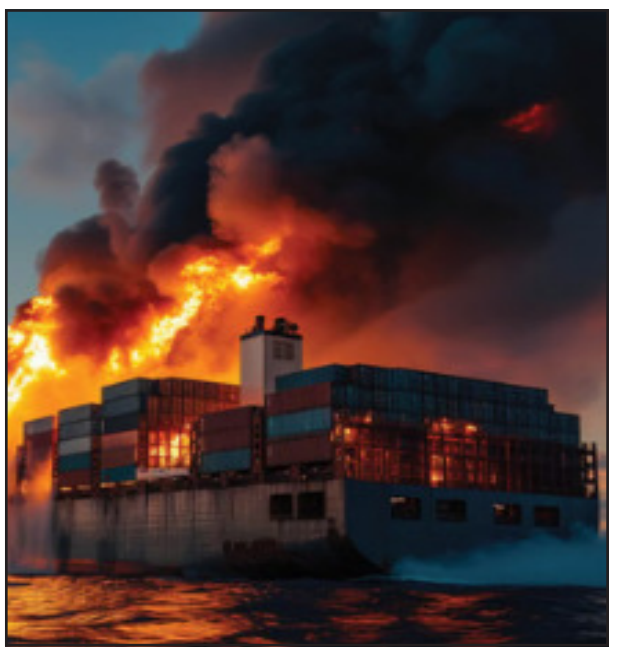

मयूरी नारी पर हमला हुआ और फारस की खाड़ी में तीन अन्य जहाज भी निशाना बने। 12 मार्च को फारस की खाड़ी में एक कंटेनर शिप पर प्रोजेक्टाइल से आग लग गई। सुरक्षा सलाह और खतरे की घंटी संघर्ष के बीच समुद्री मार्गों पर हो रहे हमलों के बीच जॉइंट मरीटाइम इन्फॉर्मेशन सेंटर (जेएमआईसी) और यूकेएमटीओ ने चेतावनी जारी की है कि फारस की खाड़ी, हॉर्मुज जलडमरूमध्य और ओमान की खाड़ी में समुद्री खतरा गंभीर है। इससे इलेक्ट्रॉनिक बाधाएं और आर्थिक असर को भी समझिए जारी हमलों के बीच समुद्री क्षेत्र में इलेक्ट्रॉनिक व्यवधान भी तेजी से बढ़ रहे हैं। जहाजों के नेविगेशन सिस्टम में जीएनएसएस और जीपीएस से जुड़ी गड़बड़ी, जामिंग और स्पूफिंग की घटनाएं सामने आ रही हैं, जिससे जहाजों की सही लोकेशन का पता लगाना मुश्किल हो रहा है। एआईएस डेटा के अनुसार कई जहाज ऐसे दिखाई दे रहे हैं जो 30 नॉट्स से ज्यादा की असंभव गति से चलते हुए दर्ज हो रहे हैं या उनकी लोकेशन जमीन पर दिख रही है। यह तकनीकी बाधाएं सिर्फ फारस की खाड़ी तक सीमित नहीं हैं, बल्कि इनका असर रेड सी और बाब-एल-मांडब जलडमरूमध्य तक भी देखा जा रहा है। ऐसे में इस स्थिति का असर वैश्विक व्यापार पर भी पड़ रहा है। समुद्री क्षेत्र में बढ़ते खतरे के कारण युद्ध-जोखिम बीमा की कीमतें बढ़ गई हैं और शिपिंग कंपनियों के लिए नियम भी कड़े कर दिए गए हैं। साथ ही माल ढुलाई दरें और बंकर ईंधन की कीमतें भी बढ़ रही हैं, जिससे ऊर्जा और उर्वरक जैसे उत्पादों की आपूर्ति श्रृंखला प्रभावित हो रही है। समुद्री एजेंसियों ने जहाजों के चालक दलों को दी सतर्कता की सलाह इस बीच समुद्री एजेंसियों ने जहाजों के चालक दल को सतर्क रहने की सलाह दी है। उन्हें अपने जहाजों के मार्ग और गतिविधियों को अनुमानित पैटर्न में न रखने, जहाज को लंबे समय तक एंकर या बंदरगाह पर खड़ा न करने और नेविगेशन डेटा की रडार, विजुअल संकेतों और मैन्युअल तरीकों से जांच करने को कहा गया है। इसके अलावा किसी भी संदिग्ध प्रोजेक्टाइल या मलबे को बिना छुए सुरक्षित दूरी से देखने और सैन्य जहाजों से पर्याप्त दूरी बनाए रखने की सलाह दी गई है, ताकि किसी भी तरह की गलत पहचान या दुर्घटना से बचा जा सके।

इस्त्राइल के साथ जंग रोकने को तैयार हुआ लेबनान, शांति वार्ता के लिए रख दी ये शर्त

बेरूत : इस्त्राइली बलों ने लेबनानी सीमा के पास स्थित ऐता अल-शाब शहर की ओर बढ़ने की कोशिश की है। यहां झड़पों के दौरान गोलीबारी की आवाजें सुनी गईं। हिजबुल्ला के लड़ाकों ने आगे बढ़ती इस्त्राइली टुकड़ियों पर मिसाइलें दागकर जवाबी कार्रवाई की। प्रेस टीवी के मुताबिक हिजबुल्ला ने अल-खज्जान हिल क्षेत्र में मौजूद इस्त्राइली सैनिकों के जमावड़े को निशाना बनाते हुए रॉकेट दागे। लेबनान ने संकेत दिया है कि वह इस्त्राइल के साथ सीधे शांति वार्ता के लिए तैयार है, लेकिन इसके लिए पहले युद्धविराम लागू होना जरूरी है। अल जजीरा की रिपोर्ट के अनुसार, यह पहल ऐसे समय सामने आई है जब इस्त्राइल लेबनान में 2006 के युद्ध के बाद सबसे बड़े जमीनी अभियान की चेतावनी दे रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक, इस्त्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने अपने करीबी सलाहकार रॉन डर्मर को लेबनान से जुड़े कूटनीतिक प्रयासों का नेतृत्व करने की जिम्मेदारी दी है। वहीं अमेरिकी पक्ष से राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दामाद जेरेड कुशनर के वार्ता में शामिल होने की संभावना जताई जा रही है।

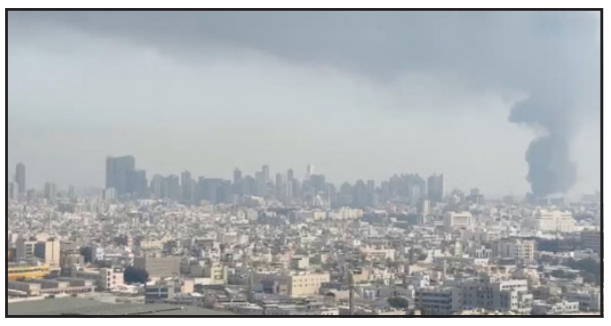

बताया जा रहा है कि बातचीत आने वाले दिनों में शुरू हो सकती है और इसके लिए पेरिस या साइप्रस संभावित स्थान हो सकते हैं। फ्रांस का शांति प्रस्ताव भी चर्चा में इस बीच फ्रांस की ओर से एक शांति प्रस्ताव की चर्चा भी सामने आई है, जिसमें युद्ध खत्म करने के लिए हिजबुल्ला के निरस्त्रीकरण और लेबनान के संसदीय अध्यक्ष और अमल मूवमेंट के नेता नबीह बेरी ने स्पष्ट किया है कि किसी भी वार्ता से पहले युद्धविराम लागू होना आवश्यक है। उधर पश्चिम एशिया में सैन्य तनाव भी लगातार बढ़ता दिखाई दे रहा है। अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा कि अमेरिकी लेबनान द्वारा इस्त्राइल को मान्यता देने की शर्तों का उल्लेख किया गया था। हालांकि फ्रांस के विदेश मंत्रालय ने ऐसे किसी प्रस्ताव से इनकार किया है। बल ईरानी सैन्य क्षमताओं के खिलाफ अभियान जारी रखे हुए हैं। दक्षिणी लेबनान में इस्त्राइल के हमले जारी इसी दौरान प्रेस टीवी की रिपोर्ट में दावा किया गया कि एक इराकी प्रतिरोधी समूह ने पश्चिम एशिया में अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर हमले का वीडियो जारी किया है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया कि इराक में एक अमेरिकी सैन्य अड्डे पर हमले के बाद आग लग गई। ईरान की सशस्त्र सेनाओं ने भी दावा किया है कि उन्होंने चार और ड्रोन मार गिराए हैं, जिसके बाद अब तक गिराए गए ड्रोन की संख्या 118 हो गई है। दक्षिणी लेबनान में भी झड़पें जारी हैं। अल जजीरा के अनुसार, इस्त्राइली हवाई हमलों और तोपखाने की गोलाबारी ने कई कस्बों को निशाना बनाया। मेफदून और उसके आसपास के इलाकों के अलावा जवतर, यहमर और अर्नौन जैसे शहरों में भी भारी गोलाबारी की खबर है।

'होर्मुज जलडमरूमध्य सिर्फ हमारे दुश्मनों के जहाजों के लिए बंद', ईरान के विदेश मंत्री का बड़ा बयान

तेहरान: पश्चिम एशिया में जारी तनाव और इससे उपजा तेल संकट गहराता जा रहा है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सहयोगी देशों से होर्मुज में अपनी नौसेना भेजने की अपील की है। जिसके बाद ईरान ने कहा है कि होर्मुज जलडमरूमध्य खुला है और सिर्फ अमेरिका और इस्त्राइल के जहाजों के लिए ही बंद है। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने शनिवार को एक बड़ा बयान देते हुए कहा कि होर्मुज जलडमरूमध्य खुला है और यह रणनीतिक मार्ग सिर्फ अमेरिका और इस्त्राइल के जहाजों के लिए बंद है। ईरानी विदेश मंत्री का यह बयान ऐसे समय सामने आया है, जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दुनिया की प्रमुख शक्तियों से होर्मुज जलडमरूमध्य में अपने नौसैनिक जहाज तैनात करने की अपील की है। ट्रंप ने कहा कि अमेरिका किसी भी हाल में इस महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग को खुला रखेगा। क्या बोले ईरानी विदेश मंत्री अराघची ने एक बातचीत के दौरान कहा, 'होर्मुज जलडमरू खुला है। यह केवल हमारे दुश्मनों, अमेरिका और उसके सहयोगियों के टैंकरों और जहाजों के लिए बंद है। बाकी सभी के लिए आवागमन पर कोई रोक नहीं है।' होर्मुज में ईरानी नाकेबंदी को लेकर किए गए सवाल पर अराघची ने कहा कि सुरक्षा चिंताओं के चलते ये नाकेबंदी की गई है। रूस और चीन को लेकर अराघची ने कहा, 'रूस और चीन हमारे रणनीतिक

साझेदार हैं। अतीत में हमारा घनिष्ठ सहयोग रहा है, जो अभी भी जारी है। इसमें सैन्य सहयोग भी शामिल है।' 'होर्मुज स्ट्रेट खुला है, पर नियंत्रण हमारे पास है' आईआरजीएस कमांडर ईरान के एक वरिष्ठ सैन्य अधिकारी ने बताया है कि दुनिया में तेल ले जाने का एक बहुत महत्वपूर्ण समुद्री रास्ता होर्मुज स्ट्रेट अभी भी खुला है और उस पर ईरान का नियंत्रण बना हुआ है। इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) की नौसेना के कमांडर अलीरिजा तंगसीरी ने एक बयान में कहा कि अमेरिका द्वारा किए जा रहे दावे सही नहीं हैं। अमेरिका कह रहा है कि उसने ईरान की नौसेना को नष्ट कर दिया है और तेल के जहाजों को सुरक्षित रास्ता दे सकता है, लेकिन ये बातें गलत हैं। चीन की समाचार एजेंसी शिन्हुआ ने ईरान की तस्नीम समाचार एजेंसी के हवाले से यह जानकारी दी है। बयान में कहा गया कि होर्मुज स्ट्रेट को सैन्य रूप से बंद नहीं किया गया है, बल्कि यह सिर्फ ईरान के नियंत्रण में है। होर्मुज स्ट्रेट एक बहुत महत्वपूर्ण रणनीतिक समुद्री मार्ग है। दुनिया का लगभग पांचवां हिस्सा तेल इसी रास्ते से होकर गुजरता है। ईरान के नए सर्वोच्च नेता मोजतबा खामेनेई ने अपने पहले संदेश में कहा है कि ईरान इस स्ट्रेट पर अपना प्रभाव बनाए रखेगा। इस बीच अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शनिवार को उन देशों से अपील की है जो इस रास्ते से तेल मंगाते हैं। उन्होंने कहा कि इन देशों को इस समुद्री मार्ग को खुला रखने की जिम्मेदारी उठानी चाहिए और अमेरिका उनकी मदद करेगा। अमेरिका इस समय तेल की बढ़ती कीमतों को कम करने की कोशिश कर रहा है। हाल ही में अमेरिका और इस्त्राइल ने मिलकर ईरान पर हमले किए थे, जिसके बाद ईरान ने भी पूरे क्षेत्र में अमेरिकी ठिकानों पर जवाबी कार्रवाई की है।

उत्तर कोरिया: किम जोंग उन ने बेटी के साथ देखा रॉकेट लॉन्चर का परीक्षण, अमेरिका-दक्षिण कोरिया को दी चेतावनी

सियोल : उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन ने अपनी बेटी के साथ रॉकेट लॉन्च सिस्टम के लाइव परीक्षण का निरीक्षण किया। यह परीक्षण अमेरिका और दक्षिण कोरिया के सैन्य अभ्यास के जवाब में किया गया। दक्षिण कोरिया ने इसे उकसाने वाली कार्रवाई बताते हुए संयुक्त राष्ट्र नियमों का उल्लंघन कहा। उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन ने अपनी बेटी के साथ मिलकर रॉकेट लॉन्च सिस्टम का परीक्षण देखा। सरकारी मीडिया ने रविवार को इस बात की जानकारी दी। यह परीक्षण अमेरिका और दक्षिण कोरिया के बीच चल रहे सैन्य अभ्यास के जवाब में किया गया है। उत्तर कोरिया इस सैन्य अभ्यास को अपने देश पर हमले की तैयारी मानता है।

खाड़ी देशों में बढ़ा युद्ध का खतरा: ईरान की चेतावनी के बाद हमले तेज, खार्ग द्वीप को लेकर सऊदी पर लगा ये आरोप

अबू धाबी : ईरान और इस्त्राइल के बीच जारी युद्ध का असर अब खाड़ी देशों तक पहुंचने लगा है। ईरान की ओर से संयुक्त अरब अमीरात के बड़े बंदरगाहों को खाली करने की चेतावनी के बाद क्षेत्र में नए हमले हुए हैं। युद्ध में बड़ी संख्या में महिलाओं और बच्चों की मौत का दावा किया गया है। पश्चिम एशिया में जारी युद्ध अब खाड़ी देशों तक फैलने का खतरा पैदा कर रहा है। ईरान की ओर से संयुक्त अरब अमीरात के बड़े बंदरगाहों को खाली करने की चेतावनी के एक दिन बाद रविवार सुबह खाड़ी देशों में नए हमलों की खबर सामने आई। इससे पूरे क्षेत्र में तनाव और बढ़ गया है। हालात ऐसे बन गए हैं कि समुद्री रास्तों और ऊर्जा आपूर्ति पर भी संकट की आशंका जताई जा रही है। ईरान ने आरोप लगाया है कि अमेरिका ने संयुक्त अरब अमीरात के बंदरगाहों और ठिकानों का इस्तेमाल कर उसके खार्ग द्वीप पर हमला किया। यह द्वीप ईरान के तेल निर्यात का मुख्य केंद्र माना जाता है। हालांकि ईरान ने इस दावे के समर्थन में कोई सबूत नहीं दिया है।

Facebook: https://www.facebook.com/profile.php?id=100063787346044 Twitter: https://twitter.com/mantrabharat?t=8tJONQ7H-h6EKqqap2tVMw&s=08 Mobile No: 7007837917

मंत्र भारत : RNI-MPHIN/2023/88414 देवांश प्रिंटिंग प्रेस 12/12 विनय नगर सेक्टर-2 ग्वलियर(म.प्र.) से मुद्रित एंव 433 आनंन नगर डबल रोड बहोड़ा ग्वालियर से प्रकाशित एवं सम्पादित।
E-Mail : mantragwalior@gmail.com । सम्पादक : मनीष शुक्ला, मोबाइल : 7007837917 स्थानीय संपादक- आनंद त्रिवेदी । वैधानिक सूचना : मंत्र भारत से संबंधित समस्त विवाद निपटारे का क्षेत्र ग्वालियर न्यायालय होगा।